शुभ लाभ

शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 31 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-240

अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि

श्री गोपालजी अग्रवाल (गोपी भाई)

(सुपुत्र : स्व. श्री नथमलजी बसईवाले)

स्वर्गवास : शुक्रवार दि.22-8-2025

पल भर में छोड़ गए दुनिया, हम सोंचते ही रह गए ।
कब, क्यों, कैसे हो गया, हम देखते ही रह गए ।।

– श्रद्धांजलि अर्पितकर्ता –

आशा-किरन तायल (बहन-बहनोई)
फर्म : केशवप्रशाद ओमप्रकाश तायल हैदराबाद
M/s. Tayal Jewellers

अर्चना-अश्विन अग्रवाल (भतीजी-दामाद)
फर्म : लालमन जगमोहन बड़ोपलिया (अहमदाबाद)
M/s. Balaji Packagers

शीतल-विकास अग्रवाल (भतीजी-दामाद)
फर्म : रामनिवास विष्णु अग्रवाल कोची-केरल
M/s. RN Agarwal Sons

सलोनी-सुमित गार्गिया (भतीजी-दामाद)
फर्म : सोहनलाल बदरीप्रसाद गार्गिया सिकंदराबाद
M/s. Sree Gargya Textiles

अक्षिता-सचिन अग्रवाल (भतीजी-दामाद)
फर्म : मांगीलाल दिगम्बर दस सुनील कुमार अग्रवाल घांसी बाज़ार हैदराबाद
M/s. Sunil Enterprises Tilak Road

॥ राम राम हरे हरे ॥ ॥ हरे कृष्ण हरे हरे ॥

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बेंगलूरु क्षेत्र में आरओबी, आरयूबी के निर्माण को लेकर हुई चर्चा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु और उसके आसपास के क्षेत्रों में सड़क ऊपरी पुलों (आरओबी) और सड़क निचले पुलों (आरयूबी) के निर्माण पर एक समीक्षा बैठक कुमार कृपा गेस्ट हाउस में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने की। बैठक में सांसद पीसी मोहन, सांसद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ, सांसद मल्लेश बाबू के साथ-साथ रेलवे अधिकारी, बेंगलूरु पुलिस और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वी. सोमन्ना ने आरओबी (सड़क ऊपरी पुल) और आरयूबी (सड़क निचले पुल) कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और केंद्र और राज्य सरकार दोनों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन में देरी करने वाली किसी भी समस्या का समाधान करने के लिए मिलकर काम करें।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सामूहिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी परियोजनाएँ जनता की अधिक सुविधा के लिए कुशलतापूर्वक और शीघ्रता से पूरी हों। बाद में वी. सोमन्ना ने मीडिया से बातचीत की और बताया कि पिछले दस वर्षों (2014-2025) में, लेवल क्रॉसिंग गेटों के स्थान पर लगभग 75 आरओबी और आरयूबी का निर्माण किया गया है। इनमें से 56 रेलवे द्वारा 142 करोड़ की लागत से पूरी तरह से वित्त पोषित हैं, 16 राज्य और केंद्र सरकारों के बीच लागत-साझाकरण के तहत बनाए गए हैं, और 3 एनएचएआई द्वारा बनाए गए हैं। उन्होंने आगे घोषणा की कि यातायात की भीड़भाड़ को कम करने और सार्वजनिक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए बेंगलूरु और उसके आसपास के 39 और लेवल क्रॉसिंग को आरओबी और आरयूबी से बदलने की योजना है। बेंगलूरु सिटी पुलिस ने शहर के सबसे अधिक यातायात-भीड़ वाले रेलवे गेटों की एक सूची प्रस्तुत की, जहाँ आरओबी और आरयूबी का निर्माण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। यह भी बताया गया कि बेंगलूरु में 13 आरओबी और आरयूबी पहले ही स्वीकृत हो चुके हैं और कार्य प्रगति पर है। इससे पहले, दिन में, नारियल के कीटों और रोगों से निपटने के उपायों पर चर्चा के लिए एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वी. सोमन्ना ने की। इस सत्र में सीपीसीआरआई, नारियल विकास बोर्ड, बागवानी विभाग, एनबीएआईआर, आईआईएचआर, अटारी, यूएचएस बागलकोट, केवीके और कर्नाटक सरकार के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में बताया गया कि नारियल विकास बोर्ड, बागवानी विभाग के सहयोग से, नारियल कीटों और मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए वैज्ञानिक प्रबंधन पद्धतियों पर गाँव और होबली स्तर पर जागरूकता बैठकें आयोजित करेगा।

अन्नदान को जैन धर्म में महादान माना जाता है: साध्वी भव्यगुणा

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने श्री राजेन्द्र महिला परिषद द्वारा अन्नदान के कार्यक्रम के अंतर्गत कहा कि अन्न दान को जैन धर्म में महादान माना जाता है, जो न केवल भूख मिटाकर जीवन बचाता है बल्कि व्यक्ति को पुण्य, आध्यात्मिक प्रगति, सामाजिक सद्भाव और सम्मान भी प्रदान करता है। यह एक जीवन रक्षक कार्य है, जो जरूरतमंदों की गरिमा बनाए रखता है और दानकर्ता तथा प्राप्तकर्ता दोनों के लिए खुशी लाता है।

अन्न दान से पितृदोष और ग्रहों के दोषों का प्रभाव कम होता है, और यह सामुदायिक भावना, एकजुटता को बढ़ावा देता है। अन्न ही जीवन का आधार है, इसलिए अन्न दान को प्राण दान के समान माना जाता है, जो सबसे बड़ा पुण्यदायक कार्य है। यह दानदाता को आध्यात्मिक प्रगति का अवसर देता है और उसे देवलोक की प्राप्ति कराता है। शास्त्रों के अनुसार, अन्न दान पितृदोष और विभिन्न ग्रह दोषों को शांत करता है। सभी धर्म में मंत्रों का प्रभाव अन्न दान के बिना पूरा नहीं होता। सामुदायिक निर्माण होता है, अन्न दान समुदायों के बीच अपनेपन, एकजुटता और साझा उद्देश्य की भावना को बढ़ाता है। यह समाज में समानता और करुणा के संदेश का प्रसार करता है।

भूख में गरिमा बनाए रखना अन्न दान के माध्यम से संभव होता है, जो जरूरतमंदों को जीवन जीने की राह दिखाता है। अन्न दान करने वाले को पुण्य की प्राप्ति होती है। अन्नदान से आर्थिक समृद्धि होती है, व्यक्ति के जीवन में आर्थिक समस्याएं कम होती हैं। दान करने वाले और प्राप्त करने वाले दोनों को खुशी मिलती है, जिससे प्रेम और संतोष बढ़ता है। महिला परिषद अध्यक्षा मधु जैन के नेतृत्व में यह शुभ कार्य संपन्न हुआ। सभी महिलाओं का सराहनीय सहयोग मिला। यह जानकारी रिंकू पोरवाल ने दी। साध्वी शीतलगुणा के मंगलाचरण से अन्नदान कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र महिला परिषद ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मासखमण करने पर तपस्वी का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कुमारा पार्क स्थित सुराणा भवन में विराजित मुनि श्री अभय शेखर सुरीश्वरजी की निश्रा में पोषद रहकर तपस्वी धीरेन मेहता ने मासखमण की तपस्या की। इस अवसर पर होसूर रोड स्थित सलारपुरिया गिरनेज अपार्टमेंट में जैन धर्मावलंबि परिवार के सदस्यों ने तपस्वी के तप की अनुमदना की और तपस्वी का सम्मान किया। शैलेन्द्र छजेड़ ने बताया कि आकल्याण के लिये तप किया जाता है।

संयम को जीवन में अपना कर मानव भव का करें कल्याण: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि सच्चा और अच्छा भक्त संसार की चीजों की कामना नहीं करता है। जिसकों जन्म मिला है उसको जीवन की जरूरी चीजें मिलती है। जिन्दा नर अगर चिंता करता है तो यह उसका अभाव है। मुर्दे को भी लकड़ी देने वाला मिल ही जाता है। जब मुर्दे को मिल रहा है तो जिन्दा व्यक्ति को जरूर मिलेगा। जीवन को लेकर किसी को चिंता नहीं करनी चाहिए। इसलिए

सच्चा भक्त इन चीजों की चिंता नहीं करता है। उसे पता है कि उसको सब कुछ मिल जाएगा। किसी को जल्दी मिलता है तो किसी को देर में मिलता है। लेकिन समय के अनुसार सभी को सब कुछ मिल ही जाता है। सच्चा भक्त प्रभु से कहता है कि द्वार पर खड़ा हूं मेरा कल्याण करो। संसार में सभी को देख और परख लिया है। अब कर्मों की निर्जरा करने का समय आ गया है। मनुष्य का कल्याण सिर्फ प्रभु ही कर सकते हैं। कल्याण की चाह रखने के लिए मनुष्य को कुछ करना पड़ता है। बिना कुछ किए कल्याण संभव नहीं होगा। जब मनुष्य का मन बस में रहेगा तो इंद्रिया बस में रहेंगी। लेकिन मन अगर बस में नहीं है तो इंद्रियां भी बस में नहीं रहेगी। मन नियंत्रिण करने से मनुष्य के कर्मों का बंधन छूट जाता है। कर्मों का बंधन छूटने से ही मनुष्य को मोक्ष की प्राप्ति हो जाती है। कर्मों की वजह से ही मनुष्य संसार में भटक रहा है। जब तक मनुष्य अपने कर्मों के बंध को नहीं खोलेगा तब तक उसके कल्याण का मार्ग प्रशस्त नहीं होगा। गुरुदेव ने कहा कि पर्युषण में संयम दिवस मनाया था। अब वह सोचना है कि संयम कहां करना है। मनुष्य को जीवन में हर चीज के लिए संयम अपनाना चाहिए। ऐसा करने से मनुष्य भव पार हो जाएगा। महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

णमोत्थुणं का जाप है महा मंगलकारी: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर में साध्वी नंदिनी ने त्रिदिवसीय णमोत्थुणं जाप के द्वितीय दिवस अपने मंगल प्रवचन में कहा कि णमोत्थुणं का जाप केवल एक स्तुति नहीं, बल्कि आत्मा को ऊर्जावान बनाने वाला महा मंगलकारी साधन है। उन्होंने कहा कि इस जाप में सिद्ध परमात्मा की स्तुति की गई है। जैसे विज्ञान ने तरंगों की शक्ति से उपचार और यहाँ तक कि ऑपरेशन करना संभव बना दिया है, वैसे ही जब हम भक्ति-भाव से णमोत्थुणं का जाप करते हैं तो उसकी दिव्य तरंगें हमें केवल मानसिक और शारीरिक वेदना से ही मुक्ति नहीं

दिलातीं, बल्कि हमारी आत्मा को भी पावन और निर्मल बना देती हैं। साध्वी ने आगे कहा कि यह मनुष्य लोक की रचना नहीं है, बल्कि दैवीय ध्वनि है। स्वयं देवगण भी इसकी स्तुति करते हैं। इन्द्र भगवान भी परमात्मा की आराधना का आरंभ णमोत्थुणं पाठ से ही करते हैं। उन्होंने बताया कि इस जाप की साधना विशेष रूप से ईशान कोण में करने का विधान है। ऐसा करने से महाविदेह क्षेत्र में विराजित सिद्ध परमात्मा की दिव्य तरंगों से साधक की आत्मा ऊर्जा से परिपूर्ण होकर आध्यात्मिक उन्नति की ओर अग्रसर होती है। प्रेरणासंदेश देते हुए साध्वी नंदिनी ने कहा णमोत्थुणं की एक-एक ध्वनि आत्मा में नई ऊर्जा का संचार करती है। जितना अधिक हम इस जाप में रच-बस जाते हैं, उतना ही हम अपने अंतर की दिव्यता को पहचानते हैं। आओ, हम सभी इस मंगलकारी जाप को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाकर आत्मा की शुद्धि और परम शांति की ओर कदम बढ़ाएँ। साध्वी ऋषिता ने स्तवन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर ममता बागरेचा ने 24 उपवास, मीना नेमीचंद दलाल, नीलेश मेडतवाल और खुशी पोरवाड़ ने 9 उपवास के पच्चखान लिए। आभार ज्ञापन अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *एचआर फाऊंडेशन द्वारा मागड़ी रोड विद्यारण्य नगर क्षेत्र में भाजपा नेता एच. रविंद्र के नेतृत्व में रक्तदान शिविर, निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं जरूरतमंदों में साड़ियां एवं कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिससे सैकड़ों लोग लाभान्वित हुए। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने फाउंडेशन के सेवा कार्यों की सराहना करते हुए रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

इन्द्रियों को वश में रखकर ही आत्मा का कल्याण सम्भव

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी में चातुर्मासार्थ विराजित गुरुदेव मलयप्रभ सागर जी ने छाजेड़ निवास में अपने प्रवचन में कहा कि इंद्रियों को वश में करके ही हम अपनी आत्मा का कल्याण कर सकते हैं। श्रुति दीपक छाजेड़ के मासखमण के पारने के अवसर पर गुरुवर ने कहा कि दीर्घ तपस्या के पश्चात हमें अपनी रसनेंद्रिय पर विजय पानी है और खान-पान में संयम बरतना चाहिए। साध्वीवर्या हर्षपूर्णा श्री जी ने कहा कि स्पर्शेंद्रिय एवं अन्य इन्द्रियों के लगाव के कारण हम अपना परिग्रह बहुत बढा देते हैं जो कि अंत में हमें दुख ही देने वाला है।

इस अवसर पर पन्यास प्रवर जयभानुशेखर विजय जी भी पधारे और उन्होंने कहा कि हम सोशल मीडिया के पीछे दीवाने हो गए हैं। हमें इसकी आदत कम करनी चाहिए, तो ही आज की युवा पीढ़ी धर्म में आएगी। धर्म हमें इस जग का प्रत्येक सुख प्रदान कर सकता है और प्रत्येक दुख का निवारण भी कर सकता है। इस अवसर पर राजेंद्र गुलेच्छा ने तपस्वी के पारने के अवसर पर बहुत ही सुंदर गीतिका प्रस्तुत की। स्वाति गुलेच्छा ने तपस्वी के सम्मान में अपने विचार रखे। इस अवसर पर दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने शुभकामना संदेश प्रेषित किया। कार्यक्रम में महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा, प्रवक्ता अरविंद कोठारी, प्रकाश भन्साली, ललित डाकलिया, रवि रतन बोहरा, प्रकाश पारख, लक्ष्मी देवी, राजकुमार जैन, सविता जैन के साथ छाजेड़ परिवार के अनेक परिजन एवं हितैषीगण आदि उपस्थित थे।

भक्ति समर्पण मांगती है, दिखावा नहीं: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी श्री इंदुप्रभा जी ने कहा कि आसक्ति में जीव की दुर्गति है। आम तौर पर व्यक्ति, वस्तु या स्थान पर हमारी आसक्ति रहती है। यह जीव अनंत काल से भव भ्रमण करता हुआ मात्र कर्मों का बोझ बढ़ा रहा है। इस जीव को बोझ कम करने के अवसर भी बहुत बार मिले।

परन्तु यह मोह दशा में सोता रहा। मोह क्षय हुए बिना मुक्ति संभव नहीं है। मोह में हम स्व और पर का विवेक खो देते हैं। अब भी हम यदि शरीर और आत्मा का भेद विज्ञान समझ लें तो आसक्ति को कम कर सकते हैं। अपने प्रवचन में साध्वी श्री

निपुणप्रभा जी ने कहा कि भक्ति समर्पण मांगती है, दिखावा नहीं। भक्ति में स्वयं को आराध्य के समक्ष ऐसे समर्पित कर देना चाहिए जैसे नदी सागर को समर्पित हो स्वयं सागर बन जाती है। भक्ति में भावों की अभिव्यक्ति होनी चाहिए। ऐसी भक्ति में तल्लीन हो जाएं जैसे राम के समक्ष हनुमान थे। भगवान को पाना है तो भक्ति आवश्यक है। प्रवचन सभा में कुमकुम कांकरिया, नीव धोका, स्मृति मेहता, मधु दुधेडिया, करण नाहर, और हेमंत बोहरा ने 11 उपवास और कलावती देवी दर्डा ने 8 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। संघ अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने तपस्वियों का सम्मान किया। मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभी तपस्वियों का परिचय दिया। केसर और यशी ने तपस्या की अनुमोदना की। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ सुनाया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य में शांति-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस व्यवस्था ने अपना कर्तव्य... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 31 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-240

यूपी, बिहार, बंगाल, असम और नेपाल तक बढ़ी मुस्लिम आबादी

सीमावर्ती इलाकों में जनसंख्या का भारी असंतुलन

नई दिल्ली, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

देश के कई सीमावर्ती इलाकों खासकर उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल, असम और नेपाल से सटे जिलों में जनसंख्या के भारी असंतुलन को लेकर केंद्र सरकार ने गहरी चिंता जताई है। यूपी के तीन जिलों श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर में बीते 10 वर्षों में मुस्लिम समुदाय की जनसंख्या दोगुनी हो चुकी है। हाल ही में यूपी के संभल और असम के 11 जिलों में हुई जांच और सर्वेक्षण से सामने आया है कि इन इलाकों में हिंदू आबादी तेजी से घट रही है, जबकि मुस्लिम समुदाय की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, यूपी के तीन सबसे संवेदनशील जिले श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर में बीते 10 वर्षों में मुस्लिम जनसंख्या दोगुनी हो चुकी है। सुरक्षा एजेंसियों ने इन इलाकों में विदेशी फंडिंग, जाली नोटों की तस्करी और अवैध धर्मांतरण जैसे गंभीर मामले पकड़े हैं। इन गतिविधियों में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की भूमिका भी शामिल है। यह केवल उत्तर प्रदेश में ही नहीं है। असम में स्थिति और भी गंभीर है। यहां के कम से कम 11 जिलों में हिंदू अब अल्पसंख्यक हो चुके हैं। इसकी वजह बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ, बांग्लादेशी घुसपैठियों की ज्यादा जन्म दर और संगठित अतिक्रमण है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा का कहना है कि अगर यही रफ्तार बनी रही तो 2041 तक राज्य में हिंदू और मुस्लिम आबादी 50-50 हो सकती है।

ये आंकड़े केवल जनसंख्या बदलाव नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और सांप्रदायिक सौहार्द के लिए खतरे का सबब हैं। गृह मंत्रालय ने संबंधित जिलों के अधिकारियों को सख्त निगरानी और कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। नेपाल बॉर्डर पर भी यही पैटर्न देखा जा रहा है, जहां हिंदू जनसंख्या घट रही है, जबकि मुस्लिम समुदाय की

विदेशी फंडिंग, धर्मांतरण और घुसपैठ से गृह मंत्रालय चिंतित

बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुस्लिमों की घुसपैठ से दशा खराब

आबादी में बढ़ोतरी हो रही है। संभल जिले से आई एक उच्चस्तरीय कमेटी रिपोर्ट ने जनसंख्या के बदलाव को लेकर चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, आजादी के समय संभल नगर पालिका क्षेत्र में हिंदुओं की आबादी करीब 45 फीसदी थी, लेकिन अब यह घटकर सिर्फ 15 फीसदी रह गई है। यह बदलाव महज आंकड़ों का उतार-चढ़ाव नहीं माना जा रहा, बल्कि रिपोर्ट में इसे एक सुनियोजित साजिश और नस्लीय-सफाया यानि एथनिक-क्लींजिंग जैसा गंभीर मामला बताया गया है। इसमें न सिर्फ जनसंख्या का संतुलन बदला गया है, बल्कि मंदिरों और धार्मिक स्थलों को निशाना बनाए जाने के भी प्रमाण मिले हैं, जिससे साफ है कि यह बदलाव अचानक नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से हुआ है।

यही स्थिति अब उत्तर प्रदेश के नेपाल सीमा से सटे संवेदनशील जिलों श्रावस्ती, बहराइच और बलरामपुर में भी सामने आ रही है। पिछले कुछ वर्षों में इन इलाकों में जनसंख्या का संतुलन तेजी से बदला है। यहां अवैध रूप से धार्मिक स्थलों का निर्माण बढ़ा है और सीमावर्ती क्षेत्रों में तेजी से अतिक्रमण किया जा रहा है। स्थानीय लोग पलायन को मजबूर हो रहे हैं, जबकि बाहरी लोग बड़ी संख्या में यहां आकर बसते जा रहे हैं। इसी के साथ इन क्षेत्रों में मानव तस्करी, अवैध धर्मांतरण और आपराधिक गतिविधियों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे यह इलाका सुरक्षा एजेंसियों के लिए चिंता का विषय बन गया है।

बिहार और पश्चिम बंगाल की स्थिति तो और भी जघन्य है। बिहार में बांग्लादेशियों और रोहिंग्या घुसपैठियों को तो सारी सरकारी सुविधाएं मुहैया कराई जाती रहीं और उन्हें वोट बैंक बनाने का खेल चलता रहा। तमाम राजनीतिक दबाव के बावजूद बिहार में 65 लाख अतिरिक्त मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से बाहर हुए। मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया (एसआईआर) के दरम्यान ही यह उजागर हुआ कि किस तरह बड़ी तादाद में बाहरी लोगों और घुसपैठियों को वोटर बनाया गया। इससे ही जनसंख्या के बदलाव और असंतुलन के बारे में समझा जा सकता है। बिहार में मुस्लिम आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार 16.87 प्रतिशत थी, जो 2023 के जाति-आधारित जनगणना में बढ़कर लगभग 17.7 प्रतिशत हो गई, और पिछले कई दशकों से लगभग हर जनगणना के साथ इसमें वृद्धि दर्ज की गई है। यह वृद्धि जनसांख्यिकीय कारकों के कारण हुई है। बिहार में मुस्लिम बहुल जिले किशनगंज, अररिया और पूर्णिया हैं। ये जिले बांग्लादेश की सीमा से सटे हुए हैं और यहां बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुसलमानों की घुसपैठ व्यापक पैमाने पर हुई है और उन्हें राजनीतिक दलों ने बसाने का काम किया।

पश्चिम बंगाल की स्थिति भयानक है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मुस्लिम तुष्टिकरण की नीति ने पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बना कर रख दिया है। यहां बांग्लादेशियों और रोहिंग्या मुसलमानों की खुली एंट्री से जनसंख्या में भारी असंतुलन पैदा हो गया है। बंगाल और बांग्लादेश सिर्फ एक जैसा नाम ही नहीं हैं बल्कि ममता बनर्जी की कृपा से अब बांग्लादेश की रूह खुले बॉर्डर से धीरे-धीरे इस पार घुस आई है। ▶10पर

जापान की दो दिवसीय यात्रा के बाद चीन पहुंचे पीएम मोदी

दुनिया बाखबर, मोदी-जिनपिंग वार्ता पर नजर

बीजिंग, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

जापान की दो दिवसीय यात्रा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आर चीन के तियानजिन शहर पहुंचे हैं। यहां प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी मोदी 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल से ज्यादा के अंतराल के बाद शनिवार को चीन पहुंचे। इस यात्रा पर पूरी दुनिया की निगाह है। दुनिया बेहद उत्सुकता से पीएम मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात का इंतजार कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से भारत-अमेरिका संबंधों में अचानक आई गिरावट को देखते हुए यह यात्रा और भी महत्वपूर्ण हो गई है। पीएम मोदी मुख्य रूप से 31 अगस्त और 1 सितंबर को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन आए हैं।

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्रधानमंत्री मोदी की रविवार को निर्धारित बैठक वाशिंगटन के टैरिफ विवाद के मद्देनजर और भी महत्वपूर्ण हो गई है, जिसका असर दुनिया भर की लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ा है। इस वार्ता में पीएम मोदी और शी भारत-चीन आर्थिक संबंधों का जायजा लेने और पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद के बाद गंभीर तनाव में आए संबंधों को और सामान्य बनाने के लिए कदमों पर विचार-विमर्श करेंगे। प्रधानमंत्री अपनी दो-राष्ट्र यात्रा के दूसरे और अंतिम चरण में जापान से इस चीनी शहर पहुंचे हैं। पीएम मोदी शिखर सम्मेलन से इतर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और कई अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी कर सकते हैं। तियानजिन की अपनी यात्रा से पहले पीएम मोदी ने कहा कि विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए भारत और चीन का मिलकर ▶10पर

ट्रंप के टैरिफ के साझा प्रतिकार को लेकर बनी है जिज्ञासा

एससीओ सम्मेलन के दरम्यान पुतिन से भी मिलेंगे मोदी

असम की जमीन से केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का ऐलान

देश को घुसपैठियों से मुक्त कराएगी भाजपा

गुवाहाटी, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

असम दौरे पर गए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि भाजपा देश को घुसपैठियों से मुक्त करने का अपना वादा निभाएगी। अमित शाह ने कहा, हमने असम से वादा किया था, भले ही हम 10 साल में इसे पूरा नहीं कर पाए, लेकिन हम अपना वादा जरूर निभाएंगे। असम के साथ-साथ पूरे देश को अवैध विदेशियों से मुक्त करेंगे। मैं उन लोगों में से हूं जो मानते हैं कि हमारे देश में एक भी घुसपैठिया नहीं रहना चाहिए।

असम के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री गोलाप बोरबोरा की जन्मशती पर गुवाहाटी में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के भाषण में घोषित केंद्र का उच्चस्तरीय जनसांख्यिकी मिशन देश के जनसांख्यिकीय स्वरूप का अध्ययन करने और घुसपैठियों की पहचान करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब 1978 में गोलाप बोरबोरा असम के पहले गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री बने, तो यह असम के राजनीतिक इतिहास में एक बहुत बड़े बदलाव की शुरुआत थी। 1978 तक यहां कोई गैर-कांग्रेसी मुख्यमंत्री नहीं चुना गया था। फिर पहली बार, गोलाप बोरबोरा ने एक अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि जब से इंदिरा गांधी ने देश की कमान संभाली है, उनके परिवार के अलावा किसी अन्य व्यक्ति के योगदान को देश में मंच या सम्मान नहीं दिया गया है। इतने बड़े देश में, विविध संस्कृतियों के कई लोगों ने देश की प्रगति में योगदान दिया है, लेकिन उन्हें न तो सम्मान दिया गया और न ही उन्हें कोई मंच मिला।

इस दौरान अमित शाह ने बताया कि कैसे बोरबोरा ने मंगलदई लोकसभा सीट पर उपचुनाव की आवश्यकता पड़ने पर मतदाता सूची को सही करने का अभियान चलाया था। शाह ने कहा कि उस दौर में जब कम्प्यूटरीकृत मतदाता सूची नहीं थी उस अभाव में भी, पूर्व सीएम बोरबोरा की सरकार ने 36,780 अवैध विदेशियों के नामों का पता लगाया था। मतदाता सूची के इस शुद्धिकरण को असम आंदोलन की शुरुआत माना जा सकता है। गोलाप बोरबोरा ने मार्च 1978 से सितंबर 1979 तक राज्य में जनता पार्टी की सरकार का नेतृत्व किया था।

इससे पहले राजभवन की नवनिर्मित इकाई ब्रह्मपुत्र का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर वोटर अधिकार यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के लिए कहे गए अपशब्दों के लिए जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जितनी ज्यादा गालियां पीएम मोदी को दोगे, कमल का फूल उतना ही अधिक खिलेगा। कांग्रेस ने हर चुनाव में यही गलती की। गाली दी और फिर मुंह की खाई। बाद में विजय को झुठलाने के लिए घुसपैठिया बचाओ यात्रा लेकर आए। राहुल की यह घुसपैठिया बचाओ यात्रा कांग्रेस के वोट बैंक की रक्षा के लिए है।

▶10पर

मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को दी हिदायत

हिंदू मंदिरों का धन धार्मिक उद्देश्यों पर ही खर्च हो

चेन्नई, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

हिंदू मंदिरों का धन दूसरे कामों में खर्च किए जाने के तौर-तरीके पर मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई है और सख्त निर्देश दिया है कि मंदिरों का धन मंदिरों के विकास और धार्मिक उद्देश्यों पर ही खर्च किया जाए। तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार हिंदू मंदिरों के पैसे से शादी घर और अन्य ऐसे ही कामों पर खर्च कर रही थी। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार के उस आदेश को रद्द करते हुए कहा, सिर्फ धार्मिक उद्देश्यों के लिए मंदिर के धन का इस्तेमाल हो। तमिलनाडु सरकार की ओर से पेश तर्क पर हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि हिंदू विवाह भले ही एक संस्कार है लेकिन वह करारनुमा शर्तों से बंधा होता है। इसलिए इसे धार्मिक उद्देश्य नहीं माना जा सकता है। इस तरह मद्रास हाईकोर्ट ने यह स्पष्ट कर दिया है ▶10पर

बिहार में 3 लाख वोटरों की नागरिकता पर संदेह, नोटिस जारी

फिर वोटर लिस्ट में पाए गए तीन लाख घुसपैठिए

पटना, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

बिहार में चल रही वोटर लिस्ट की जांच में चुनाव आयोग ने दस्तावेजों में गड़बड़ी पाए जाने के बाद 3 लाख वोटरों को नोटिस भेजी है। अधिकारियों ने एक हफ्ते के भीतर उन्हें कागजात दिखाने को कहा है। आशंका जताई जा रही है कि ये लोग अवैध प्रवासी हैं। इस तरह बिहार में चल रही वोटर लिस्ट की विशेष जांच (एसआईआर) में फिर बड़ा खुलासा हुआ। चुनाव आयोग (ईसी) की जांच में तीन लाख वोटरों के दस्तावेजों में गड़बड़ी पाई गई। यह संख्या और भी बढ़ सकती है, क्योंकि अभी भी दस्तावेजों की जांच चल रही है। जांच के दौरान ऐसे कई वोटर मिले हैं, जिनके भारतीय नागरिक होने पर शक है। खासकर नेपाल, बांग्लादेश और म्यांमार से आए लोगों के वोटर बनने की आशंका जताई जा रही है।

वोटर लिस्ट से नाम हटाने के लिए 1.98 लाख आवेदन

चुनाव आयोग के अधिकारियों के मुताबिक, जिन लोगों को नोटिस भेजी गई है, उन्होंने या तो कोई दस्तावेज जमा नहीं किया या गलत दस्तावेज दिए। कुछ मामलों में तो वोटर की नागरिकता ही संदिग्ध पाई गई है। यह जानकारी बूथ लेवल अफसर (बीएलओ) और पुलिस से मिली है। नोटिस में कहा गया है कि उनके द्वारा दिए गए दस्तावेजों में कुछ गड़बड़ियां पाई गई हैं, जिससे इस बात पर शक होता है कि उनका नाम वोटर लिस्ट में शामिल होना चाहिए या नहीं। जानकारी के अनुसार, ज्यादातर नोटिस पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, मधुबनी, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, अररिया ▶10पर

जम्मू कश्मीर में बारिश से फिर मची भारी तबाही

भूस्खलन में 7 लोग मरे बादल फटने से 5 की मौत

जम्मू, 30 अगस्त (ब्यूरो)।

जम्मू कश्मीर के रियासी जिले में माहौर इलाके के डब्बर गांव में शनिवार को हुए भूस्खलन से कम से कम सात लोग मारे गए। रामबन इलाके में

रामबन में बादल फटने के बाद फैला मलबा

बादल फटने से पांच लोग मारे गए। पांच लोग लापता बताए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने तबाही मचा रखी है। रियासी और रामबन जिलों में बादल फटने से हालात बेहद खराब हो गए हैं। रामबन जिले के राजगढ़ गांव में बादल फटने से अब तक पांच लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई अन्य लापता बताए जा रहे हैं। तेज बारिश के बाद अचानक आए मलबे और बाढ़ में कई घर बह गए और लोग सुरक्षित जगहों की ओर भागने लगे। वहीं, रियासी जिले के माहौर डब्बर गांव में बादल फटने से सात लोगों की जान चली गई। ▶10पर

राज्य में शांति-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस व्यवस्था ने अपना कर्तव्य बखूबी निभाया: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि राज्य में शांति-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस व्यवस्था ने अपना कर्तव्य बखूबी निभाया है और 99 प्रतिशत हत्या के मामलों का खुलासा किया गया है। राजभवन में उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मियों को पुरस्कार प्रदान करने के एक कार्यक्रम में बोलते हुए, उन्होंने कहा कि कर्नाटक पुलिस देश की सर्वश्रेष्ठ पुलिस व्यवस्था होने की प्रतिष्ठा रखती है।

उन्होंने इस बात की सराहना की कि कांस्टेबल से लेकर डीजीपी तक, राज्य में कानून-व्यवस्था और समाज में शांति बनाए रखने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। हाल ही में आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन में, विभिन्न देशों के व्यवसायी 10.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने के लिए आगे आए हैं। किसी भी देश या राज्य में कानून-व्यवस्था अच्छी होने पर ही निवेश में रुचि पैदा होती है। उन्होंने कहा कि इसका कारण पुलिस व्यवस्था है।

हाल ही में, धार्मिक और राजनीतिक रूप से समाज में शांति भंग करने के प्रयास हुए हैं। हर बार, पुलिस ने ऐसे प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल किया है। चूँकि मुख्यमंत्री स्वयं गृह विभाग में रुचि रखते हैं, इसलिए 99 प्रतिशत हत्या के मामले सुलझाए गए हैं।

पुलिस ने जनता की उम्मीदों से बढ़कर काम किया है। उन्होंने कहा कि आलोचनाओं को सकारात्मक रूप से लिया गया है। अगर साइबर अपराधों को नजरअंदाज किया गया, तो करोड़ों लोग पीड़ित होंगे। उन्होंने कहा कि इस संबंध में, किसी भी पुलिस स्टेशन में साइबर अपराध दर्ज करने के अवसर प्रदान किए गए हैं, जिन्हें बाद में संबंधित पुलिस स्टेशनों को स्थानांतरित किया जा सकता है।

पुलिस अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रही है। यह पता नहीं है कि अपराध के खिलाफ कार्रवाई के दौरान आरोपी कैसी प्रतिक्रिया देंगे। ऐसे मामलों में जान जाने की संभावना रहती है। उन्होंने कहा कि वे अपने कर्तव्यों का पालन करते हुए जान गंवाने वालों के परिवारों को सांत्वना देंगे। हाल ही में, मैसूरु रोड पर एक ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल ड्यूटी पर था, तभी एक गर्भवती महिला सड़क पार करने आई। उसने बच्चे को जन्म देना शुरू कर दिया। आस-पास कोई अस्पताल न होने पर उसे पड़ोसी के घर ले जाया गया, जहाँ उसने बच्चे को जन्म दिया और सुरक्षित रूप से जच्चा-बच्चा को घर पहुँचाया गया। उन्होंने कहा कि ऐसी कई घटनाएँ हमारी आँखों के सामने हैं। पुरस्कार विजेता अगली पीढ़ी के लिए आदर्श हैं। यह सिर्फ एक पदक नहीं है। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों की ईमानदारी और समाज के प्रति उनकी सेवा की प्रशंसा की। राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने पदक प्रदान किए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, मुख्यमंत्री के कानूनी सलाहकार ए.एस. पोन्नन्ना, पुलिस महानिदेशक एम.ए. सलीम, गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव तुषार गिरिनाथ और अन्य उपस्थित थे।

भारी बारिश के कारण दक्षिण कन्नड़ में स्कूल, आंगनवाड़ी बंद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भारतीय मौसम विभाग और कर्नाटक के प्राकृतिक आपदा निगरानी केंद्र द्वारा भारी बारिश की भविष्यवाणी के बाद, शनिवार को दक्षिण कन्नड़ जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्रों और स्कूलों (सरकारी, सहायता प्राप्त, निजी प्राथमिक और उच्च-स्तरीय संस्थान) में बारिश की छुट्टी घोषित कर दी गई।

जिला प्रशासन ने एहतियात के तौर पर अभिभावकों को बच्चों को निचले इलाकों, कुओं, झीलों, नदी के किनारों और समुद्र तटों से दूर रखने की सलाह दी है। मछुआरों को भी अशांत परिस्थितियों के खतरे के चलते समुद्र में न जाने की चेतावनी दी गई है।

तालुक स्तर के अधिकारियों को अपने मुख्यालयों पर तैनात रहने का निर्देश दिया गया है। जिला प्रशासन द्वारा नियुक्त नोडल अधिकारियों को सतर्क रहने और किसी भी जन शिकायत का तुरंत जवाब देने के निर्देश दिए गए हैं। तहसीलदारों को निर्देश दिया गया है कि वे किसी भी स्थिति में समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में रहें।

भगदड़ मामला : आरसीबी ने पीड़ित परिवार को 25-25 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु ने चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ के पीड़ितों के परिवारों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की है, जिसने राज्य सरकार को हिलाकर रख दिया था।

आरसीबी ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घोषणा की कि हम पीड़ितों के परिवारों को जो दे रहे हैं वह आर्थिक सहायता नहीं है। हम उन परिवारों को जो दे रहे हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, वह उनकी देखभाल और करुणा का फल है। 4 जून को बेंगलूरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम के पास हुई भगदड़ के बारे में सुनकर हमारा दिल टूट गया है, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इस घटना को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें सांत्वना देने के लिए हमारे पास शब्द नहीं हैं। हमें यह भी नहीं लगता कि हम जो मुआवजा दे रहे हैं, वह पीड़ित परिवार की मदद करेगा। लेकिन हम आपके दर्द में हैं। हमने कहा था कि हम आपकी आवाज बनेंगे।

हम जो पैसा देते हैं, वह उन लोगों की जगह नहीं भर सकता जिन्होंने आपको छोड़ दिया है। हम चाहे कितना भी साथ दें, वह आपके दर्द को कम नहीं कर सकता। लेकिन हम आपके दर्द को समझते हैं और पूरे सम्मान के साथ परिवार को 25 लाख रुपये का मुआवजा दे रहे हैं। इसे किसी की आर्थिक मदद न समझें। हम इसे मानवता, करुणा, एकता और निरंतर देखभाल का वादा मानते हैं।

4 जून को, आईपीएल के इतिहास में पहली बार चैंपियन बनी आरसीबी टीम के विजय उत्सव के दौरान प्रशंसकों की भारी भीड़ जमा हो गई। अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने के लिए इकट्ठा होने के परिणामस्वरूप भगदड़ मच गई, जिसके परिणामस्वरूप 11 लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए। इस घटना ने राज्य सरकार के लिए बड़ी शर्मिंदगी पैदा कर दी। बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त बी. दयानंद सहित कई अधिकारियों को कर्तव्य में लापरवाही के लिए सेवा से बर्खास्त कर दिया गया।

उडुपी सीएमसी ने शहर और मणिपाल में दुकानों और होटलों को रात 11 बजे तक बंद करने की अनुमति दी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और जनसुविधाओं को बढ़ाने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, उडुपी नगर निगम परिषद ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया है जिसके तहत उडुपी और मणिपाल में दुकानें और होटल रात 11 बजे तक खुले रहेंगे। यह निर्णय शुक्रवार को नगर निगम अध्यक्ष प्रभाकर पुजारी की अध्यक्षता में आयोजित परिषद की आम सभा की बैठक में लिया गया। बैठक के दौरान यह मुद्दा उठाते हुए, उडुपी विधायक यशपाल सुवर्णा ने कहा कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के नाम पर, उडुपी और मणिपाल में दुकानें और होटल वर्तमान में रात 10 बजे तक बंद करने के लिए मजबूर हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इससे जिले की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है और पर्यटकों, मरीजों के परिचारकों

और छात्रों के लिए चुनौतियाँ पैदा हुई हैं, जिन्हें अक्सर देर शाम भोजन और आवश्यक वस्तुओं तक पहुँचने में कठिनाई होती है। सुवर्णा ने आग्रह किया आर्थिक विकास और जन कल्याण के व्यापक हित में, दुकानों और होटलों को रात 11 बजे तक खुले रहने की अनुमति दी जानी चाहिए। इस प्रस्ताव को परिषद के सभी सदस्यों का सर्वसम्मति से समर्थन प्राप्त हुआ। बैठक के दौरान, परिषद सदस्य बी. जी. हेगड़े ने पिछले नौ महीनों में नगरपालिका के स्वामित्व वाली व्यावसायिक दुकानों की नीलामी न होने पर चिंता व्यक्त की और परिषद को हुए राजस्व नुकसान का कारण सरकारी लापरवाही बताया। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि उडुपी शहर, मालपे संथेकट्टे और गोपालपुरा में स्थित लगभग 15 व्यावसायिक इकाइयों को उपायुक्त द्वारा नीलामी के लिए पहले ही मंजूरी दे दी गई थी। हालांकि, पट्टा पंजीकरण और उपायुक्त कार्यालय से अनुमोदन लंबित होने के कारण प्रक्रिया में देरी हुई थी। पूर्व उपायुक्त के स्थानांतरण के कारण कार्यवाही और भी बाधित हुई थी। अधिकारियों ने परिषद को आश्वासन दिया कि सभी आवश्यक औपचारिकताएँ एक सप्ताह के भीतर पूरी कर ली जाएँगी, जिससे नीलामी आगे बढ़ सकेगी।

मंत्री ने बीदर जिले में तत्काल फसल बीमा राहत, स्कूल मरम्मत और बाढ़ नियंत्रण उपायों के आदेश दिए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जिला प्रभारी और वन, पर्यावरण एवं जीव विज्ञान मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने कर्नाटक के बीदर जिले में लगातार बारिश से हुए व्यापक नुकसान को दूर करने के लिए तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिला पंचायत कार्यालय में एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, उन्होंने कृषि और राजस्व अधिकारियों को बिना किसी देरी के फसल क्षति का सर्वेक्षण करने और किसानों को फसल बीमा कंपनियों से उचित मुआवजा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। पिछले एक पखवाड़े में हुई भारी बारिश के कारण कई गाँवों का संपर्क टूट गया है, इस बात को ध्यान में रखते हुए खंड्रे ने इंजीनियरों को डिजिटल अपडेट पर निर्भर रहने के बजाय क्षतिग्रस्त सड़कों का व्यक्तिगत रूप से निरीक्षण करने और तुरंत संपर्क बहाल करने का आदेश दिया।

उन्होंने निर्देश दिया कि औरद, कमलनगर और भालकी तालुकों में बस सेवाएँ फिर से शुरू की जाएँ, जहाँ बाढ़ के कारण बस सेवाएँ रोक दी गई थीं। मंत्री ने अधिकारियों को दुर्घटनाओं को रोकने के लिए युद्धस्तर पर गड्ढों को भरने और मानसून के बाद अक्टूबर में सड़कों की स्थायी मरम्मत का काम शुरू करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रशासन को एसडीआरएफ और एनडीआरएफ योजनाओं के तहत उपलब्ध धनराशि की गणना करने और अस्थायी राहत उपायों के साथ-साथ स्थायी कार्यों का प्रस्ताव देने को कहा। स्कूलों में जलभराव की समस्या से चिंतित खंड्रे ने उन परिसरों से तुरंत पानी निकालने का आदेश दिया जहाँ बच्चे कक्षाओं में नहीं जा पा रहे थे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जर्जर स्कूल भवनों में कोई दुर्घटना होती है, तो संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी और लोक शिक्षण उपनिदेशक

व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। उन्होंने कहा कि असुरक्षित ढाँचों की तत्काल मरम्मत या ध्वस्तीकरण और पुनर्निर्माण किया जाना चाहिए, और इस बात पर जोर दिया कि धन की कोई कमी नहीं होगी। यही निर्देश आंगनवाड़ी केंद्रों पर भी लागू होंगे जहाँ नए भवनों की गुणवत्ता जाँच अनिवार्य है। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों को वर्षा प्रभावित क्षेत्रों में मच्छरों के प्रजनन और जलजनित रोगों के विरुद्ध सतर्कता बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि खराब स्थिति वाले सहायक नर्स मिडवाइफ (एएनएम) केंद्रों और अस्पतालों की बिना किसी देरी के मरम्मत की जानी चाहिए। इसके अलावा, पंचायत विकास अधिकारियों, उप-निरीक्षकों और स्वास्थ्य अधिकारियों को अपने मुख्यालय में रात्रि विश्राम करने का निर्देश दिया गया है, और स्थानांतरित अधिकारियों को तब तक कार्यमुक्त नहीं किया जाएगा जब तक कि उनके स्थान पर कोई अन्य अधिकारी कार्यभार ग्रहण न कर ले। परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में विफल रहने के लिए सिंचाई इंजीनियरों को आड़े हाथों लेते हुए खंड्रे ने निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी। इससे पहले, दिन में, खंड्रे ने करंजा जलाशय के आसपास बाढ़ से प्रभावित कनजी और आसपास के गाँवों का दौरा किया। धान, उड़द, अरहर, मूंग, सोयाबीन और गन्ने की फसलों को भारी नुकसान पहुँचा है और भारी बारिश के कारण कई घर ढह गए हैं। शिकायतें सुनने के बाद, मंत्री ने किसानों को आश्वासन दिया कि कर्नाटक सरकार जल्द से जल्द राहत प्रदान करेगी। जिले की जीवनरेखा, करंजा जलाशय का निरीक्षण करते हुए, उन्हें बताया गया कि 7 टीएमसीएफटी क्षमता वाला बांध पूरी तरह भर गया है, जिसमें 10,000 क्यूसेक पानी आ रहा है और 13,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। खंड्रे ने अधिकारियों को सुरक्षा मानदंडों के अनुसार जल निकासी का प्रबंधन करने और जान-माल की सुरक्षा के लिए एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बीदर जिले में चालू दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान अब तक 467 मिमी बारिश हुई है, जो सामान्य 466 मिमी से थोड़ी अधिक है। पिछले 24 घंटों में ही 59 मिमी बारिश दर्ज की गई है। बारिश से 94 घर और 66,906 हेक्टेयर फसलें क्षतिग्रस्त हुई हैं, हालाँकि किसी भी मानव या पशु की जान नहीं गई है। बुनियादी ढाँचे को व्यापक नुकसान हुआ है, जिसमें 70 किलोमीटर सड़कें, 47 पुल, 1,335 स्कूल कक्ष, 138 बिजली के खंभे, 21 ट्रांसफार्मर, 11 किलोमीटर बिजली की लाइनें और 38 लघु सिंचाई टैंक और परियोजनाएँ शामिल हैं। जिला अधिकारी नुकसान के पूरे पैमाने का आकलन करने के लिए सर्वेक्षण कर रहे हैं, जबकि प्रभावित आबादी की सहायता के लिए राहत उपायों का समन्वय किया जा रहा है।

दो समूहों के बीच झड़प के बाद दस लोग हिरासत में लिए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पुलिस ने 28 अगस्त की रात सिद्धपुरा में कथित तौर पर सार्वजनिक रूप से झगड़ा करने के आरोप में 10 लोगों को हिरासत में लिया।

यह झड़प सिद्धपुरा में कावेरम्मा कॉलोनी के पास रात करीब 11 बजे हुई। संदीप और विजय के नेतृत्व में दो समूहों के बीच कथित तौर पर एक नाबालिग लड़के से जुड़ी घटना को लेकर झगड़ा हुआ।

पुलिस के अनुसार, यह विवाद 27 अगस्त को तब शुरू हुआ जब कावेरम्मा लेआउट में दोपहिया वाहन पर सवार एक नाबालिग लड़के ने एक महिला को टक्कर मार दी। महिला के बेटे ने कथित तौर पर लड़के पर हमला किया, जिससे लड़के के दोस्त नाराज हो गए। एक अधिकारी ने बताया, 28 अगस्त को कॉलोनी में एक शादी समारोह के दौरान यह मामला फिर से उठा। चर्चा जल्द ही गरमागरम बहस में बदल गई, जिसके परिणामस्वरूप दोनों समूहों के बीच मारपीट हो गई। पुलिस ने कहा कि 20 से 25 साल की उम्र के सभी युवकों पर सार्वजनिक उपद्रव का मामला दर्ज किया गया है।

पंजीकरण शुल्क बढ़ाने के लिए कांग्रेस सरकार जनता को परेशान कर रही: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने अपना रोष व्यक्त करते हुए कहा है कि कर्नाटक के लोगों ने राज्य के इतिहास में वर्तमान कांग्रेस सरकार जैसी दमनकारी सरकार कभी नहीं देखी।

सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचार कांग्रेस सरकार की स्थायी गारंटी हैं। रात में सोने और सुबह उठने पर किसी चीज की कीमत बढ़ने की चिंता आम लोगों के बीच एक आम बात बन गई है। राज्य सरकार, जो राज्य की आर्थिक स्थिति को संतुलित करने में असमर्थ और दिवालिया होने की स्थिति में पहुँच गई है, ने महंगाई के हथियार का इस्तेमाल ही एकमात्र उपाय मान लिया है। उन्होंने जनता पर इससे दबाव बनाने का आरोप लगाया है। जिस सरकार ने पहले स्टाम्प शुल्क में अत्यधिक वृद्धि करके लोगों के घर के सपने को चकनाचूर कर दिया था, उसी सरकार ने पंजीकरण शुल्क को 1 प्रतिशत से बढ़ाकर 2 प्रतिशत करके एक बार फिर पंजीकरण लूट की है। उन्होंने सरकार के इस कदम की कड़ी निंदा की है। उन्होंने इस बात पर असंतोष व्यक्त किया है कि कांग्रेस एक बार फिर अपने झूठे वादों और योजनाओं को पूरा किए बिना लगातार एक-न-एक दाम बढ़ाकर राज्य के खजाने को खाली कर रही है और राज्य की जनता को मुसीबत में डाल रही है। आम तौर पर, अचल संपत्ति की खरीद और जीपीए दस्तावेज, संयुक्त विकास समझौते, गैर-कब्जे वाले समझौते और लीज पंजीकरण कराने वालों को 2 प्रतिशत शुल्क देना पड़ रहा है। लोग इस मूल्य वृद्धि के लिए सरकार को कोस रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि पंजीकरण शुल्क तुरंत वापस लिया जाए, अन्यथा उन्हें जनता के गुस्से का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

जेडीएस आज धर्मस्थल सत्य यात्रा निकालेगी

दुष्प्रचार और साजिश की एनआईए जांच की मांग करेगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। धर्मस्थल के खिलाफ दुष्प्रचार, षड्यंत्र और झूठे आरोप लगाए जाने का आरोप लगाते हुए, जेडीएस रविवार को धर्मस्थल सत्य यात्रा निकालेगी और इसकी एनआईए जांच की मांग करेगी। यात्रा की पूरी तैयारी कर चुकी जेडीएस हासन से धर्मस्थल तक यात्रा करेगी। जेडीएस के लोकसभा सदस्य, विधायक, पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, कार्यकर्ता और श्रद्धालु राज्य के विभिन्न जिलों से पहुँचेंगे और सुबह 7 बजे से 10 बजे तक हासन के कंडाली में एकत्रित होंगे। वहाँ नाश्ता करने के बाद वे यात्रा शुरू करेंगे। यात्रा की पृष्ठभूमि में ड्रेस कोड और यात्रा के मार्ग की जानकारी दी गई है। आपातकालीन सेवाओं के लिए पार्टी नेताओं को तैनात किया गया है। यात्रा हासन से शिरडी घाट होते हुए धर्मस्थल पहुँचेगी। जेडीएस ने कोटिगेहारा, संपाजेघाट, अगुम्बे और चारमाडी घाट से आने वाले लोगों से अनुरोध किया है कि वे दोपहर 1 बजे तक नेत्रवती नदी के पास पार्किंग स्थल पर पहुँच जाएँ। सभी को पहचान पत्र वितरित करने और नेत्रवती नदी के पास पार्किंग स्थल से धर्मस्थल तक एक किलोमीटर की पैदल यात्रा कराने की योजना है। इसके बाद, वे धर्मस्थल के अमृत वर्षिणी हॉल में एक कार्यक्रम में भाग लेंगे, जिसके बाद वे श्री मंजूनाथ स्वामी के दर्शन करेंगे और अपने-अपने गाँव लौट जाएँगे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तटीय, मलनाड और उत्तरी कर्नाटक सहित राज्य में भारी बारिश

कई स्थानों पर बाढ़ की आशंका

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

तटीय, मलनाड और उत्तरी कर्नाटक सहित राज्य के विभिन्न जिलों में मानसून का मौसम जारी है और भारी बारिश और जलाशयों से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण लोगों को बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। चिक्कमगलूरु में पिछले तीन-चार दिनों से भारी बारिश हो रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के मद्देनजर, जिला कलेक्टर मीना नागराज ने एक आदेश जारी कर आंगनवाड़ी और प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में अवकाश घोषित किया है। कलसा, मुदिगेरे, श्रृंगेरी, कोप्पा, एन.आर.पुरा तालुकों के अलावा, चिक्कमगलूरु तालुक के जगराखंड्या, अलूर, कसाबा, हम्बल, वस्तारे, अवथी और तारिकेरे तालुक के लक्कवल्ली और

लिंगदहल्ली में भी स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। उत्तर कन्नड़ जिले में भारी बारिश हो रही है और होन्नावर तालुका के प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। बेलगावी, धारवाड़, चिक्कमगलूरु, कोडागु और शिवमोग्गा जिलों में भी बारिश हो रही है और कुछ जगहों पर अलर्ट जारी किया गया है। बीदर जिले में बारिश कम होने के बावजूद बाढ़ का पानी कम नहीं हुआ है। ब्यालल्ली के पास करंजा जलाशय लबालब भर गया है और एहतियात के तौर पर नदी में अतिरिक्त पानी छोड़ दिया गया है। दूसरी ओर, महाराष्ट्र से नदी में अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के कारण मंजरा में जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है और बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। जिले भर की कृषि भूमि में पानी घुस गया है, जिससे फसलों को नुकसान पहुँचा है। अबजलपुर तालुका के मन्नूर-करजगी गाँव को नहर से जोड़ने वाली सड़क जलमग्न हो गई है, जिससे यातायात ठप हो गया है। लिंगनमक्की बांध अपने भराव स्तर के करीब पहुँच गया है और एहतियात के तौर पर लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। गेरुसोप्पा बांध पर बिजली उत्पादन और बांधों के माध्यम से नदी में कुल 88,500 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इसके कारण उत्तर कन्नड़ जिले के होन्नावर तालुका के विभिन्न गाँवों में पानी घुस गया है। भटकल, कुमता, गोकर्ण, अंकोला और कारवार में नदियाँ और नाले उफान पर हैं। बेलगावी जिले में भारी बारिश हो रही है और कृष्णा नदी में 74,000 क्यूसेक पानी बह रहा है। घाटप्रभा और मलप्रभा बांधों में भी जलस्तर बढ़ गया है। केरल में भारी बारिश के कारण, एच.डी. कोटे तालुका के काबिनी जलाशय में 20,000 क्यूसेक से अधिक पानी बह रहा है और बीचनहल्ली-बिदराहल्ली को जोड़ने वाली सड़क जलमग्न हो गई है, जिससे जनता को असुविधा हो रही है। उत्तरी कर्नाटक के बीदर, यादगीर, कोप्पल और रायचूर जिलों में बारिश जारी है, जिससे खेतों में पानी घुस गया है और नीम, ज्वार, गन्ना और धान जैसी फसलें डूब गई हैं, जिससे भारी नुकसान हुआ है। मौसम विभाग ने अगले चार-पाँच दिनों तक बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है।

जनविरोधी कांग्रेस सरकार जनहितैषी जीएसटी सुधार को रोकने की कोशिश कर रही: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने कहा कि जनविरोधी कांग्रेस सरकार यह दावा करके जनहितैषी जीएसटी सुधार को रोकने की कोशिश कर रही है कि केंद्र सरकार वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों को सरल बनाने जा रही है, लेकिन इससे राज्य के राजस्व का नुकसान होगा। इस संबंध में एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने आम आदमी के इस्तेमाल की कई दैनिक और आवश्यक वस्तुओं, जिनमें खाद्य पदार्थ, कपड़ा उत्पाद, टीवी, रेफ्रिजरेटर, स्वास्थ्य बीमा, सीमेंट शामिल हैं, की कीमतें कम करने का लक्ष्य रखा है, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसमें रोड़ा अटका दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब स्वतंत्रता दिवस के भाषण में दिवाली तक जीएसटी सुधार की घोषणा की थी, तो राहुल गांधी के प्रस्ताव को कारण बताकर इसका श्रेय लेने की कोशिश करने वाली कांग्रेस पार्टी, अब उसी जीएसटी सुधार को लेकर सिद्धरामैया सरकार का हंगामा मचाना, पार्टी की दोहरी नीति और पाखंड को उजागर करता है। राहुल गांधी की हर बात का खंडन करने वाले मुख्यमंत्री सिद्धरामैया गुट ने पूर्व मंत्री के.एन. राजन्ना पर वोटों की हेराफेरी का आरोप लगाया है और अब, जीएसटी सुधार पर राहुल गांधी के बयान के विपरीत सुर अपनाकर, मंत्री कृष्णा बायरे गौड़ा के जरिए राहुल गांधी पर फिर से हमला करने की कोशिश करता दिख रहा है। कांग्रेस सरकार सत्ता में आने के बाद से, पिछले दो सालों में, पानी, दूध, बिजली, पेट्रोल, डीजल, संपत्ति कर, पंजीकरण और स्टाम्प शुल्क समेत हर वस्तु और सेवा के दाम बढ़ा दिए हैं और करों में बढ़ोतरी करके आम जनता का खून चूस रही है। अब, अगर केंद्र सरकार जीएसटी दरों में कमी करने जा रही है, तो वह इसका भी विरोध करेगी। कुल मिलाकर, उन्होंने जनविरोधी कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा है कि वह कर का बोझ कम करने के बजाय सरकारी राजस्व को प्राथमिकता दे रही है।

एसआईटी जांच तार्किक निष्कर्ष तक जारी रहेगी: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

धर्मस्थल मामले में एसआईटी की जाँच किस दिशा में जाएगी, यह कहना अभी संभव नहीं है। गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि जाँच तब तक जारी रहेगी जब तक कोई तार्किक निष्कर्ष नहीं निकल जाता। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एसआईटी प्रमुख प्रणब मोहंती ने उनसे मुलाकात की और चर्चा की। उन्होंने कहा कि परामर्श के मुद्दों का खुलासा नहीं किया जा सकता। एसआईटी को जाँच के लिए पहले ही दिशा-निर्देश दिए जा चुके हैं। वे उसी के अनुसार काम कर रहे हैं। बस इतना ही कहा जा सकता है कि जाँच जल्द से जल्द पूरी की जाए। हालाँकि, उन्होंने कहा कि जल्द रिपोर्ट सौंपने, इसी हफ्ते जाँच पूरी करने और अगले हफ्ते रिपोर्ट सौंपने जैसे निर्देश देना उचित नहीं है।

धर्मस्थल में खुदाई के दौरान मिले कई तत्वों को एफएसएल प्रयोगशाला भेजा गया है। अभी बहुत विश्लेषण की जरूरत है। मुझे नहीं पता कि रिपोर्ट कैसी होगी। उन्होंने कहा कि अनावश्यक अटकलों की अनुमति नहीं दी जाएगी। जांच के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं है। यह सलाह दी जा सकती है कि प्रक्रियाएँ जल्दी पूरी की जाएँ। लेकिन चूँकि हर चीज की वैज्ञानिक जाँच और जरूरी कार्रवाई जरूरी है, इसलिए उन पर दबाव डालना ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर जाँच के दौरान अलग जानकारी मिलती है, तो एसआईटी के अधिकारी उसकी जाँच करेंगे। राज्य सरकार कोई निर्देश नहीं देगी। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि एसआईटी खुद सौजन्या की माँ द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत की भी जाँच करेगी। गिरफ्तार आरोपी चिन्नैया को बेंगलूरु लाने समेत सभी प्रक्रियाएँ एसआईटी तय करेगी। उन्होंने कहा कि उसे शरण देने वालों को गिरफ्तार करना है या नहीं? यह भी एसआईटी अधिकारियों के विवेक पर निर्भर है।

जैसा कि विपक्षी दल कहते हैं, न तो जाँच हो सकती है और न ही कोई समय सीमा। वे राजनीति के लिए बोलते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे इस पर प्रतिक्रिया देने की कोई जरूरत नहीं है। जांच अच्छी चल रही है। धर्मस्थल के धर्माधिकारी वीरेंद्र हेगड़े समेत सभी ने एसआईटी का स्वागत किया है। ऐसे में मामला एनआईए को सौंपना नामुमकिन है। जैसा हम, आप या कोई और कह रहा है, वैसा नहीं होगा। एसआईटी की प्रक्रियाएँ नियमों के अनुसार हैं। उन्होंने कहा कि यह उसी के अनुसार होगा।

गणेश प्रतिमा जुलूस के दौरान पटाखे में विस्फोट, एक बच्चे की मौत, कई घायल

डोड्डबल्लापुर/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान पटाखों से भरे एक डिब्बे में विस्फोट होने से एक लड़के की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। मृतक लड़के की पहचान तनुश राव (15) के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल लड़के को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज न मिलने पर उसकी मौत हो गई। शुक्रवार शाम, मुत्तूर के फ्रेंड्स विनायक ग्रुप द्वारा गणेश विसर्जन जुलूस की तैयारियाँ की जा रही थीं। जुलूस के लिए एक ट्रैक्टर पर गणेश प्रतिमा स्थापित की गई थी, और आकर्षण बढ़ाने के लिए एक पावर लिफ्टर वाहन भी मँगवाया गया था। यह हादसा उस समय हुआ जब पावर लिफ्टर वाहन के इंजन के ऊपर रखे तेज आवाज वाले पटाखों के डिब्बे में अचानक विस्फोट हो गया। इस बीच, छात्र गणेश, योगेश, पावर लिफ्टर चालक मुनिराजू, नागराजू और चेतन शावी का एक निजी अस्पताल में जलने के कारण इलाज चल रहा है। जुलूस की सुरक्षा में तैनात पुलिस कांस्टेबल जाकिर हुसैन भी पटाखों के डिब्बे में हुए भीषण विस्फोट में गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। खबर सुनते ही जिला पुलिस अधीक्षक सी.के. बाबा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागराज, पुलिस उपाधीक्षक रवि और अन्य पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुँचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया तथा घायलों का हालचाल जानने अस्पताल गए। डोड्डबल्लापुर सिटी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया गया है।

कोल्लूर में सौपर्णिका नदी के पास बेंगलूरु की महिला लापता

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

दो दिन पहले कोल्लूर पहुँची एक विवाहित महिला सौपर्णिका नदी के पास लापता हो गई है, जिससे उसके रहस्यमय ढंग से लापता होने को लेकर तरह-तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं। लापता महिला की पहचान बेंगलूरु के त्यागराजनगर निवासी सी.आर. गोविंदराजू की बेटी वसुधा चक्रवर्ती (46) के रूप में हुई है। वह 28 अगस्त को कोल्लूर पहुँची थीं और मंदिर जाने से पहले उन्होंने अपनी कार एक निजी लॉज के पास खड़ी की थी। भगवान हनुमान के गर्भगृह में कुछ समय बिताने के बाद, वह विभिन्न मंदिरों की ओर चली गईं और बाद में सौपर्णिका नदी की ओर चली गईं, जहाँ से वह लापता हो गईं। सौपर्णिका नदी और उसके आसपास पुलिस और स्थानीय

निवासियों द्वारा व्यापक तलाशी अभियान के बावजूद, उसका कोई सुराग नहीं मिला है। कार से उसका मोबाइल फोन और अन्य सामान बरामद किया गया, जिससे अधिकारियों को उसकी पहचान का पता लगाने और उसके परिवार को सूचित करने में मदद मिली। मंदिर अधिकारियों द्वारा सौपर्णिका नदी के पास लगाए गए सीसीटीवी फुटेज में वह नदी में काफी दूर तक तैरती हुई दिखाई दे रही हैं। वसुधा, जो कथित तौर पर एक अच्छी तैराक थी, को काफी दूर तक तैरते हुए देखा गया। वह किनारे तक पहुँचने में कामयाब रही या सौपर्णिका नदी की तेज धारा में बह गई, यह अभी स्पष्ट नहीं है। ईश्वर मालपे सहित विशेषज्ञ गोताखोरों ने अग्निशमन और आपातकालीन सेवा दल के साथ मिलकर नदी के विभिन्न हिस्सों में तलाशी अभियान चलाया। हालाँकि, शाम तक कोई सुराग न मिलने पर, तलाशी अभियान अस्थायी रूप से रोक दिया गया। घटना की सूचना मिलने पर उसके माता-पिता और परिवार के सदस्य तुरंत कोल्लूर पहुँचे। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, वसुधा, जो विवाहित हैं और विदेश में नौकरी करती हैं, हाल के दिनों में अकेले ही विभिन्न तीर्थस्थलों और धार्मिक स्थलों का दौरा कर रही थीं, जिससे ध्यान के प्रति उनका रुझान बढ़ रहा था।

मेंगलूरु विश्वविद्यालय ने यूजी, पीजी पाठ्यक्रमों की फीस में 5-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों की फीस में 5 से 10 प्रतिशत तक की वृद्धि की घोषणा की है। पिछले शैक्षणिक वर्ष में भी, विश्वविद्यालय के अंतर्गत सभी विषयों के प्रवेश शुल्क में वृद्धि की गई थी, जिस पर छात्रों ने आपत्ति जताई थी और विरोध जताया था।

इसके बावजूद, विश्वविद्यालय ने एक बार फिर शुल्क में वृद्धि की है। इस वृद्धि को विश्वविद्यालय सिंडिकेट से मंजूरी मिल गई है। तुलु कार्यक्रम के लिए निर्धारित शुल्क अब स्नातकोत्तर कोंकणी, संस्कृत और हिंदी पाठ्यक्रमों पर भी लागू कर दिए गए हैं। इसी प्रकार, कई अन्य पाठ्यक्रमों में भी अलग-अलग स्तरों पर शुल्क में वृद्धि देखी गई है। विश्वविद्यालय के अनुसार, बढ़ते खर्चों और स्थायी शिक्षण कर्मचारियों की कमी के कारण यह वृद्धि आवश्यक थी।

उदाहरण के लिए, तुलु विभाग में कोई स्थायी संकाय नहीं है और वर्तमान में प्रति घंटे के आधार पर छह अतिथि व्याख्याता कार्यरत हैं।

इस विभाग का वार्षिक व्यय लगभग 15 लाख रुपये है, जबकि छात्रों से शुल्क के माध्यम से प्राप्त राजस्व केवल 2.24 लाख रुपये है। चूँकि कोई सरकारी अनुदान नहीं दिया जाता है, इसलिए विश्वविद्यालय को आंतरिक संसाधन जुटाने पड़ते हैं, जिससे शुल्क वृद्धि अपरिहार्य हो जाती है। अधिकारियों ने बताया कि विभिन्न विभागों में पर्याप्त शिक्षण कर्मचारियों की कमी और विश्वविद्यालय के बढ़ते खर्चों के कारण यह निर्णय लेना पड़ा है। विश्वविद्यालय जहाँ वित्तीय तंगी का हवाला दे रहा है, वहीं छात्र नेताओं ने इस कदम का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने कहा हर विषय के पाठ्यक्रम की फीस में संशोधन किया गया है। अगर मेंगलूरु विश्वविद्यालय निजी विश्वविद्यालयों की तरह फीस बढ़ाता है, तो उनमें क्या अंतर है? विश्वविद्यालय का वित्तीय बोझ छात्रों पर डालने के बजाय, सरकार और विश्वविद्यालय को मिलकर इसका समाधान निकालना चाहिए। उदाहरण के लिए, 2024-25 में एमए तुलु पाठ्यक्रम की सामान्य फीस 7,410 रुपये और ट्यूशन फीस 15,000 रुपये थी, जो कुल मिलाकर 22,410 रुपये होती है। 2025-26 के लिए, सामान्य शुल्क 7,610 रुपये और शिक्षण शुल्क 16,000 रुपये कर दिया गया है, जिससे कुल शुल्क 23,610 रुपये हो गया है - पिछले वर्ष की तुलना में 5 प्रतिशत की वृद्धि। मेंगलूरु विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार (प्रशासन) राजू मोगावीरा ने कहा मेंगलूरु विश्वविद्यालय पूरी तरह से आंतरिक संसाधनों पर निर्भर है। खर्च हर साल बढ़ता रहता है। स्थिति को संभालने के लिए, शुल्क में थोड़ा संशोधन आवश्यक था। इसलिए, शुल्क में सीमित रूप से संशोधन किया गया है।

ब्रेक फेल नहीं, बल्कि चालक की लापरवाही से हुई दुर्घटना: केएसआरटीसी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केएसआरटीसी ने स्पष्ट किया है कि गुरुवार को कर्नाटक-केरल सीमा पर राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर तलपडी के पास हुई दुर्घटना बस चालक की लापरवाही के कारण हुई थी, न कि ब्रेक फेल होने के कारण। अधिकारियों के अनुसार, मेंगलूरु-प्रथम इकाई के चालक, निजलिंगप्पा चलवाडी, कासरगोड से मेंगलूरु जा रहे थे। दोपहर लगभग 1:45 बजे, ढलान वाले हिस्से में तलपडी टोल गेट के पास पहुँचते ही, उन्होंने बस को बहुत तेज गति से चलाया। एक ऑटो-रिक्शा से टकराने से बचने के लिए, उन्होंने ब्रेक लगाए, लेकिन

बस ऑटो से टकरा गई, फिसल गई और पलट गई। घबराकर, चालक वाहन छोड़कर भाग गया। परिणामस्वरूप, बिना देखरेख वाली बस ढलान पर पीछे की ओर लुढ़क गई, जिससे एक खड़े ऑटो-रिक्शा और बस का इंतजार कर रहे दो पैदल यात्री टकरा गए। सोशल मीडिया और कुछ मीडिया संस्थानों में वाहन के खराब रखरखाव को लेकर फैली अफवाहों पर स्पष्टीकरण देते हुए, केएसआरटीसी ने कहा कि वाहन में ब्रेक फेल या कोई तकनीकी खराबी नहीं थी। निगम ने पुष्टि की है कि उसके सभी वाहनों का आंतरिक बीमा कवरेज है। दुर्घटना राहत कोष से, मृतक ऑटो यात्रियों के कानूनी उत्तराधिकारियों को तत्काल, अंतरिम मुआवजे के रूप में 1-1 लाख रुपये प्रदान किए गए हैं। दोनों घायल पैदल यात्रियों को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है और सभी चिकित्सा खर्च केएसआरटीसी द्वारा वहन किए जा रहे हैं। दुर्घटनाग्रस्त वाहन का हाल ही में 26 अगस्त को एफसी नवीनीकरण हुआ था और उसे आरटीओ फिटनेस प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ था। अगले दिन, 27 अगस्त को इसे मेंगलूरु-कासरगोड मार्ग पर फिर से तैनात किया गया था। दुर्घटना से पहले, बस लगभग 540 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए 9 चक्कर लगा चुकी थी। यह दुर्घटना उसके 10वें चक्कर (कासरगोड-मेंगलूरु) के दौरान हुई। केएसआरटीसी की एक तकनीकी टीम ने दुर्घटनास्थल पर वाहन का निरीक्षण किया और पुष्टि की कि यह अच्छी स्थिति में है और इसमें कोई खराबी नहीं है। इसके अलावा, एक अन्य चालक ने बस को दुर्घटनास्थल से सुरक्षित रूप से पुलिस स्टेशन तक पहुँचाया। अंत में, केएसआरटीसी, मेंगलूरु के वरिष्ठ मंडल नियंत्रक ने एक आधिकारिक बयान में दोहराया कि दुर्घटना पूरी तरह से चालक की लापरवाही और लापरवाही से हुई, ब्रेक फेल होने या किसी तकनीकी खराबी के कारण नहीं।

पूर्व मंत्री रेणुकाचार्य के खिलाफ एफआईआर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गणेश उत्सव के दौरान डीजे की अनुमति के लिए सड़क जाम करने और धरना देने के आरोप में पूर्व मंत्री एम.पी. रेणुकाचार्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। रेणुकाचार्य ने 23 अगस्त को दावणगेरे के जयदेव सर्कल पर सड़क जाम कर धरना दिया था। इस दौरान उन्होंने भड़काऊ बयान दिए थे और डीसी के आदेश का उल्लंघन किया था। इसी सिलसिले में उनके खिलाफ दावणगेरे बरंगे पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। दावणगेरे के डीसी डॉ. गंगाधर स्वामी ने कहा था कि किसी भी कारण से डीजे की अनुमति नहीं थी। दावणगेरे गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारियों और डीजे मालिकों ने डीजे की अनुमति मांगी थी। लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह जिला मजिस्ट्रेट के डीजे के अनुरोध को स्वीकार नहीं करेंगे। डीजे मालिकों और गणेश आयोजकों ने पूर्व मंत्री एम.पी. रेणुकाचार्य के नेतृत्व में शहर के पुराने पर्यटक मंदिर में बैठक की और विरोध प्रदर्शन कर जिला प्रशासन से डीजे की अनुमति देने की अपील की। उन्होंने विरोध प्रदर्शन करते हुए जिला प्रशासन से डीजे बजाने की अनुमति देने की अपील की थी और जिला कलेक्टर व एसपी को मौके पर आने की मांग की थी। इस दौरान, जिला प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई न होने से नाराज प्रदर्शनकारियों ने सांसद रेणुकाचार्य के नेतृत्व में सड़क जाम करने का फैसला किया था। रेणुकाचार्य ने जिला प्रशासन को चुनौती देते हुए कहा था जब जिला प्रशासन नहीं माना, तो भी हम डीजे बजाएँगे, भले ही अनुमति न मिले, आप क्या करेंगे? सरकारी स्तर पर डीजे पर प्रतिबंध लगा दिया गया है और भाजपा नेताओं ने सत्तारूढ़ दल पर कड़ा प्रहार किया है। उच्च न्यायालय ने डीजे बजाने की अनुमति देने के लिए दायर याचिका को खारिज कर दिया है। साथ ही, आवासीय क्षेत्रों में दिन में ध्वनि स्तर 55 डेसिबल और रात में 45 डेसिबल तक सीमित करने का आदेश भी जारी किया है।

उत्तर प्रदेश में खाद संकट : अब यूरिया की हर बोरी पर लगेगी गोदाम की मुहर

तस्करी रोकने के लिए बनाई गई ये विशेष रणनीति

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

यूपी में खाद संकट के बीच सरकार ने फैसला लिया है कि अब खाद की हर बोरी पर संबंधित गोदाम और समिति की मुहर लगाई जाएगी। इससे पता चल सकेगा कि संबंधित खाद किस समिति से उठाई गई है। प्रदेश में खाद की कालाबाजारी और तस्करी रोकने के लिए यह रणनीति अपनाई गई है।

प्रदेश में खरीफ सीजन में बॉर्डर के जिलों से खाद की तस्करी होने की शिकायत मिली। तमाम चौकसी के बाद भी यूरिया एवं अन्य खाद नेपाल पहुंच गई। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के निरीक्षण में भी यह बात सामने आई। जिन किसानों के पास एक बिस्वा भी खेत नहीं है, उनके नाम पर 40 से 50 बोरी खाद की खरीद फरोख्त हुई। सिद्धार्थनगर और महराजगंज जिले में ऐसे मामलों में रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई है। सीमावर्ती अन्य जिलों में भी इस तरह के मामले सामने आए हैं। कई स्थानों पर पकड़ी गई खाद सहकारी गोदाम की है अथवा निजी दुकान की, इसे लेकर भी विवाद की नौबत आई। ऐसे में सहकारिता विभाग ने नई रणनीति तैयार की है। अब रबी सीजन शुरू होने से पहले ही सहकारिता विभाग ने अपनी समितियों की खाद को मुहरबंद करने का फैसला लिया है। इसके तहत यूपी कोआपरेटिव फेडरेशन की गोदाम में खाद के पहुंचते ही बोरियों पर संबंधित फेडरेशन की मुहर लगाई जाएगी। यहां से खाद की बोरियां जिस सहकारी समिति में भेजी जाएंगी। उस समिति की भी मुहर लगेगी। ऐसे में कोई भी किसान खाद की बोरी लेकर निकलेगा तो आसानी से पता चल सकेगा कि वह किस समिति से खाद लेकर जा रहा है। साथ ही संबंधित समिति को किस गोदाम से खाद उपलब्ध कराई गई है, इसके भी स्पष्ट प्रमाण रहेंगे। इससे खाद की कालाबाजारी होने, तस्करी होने अथवा खाद की गुणवत्ता प्रभावित होने की दशा में संबंधित गोदाम के प्रभारी और समिति के सचिव के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जा सकेगी। सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार ने इस संबंध में पीसीएफ निदेशक और सभी जिलों के सहायक निबंधकों को निर्देश जारी किया है।

प्रदेश की 6861 सहकारी समितियों पर खाद का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश में 28 अगस्त को समितियों पर 13942 मीट्रिक टन यूरिया का वितरण किया गया है। 29 अगस्त को 2.67 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 3.16 लाख मीट्रिक टन फास्फेट मौजूद रही। कई रैक रास्ते में हैं, जो 31 को विभिन्न जिलों में पहुंच जाएंगी। ऐसे में 31 अगस्त को समितियों के पास 4.61 लाख मीट्रिक टन यूरिया और 3.25 लाख मीट्रिक टन फास्फेट पहुंच जाएगी।

सहकारिता आयुक्त एवं निबंधक योगेश कुमार ने कहा, खाद को लेकर हर स्तर पर निगरानी की जा रही है। सचिवों की जिम्मेदारी भी तय की गई है। समितियों के सदस्य किसानों को वरीयता के आधार पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। कई बार कालाबाजारी और तस्करी की स्थिति में समितियों पर भी आरोप लगता है। इन आरोपों को देखते हुए नई व्यवस्था अपनाई जा रही है ताकि हकीकत सामने आ सके। नई व्यवस्था से पारदर्शिता बढ़ेगी और जिम्मेदारी तय होगी।

निजी क्षेत्र के फुटकर दुकानदार खाद में हेराफेरी न करने पाए, इसके लिए भी तत्परता बरती जा रही है। कृषि विभाग की ओर से औचक निरीक्षण की प्रक्रिया निरंतर जारी रखी गई है। जिलों में खाद की कालाबाजारी की निगरानी में लगी टीम अब नए सिरे से जांच करेगी। इसके तहत तिथिवार थोक और फुटकर विक्रेताओं के रजिस्टर का मिलान किया जाएगा। मिलान के दौरान देखा जाएगा कि जिले के थोक विक्रेता के गोदाम से कितनी खाद निकली और फुटकर विक्रेता के गोदाम में संबंधित तिथि में कितनी खाद पहुंची। पिछले दिनों निदेशालय से जिलों में भेजी गई टीमों को यह इनपुट मिला कि थोक विक्रेता के यहां से चली खाद रास्ते में दूसरे स्थान पर चली जाती है। फुटकर विक्रेता एक से दो दिन में संबंधित खाद बिक्री की सूची तैयारी कर लेते हैं।

यूपी विधि विज्ञान प्रयोगशाला और ओड़ीशा के सेंचुरियन विवि में करार

फॉरेंसिक शोध और जांच को मिलेगी नई वैज्ञानिक शक्ति

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश को आधुनिक तकनीक से युक्त प्रदेश के तौर पर रूपांतरित कर रहे सीएम योगी का विजन धरातल पर उतरने लगा है। इसी कड़ी में, प्रदेश में फॉरेंसिक संरचना को भी नई वैज्ञानिक शक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से एक बड़ी पहल हुई। पुलिस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में यूपी के पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्णा की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश विधि विज्ञान प्रयोगशाला एवं ओड़ीशा के सेंचुरियन विश्वविद्यालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। यह एमओयू कई मायनों में विशिष्ट होगा। यह सहयोग हाल ही में प्रदेश में शुरू की गई कई फॉरेंसिक पहलों को और गति देगा। उल्लेखनीय है कि नए आपराधिक कानूनों के अंतर्गत अब गंभीर अपराधों में फॉरेंसिक विशेषज्ञ का घटनास्थल पर पहुंचना अनिवार्य कर दिया गया है, जिससे सबूतों का वैज्ञानिक और सटीक संकलन सुनिश्चित हो रहा है। यूपी के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कृष्णा ने इस एमओयू की सराहना करते हुए कहा कि यह ज्ञान-विनिमय, नवाचार और फॉरेंसिक क्षमता-वृद्धि की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह न केवल शैक्षणिक शोध को मजबूत करेगा बल्कि प्रदेश की फॉरेंसिक संरचना को भी नई वैज्ञानिक शक्ति प्रदान करेगा। उनके अनुसार, यह पहल उत्तर प्रदेश को वैज्ञानिक अन्वेषण और फॉरेंसिक उत्कृष्टता के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

अपर पुलिस महानिदेशक नवीन अरोड़ा (तकनीकी सेवाएं) ने बताया कि इस समझौता ज्ञापन के कई लाभ हैं। यह संयुक्त शिक्षण/प्रशिक्षण और अनुसंधान पहल, शोध सामग्री प्रकाशनों और पुस्तकालय संसाधनों का आदान-प्रदान, वैज्ञानिक उपकरणों/सॉफ्टवेयर और प्रयोगशाला सुविधाओं का सदुपयोग, वैज्ञानिकों/शोधार्थियों के लिए सह-मार्गदर्शन के अवसर प्रदान करेगा। यह एमओयू छात्रों को तेजी से विकसित हो रहे फॉरेंसिक विज्ञान क्षेत्र में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करेगा, उनकी रोजगार क्षमता को बढ़ाएगा तथा अत्याधुनिक अनुसंधान को बढ़ावा देगा, जो देश भर में कानून प्रवर्तन और न्यायिक प्रणालियों का समर्थन करेगा। उल्लेखनीय है कि इसी महीने 75 अत्याधुनिक मोबाइल फॉरेन्सिक वैन का शुभारम्भ सीएम योगी द्वारा किया गया है। ये वैन डीएनए सैंपलिंग, फिंगरप्रिंट विश्लेषण, टॉक्सिकोलॉजी परीक्षण और अन्य आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं। इससे प्रदेश में फॉरेंसिक-आधारित पुलिसिंग को नया आयाम मिला है। सेंचुरियन विश्वविद्यालय, व्यावसायिक शिक्षा व प्रशिक्षण स्कूल को हाल ही में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा उत्कृष्टता केंद्र (सेंटर फॉर एक्सिलेंस) के रूप में अधिसूचित किया गया है, जो अब तक यह मान्यता प्राप्त करने वाला भारत का एकमात्र विश्वविद्यालय है। सेंचुरियन विश्वविद्यालय के प्रेसिडेंट, प्रोफेसर मुक्तिकांत मिश्र ने कहा कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला की फॉरेंसिक विशेषज्ञता के साथ हमारे शैक्षिक संसाधनों को संयोजित करके, हम छात्रों और शोधकर्ताओं को फॉरेंसिक विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में प्रगति में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाएंगे।

दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण में सहयोग करेगी यूपी सरकार : योगी

संपूर्णानंद संस्कृत विवि में राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन का हुआ निरीक्षण

पांडुलिपियों के संरक्षण को और तीव्रता से आगे बढ़ाने का निर्देश

वाराणसी, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय में स्थित राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के अंतर्गत चल रहे संरक्षण कार्यों के निरीक्षण के लिए पहुंचे। यह उनका विश्वविद्यालय परिसर में तीसरा आगमन था। विश्वविद्यालय परिवार ने मुख्यमंत्री का पारंपरिक स्वागत विद्यार्थियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार और स्वस्तिवाचन के बीच किया। कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा, कुलसचिव राकेश कुमार और वित्त अधिकारी सहित आचार्यों ने उनका अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री योगी ने दुर्लभ पांडुलिपियों एवं उनके संरक्षण कार्यों की प्रगति का सूक्ष्मता से अवलोकन किया और कार्यों की गति और तेज करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की धरोहर इन पांडुलिपियों का संरक्षण एक सराहनीय कार्य है और इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहर को संरक्षित करना आने वाली पीढ़ियों के लिए महत्वपूर्ण दायित्व है।

मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के विस्तार भवन में भारत सरकार के सहयोग से राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन द्वारा चल रहे संरक्षण कार्यों की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने ऐतिहासिक सरस्वती भवन पुस्तकालय और अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री का तीसरी बार विश्वविद्यालय आगमन होना संस्कृत भाषा, विश्वविद्यालय और देववाणी के लिए गौरव और हर्ष की बात है।

सीएम योगी ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को किया नमन

हर खिलाड़ी समाज का हीरो, राष्ट्र के प्रति समर्पण की प्रेरणा

लखनऊ, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जी को नमन करते हुए कहा कि हर खिलाड़ी अपने आप में समाज के लिए एक हीरो होता है। हर नागरिक को एक खिलाड़ी की तरह अपने राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव से आगे बढ़ने, खेल जीवन के अनुशासन को बनाए रखने, समन्वय स्थापित करने और जीवन में उत्कृष्टता के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयासों का हिस्सा होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक विजेता उत्तर प्रदेश के 88 खिलाड़ियों को पुरस्कार राशि प्रदान की और सहायक खेल प्रशिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। समारोह में खेल मंत्री ने मुख्यमंत्री को अंगवस्त्र पहनाकर और मोमेंटो देकर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने पूर्व ओलंपियन और अर्जुन पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों सहित नेशनल गेम्स में मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों का सम्मान किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न जनपदों में खेल अवस्थापना सुविधाओं के निर्माण का लोकार्पण भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब मेजर ध्यानचंद जी की बात आती है तो हर भारतीय के मन में हॉकी की स्टिक नजर आने लगती है।

1928, 1932 और 1936 तीन ओलंपिक में स्वर्ण पदक दिलाकर उन्होंने भारत की हॉकी को वैश्विक पहचान दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का सबसे प्रतिष्ठित खेल रत्न पुरस्कार किसी नेता नहीं, बल्कि मेजर ध्यानचंद के नाम पर समर्पित किया गया।

उत्तर प्रदेश के लिए यह इसलिए भी गौरव की बात है क्योंकि यह उनकी जन्मभूमि है। उनकी स्मृति में मेरठ में प्रदेश की पहली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का नामकरण मेजर ध्यानचंद जी के नाम पर किया गया है और इस सत्र से वहां पाठ्यक्रम प्रारंभ हो गया है।

मुख्यमंत्री ने विजयंत खंड स्थित मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम में स्पोर्ट्स हॉस्टल बनाम स्पोर्ट्स कॉलेज का रोमांचक हॉकी मैच भी देखा। उन्होंने कहा कि यह खेल कितना फास्ट है, कितनी ऊर्जा और टीमवर्क मांगता है। यह मैच इसका जीवंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में खेलो इंडिया से फिट इंडिया मूवमेंट तक, सांसद एवं विधायक स्तर की प्रतियोगिताओं तक, देश में खेलों की एक नई क्रांति आई है। प्रदेश सरकार ने नई खेल नीति लागू की है, जिससे खिलाड़ियों को मंच, कोच और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हर कमिश्नरी में एक स्पोर्ट्स कॉलेज की स्थापना की जा रही है। विभिन्न खेलों के लिए इन कॉलेजों में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस विकसित किए जाएंगे। पूर्व ओलंपियन/कॉमनवेल्थ/एशियाड/नेशनल गेम्स मेडलिस्टों को कोच बनाकर नई प्रतिभाओं को तराशा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर ग्राम पंचायत में खेल का मैदान, हर विकासखंड पर मिनी स्टेडियम और हर जनपद में एक स्टेडियम निर्माण की कार्यवाही युद्धस्तर पर जारी है। ओपन जिम के निर्माण व युवा कल्याण विभाग के माध्यम से युवक मंगल दल और महिला मंगल दल को स्पोर्ट्स किट उपलब्ध कराई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने हॉकी में अनेक दिग्गज दिए हैं। मेजर ध्यानचंद, के. डी. सिंह 'बाबू', मोहम्मद शाहिद, रवींद्र पाल, सैयद अली, डॉ. आर. पी. सिंह, सुजीत कुमार, रजनीश मिश्रा, मोहम्मद शकील, देवेश चौहान, एम. पी. सिंह, जगवीर सिंह, विवेक सिंह, राहुल सिंह, तुषार खांडेकर, दानिश मुर्तजा, ललित उपाध्याय, राजकुमार पाल, रंजना श्रीवास्तव, मंजू बिष्ट, पुष्पा श्रीवास्तव, रजनी जोशी, वंदना कटारिया, रितुषा कुमारी आर्या जैसे हॉकी खिलाड़ियों प्रदेश और देश का गौरव बढ़ाया। पेरिस ओलंपिक में भारतीय टीम को मेडल दिलाने वाले ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल उत्तर प्रदेश की ही देन हैं।

सीएम ने कहा कि खाली दिमाग शैतान का घर होता है। व्यक्ति यदि खेलकूद से जुड़ेगा तो राष्ट्र के प्रति समर्पण का भाव विकसित होगा।

शरीर के साथ मन भी तंदुरुस्त रहेगा और वह स्वस्थ शरीर-स्वस्थ मस्तिष्क के साथ सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेल दिवस के उपरांत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर के बीच देशभर में सांसद खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इससे पूर्व विधायक खेलकूद प्रतियोगिताएं खेल एवं युवा कल्याण विभाग आयोजित कराएगा।

प्रतापगढ़ की जनसभा में बोले सीएम योगी आदित्यनाथ

डेमोग्राफी बदलने के लिए सपा-कांग्रेस ने रची साजिश

570 करोड़ की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास

प्रतापगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ में जनसभा को संबोधित करते हुए विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने संभल में 2024 की हिंसा पर आई न्यायिक आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के शासनकाल में चुन-चुनकर हिंदुओं को निशाना बनाया गया। उस वक्त हिन्दुओं की जनसांख्यिकी को कम करके डेमोग्राफी बदलने की साजिशें रची गईं। आज डबल इंजन की सरकार किसी भी कीमत पर ऐसी विभाजनकारी राजनीति नहीं होने देगी। जो भी प्रदेश की डेमोग्राफी बदलने का प्रयास करेगा, उसे स्वयं पलायन करना होगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रतापगढ़ में 570 करोड़ रुपए की 186 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास के अवसर पर जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को देखकर विपक्ष बौखला गया है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का इंडी गठबंधन वास्तव में एंटी इंडिया गठबंधन है। यह गठबंधन भारत की आन-बान-शान से खिलवाड़ करता है और देश को जाति-धर्म के आधार पर बांटने का काम करता है। सीएम योगी ने कहा कि जब-जब इन्हें सत्ता मिली, तब-तब इन्होंने माफिया को बढ़ावा दिया, गुंडागर्दी करवाई और गरीबों का हक छीना। अब जब जनता ने इन्हें नकार दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश में विकास कार्यों को देखकर विपक्ष बौखला गया है। सीएम योगी ने हाल ही में बिहार में इंडी गठबंधन की रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां पर की गई अभद्र टिप्पणियों को विपक्ष की हताशा का नतीजा बताते हुए कहा कि ऐसे लोग राजनीति में जगह के लायक नहीं हैं। इन लोगों को समझना चाहिए भारत के प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता हैं और उनके प्रति अपशब्दों का प्रयोग करने का मतलब सूरज पर थूकने जैसा है। यह थूक इनके ऊपर आ रहा है। इन लोगों की भाषा से आज 140 करोड़ भारतवासी अपने आपको अपमानित महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तुष्टिकरण नहीं संतुष्टिकरण के माध्यम से सशक्तिकरण की तरफ हम लोग आगे बढ़ रहे हैं, इसलिए 8 वर्ष में 6 करोड लोगों को गरीबी रेखा से उभारने में मदद मिली।

सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने आज माफिया संस्कृति को खत्म कर प्रदेश को विकास की राह पर ला दिया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने हर जिले को एक माफिया दिया था, जो लूट-खसोट करता था, विकास योजनाओं में डकैती डालता था और गरीबों के हक छीनता था। लेकिन डबल इंजन की सरकार ने माफिया को खत्म कर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट और वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज दिया है।

सीएम योगी ने कहा कि आज प्रतापगढ़ का आवला का उत्पादन अब दुनिया भर में पहुंच रहा है, सोनेलाल पटेल मेडिकल कॉलेज बन चुका है और गंगा एक्सप्रेसवे जैसी कनेक्टिविटी परियोजनाएं विकास को गति दे रही हैं। प्रतापगढ़ आज विकास के नए प्रतिमान गढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यहां के किसानों ने आवला की खेती से प्रदेश को नई पहचान दी है, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने देश की आजादी में योगदान दिया और स्थानीय उत्पाद जैसे रसमलाई की मिठास घर-घर पहुंच रही है। मां बेल्हा देवी की कृपा से प्रतापगढ़ विकास की नई ऊंचाइयों पर पहुंच रहा है। सीएम योगी ने कहा कि 263 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण और 306 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया। उन्होंने कहा कि यह विकास का मूर्त रूप है, जो स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और उद्यमिता को मजबूत कर रहा है।

क्या आप जानते हो

जापान ने बनाया सबसे तेज कंप्यूटर

टोक्यो। एक जापानी सुपर कंप्यूटर ने एक सेकंड में 10 हजार खरब कैलकुलेशन कर दुनिया की सबसे तेज मशीन का दर्जा पा लिया है। के कंप्यूटर ने अक्टूबर में बने अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। तब यह एक सेकंड में 8 हजार खरब की गणना एक सेकंड में करता था।

फूजित्सु की कंपनी रिकेन ने यह सुपर कंप्यूटर बनाया है। कंपनी के निदेशक योंजी नोयोरी ने बताया कि के कंप्यूटर में 88 हजार से ज्यादा प्रोसेसिंग यूनिट लगे हुए हैं। सामान्य कंप्यूटर में सिर्फ 4 प्रोसेसर लगते हैं। इस वजह से सुपर कंप्यूटर सामान्य कंप्यूटर से 10 हजार गुना तेजी से काम करता है। भूकंपीय तरंगों और सुनामी लहरों के इमारतों पर प्रभाव जांचने के लिए इनका इस्तेमाल किया जाता है।

पहले फोटो लें, बाद में करें फोकस

अब अगर आप फोटो लेने के बाद उसके किसी भी हिस्से को फोकस कर पाएंगे। यह संभव हो पाएगा आधुनिक तकनीक वाले लिट्रो कैमरे से।

यह कैमरा एक बार में व्यक्ति की हर संभावित फोटो खींच लेता है। इस कैमरे में सिर्फदो बटन है। ऑन ऑफऔर शटर बटन। इस कैमरे से फोकस रिंग और ऑटो फोकस के बिना ही इमेज को फोकस किया जा सकेगा। लिटो कैमरे से ली गई किसी भी फोटो को आप अपने कंप्यूटर और टेबलेट पर डालकर सिर्फ छूने भर से फोकस कर पाएंगे। यह आधुनिकतम कैमरा संभवत: इस साल के अंत तक बाजार में उपलब्ध होगा।

ऐसे करता है काम

कैमरे से फोटो लेते वक्त इसमें लगे कई लैंस रोशनी को अवशोषित कर लेते हैं। इसमें लगे सेंसर हर संभावित कोण से इमेज स्टोर कर लेते हैं। जिसमें कलर, लोकेशन यहां तक की कैमरे पर पड़ रही रोशनी की दिशा तक स्टोर हो जाती है। कैमरे में लगे सॉफ्टवेयर से इमेज को बिना कन्वर्जन के थ्री डी लुक भी दिया जा सकेगा। इस तकनीक के लिए सिलिकॉन वैली की कंपनी ने 245 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। कैमरे की कीमत 399 डॉलर (लगभग 19 हजार) होगी।

धीमे काम करेगा कैमरा

लिटो के निर्माता को संदेह है कि इतनी सारी सूचना स्टोर करने पर हो सकता है कि कैमरे का रिजोल्यूशन कम हो। हो सकता है कि यह थौड़ा धीरे काम करे। वहीं लिटो के प्रतिद्वंदियों का कहना है कि अगर फोटो लेते वक्त हाथ हिल जाता है तो फेटो धुंधली हो सकती है। फोटो को सही फ्रेम से लेना जरूरी है।

राजा तरबूज की कहानी

किसी नगर के राजा ने एक दिन यह निश्चय किया कि वह एक भव्य तोरण द्वार का निर्माण करवाएगा और उसके नीचे से अपनी सवारी निकालकर प्रजा के सम्मुख गर्व से अपने वैभव का प्रदर्शन करेगा। जब वह गौरवदायी क्षण आया तो सब यह देखकर भौंचक्के रह गए कि राजा का मुकुट द्वार की मेहराब से टकरा कर गिर गया। दरअसल द्वार बहुत नीचा बना था। राजा को क्रोध आना तो लाजिमी था! उसने आदेश दिया कि निर्माण कार्य करवाने वाले ठेकेदार को सजा-ए-मौत दे दी जाये। जब ठेकेदार को फांसी के लिए ले जाने लगे तो उसने सबको बताया कि असली गलती निर्माण में लगे कारीगरों की थी जिन्होंने द्वार बनाने का सारा काम किया था।

राजा को न्याय करने की उतावली थी और उसने कारीगरों को तलब किया। कारीगरों ने सारा दोष ईंटें बनानेवाले पर डाल दिया कि उसने गलत आकार की ईंटें बनाईं। ईंटसाज ने कहा कि उसने तो बस द्वार का नक्शा बनानेवाले के निर्देशों के अनुसार काम किया था। नक्शा बनानेवाले ने यह कह दिया कि उसने निर्माण के अंतिम दौर में राजा द्वारा दिए गए कुछ सुझावों को कार्यान्वित किया जिनके परिणामस्वरूप द्वार नीचा बन गया।

'राज्य के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति को बुलाओ!' राजा ने कहा 'यह निस्संदेह बड़ी जटिल समस्या है और हमें इसपर ज्ञानियों से परामर्श करना है!'

सैनिक राज्य के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति को पकड़ कर ले आये। वह इतना बूढ़ा था कि अपने पैरों पर खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। बूढ़ा होने के नाते ही वह सबसे अधिक बुद्धिमान भी था। अपनी कांपती आवाज में उसने कहा 'इस समय की सबसे बड़ी मांग यह है कि दोषी को शीघ्र दंड दिया जाए और इस प्रकरण में मेरे अनुसार सबसे बड़ा दोषी और कोई नहीं बल्कि यह द्वार ही है।' बूढ़े के निर्णय की सराहना करते हुए राजा ने घोषणा की कि कसूरवार द्वार को ढहा कर नेस्तनाबूद कर दिया जाए। जब द्वार को गिराने की सारी तैयारियां पूरी हो गईं तो राजा के एक सलाहकार ने अपनी राय जाहिर करी कि द्वार को इस प्रकार अपमानपूर्वक नहीं गिराया जा सकता क्योंकि उसने राजा के पवित्र मस्तक को एक बार स्पर्श कर लिया है।

इस बीच द्वार को गिराने-न-गिराने की आपाधापी में बुद्धिमान बूढ़े ने अपनी आखिरी साँसें भर लीं। राजा के सलाहकार द्वारा दिए गए मत पर विमर्श करने के लिए राज्य में और कोई बुद्धिमान व्यक्ति नहीं बचा था। ऐसे में प्रमुख न्यायाधीश ने यह सुझाव दिया कि द्वार के निचले सिरे को सूली पर चढ़ा दिया जाए क्योंकि द्वार के केवल इसी हिस्से ने राजा के मस्तक को नहीं छुआ था। इस तरह द्वार का बाकी हिस्सा बच जाएगा। लेकिन जब जल्लादों ने द्वार के निचले हिस्से को फांसी के फंदे में लपेटने की कोशिश की तो यह पाया कि रस्सी छोटी पड़ गयी है। रस्सी बनानेवाले को बुलाया गया जिसने यह राय जाहिर करी कि फांसी का मचान ऊंचा बन गया था और सारी गलती बढ़ई की थी।

'लोग अपना सब्र खो रहे हैं!' राजा ने कहा 'हमें जल्द-से-जल्द किसी को ढूंढकर फांसी पर चढ़ाना होगा। अपराध और न्याय के मुद्दों की बारीकियों पर हम उचित समय आने पर विचार-विमर्श कर लेंग।' बहुत थोड़े से ही समय में राज्य के सभी लोगों का कद सावधानीपूर्वक माप लिया गया लेकिन केवल एक ही आदमी फांसी के फंदे पर इतना सटीक बैठा कि उसे फांसी पर चढ़ाया जा सके। वह आदमी और कोई नहीं खुद राजा ही था। फंदे के आकार में सटीक बैठनेवाले आदमी के मिल जाने का जनता में ऐसा उत्साह था कि राजा को जनता की उपेक्षा करने का साहस नहीं हुआ और वह फांसी चढ़ गया।

'भगवान का शुक्र है कि हमें फांसी चढ़ाने के लिए कोई मिल गया' प्रधानमंत्री ने राहत की सांस लेते हुए कहा 'यदि हम इस मसले पर जनता की भावनाओं की परवाह नहीं करते तो राज्य में चहुँओर द्रोह की स्थिति निर्मित हो जाती।' अब प्रधानमंत्री के सामने दूसरा संकट मुंह बाए खड़ा था। सभी को यह लगने लगा कि अब उनका देश राजाहीन हो गया है और अतिशीघ्र नए राजा का चुनाव करना बहुत जरूरी है. राजपुरोहित ने कहा कि परंपरा के अनुसार राज्य के सीमा द्वार से प्रवेश करने वाले पहले व्यक्ति को ही नगर का राजा बनाया जायेगा। राज्य के भीतर दाखिल होने वाला पहला व्यक्ति वज्रमूर्ख था. वह ऐसा आदमी नहीं था जिससे हम अक्सर राह-बेराह मिलते रहते हैं. जब उससे लोगों ने पूछा कि किसे राजा बनाया जाये तो उसने कहा 'तरबूज'। उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह हर सवाल का जवाब 'तरबूज' ही देता था। उसे तरबूज इतने पसंद थे कि उनके सिवाय उसके दिमाग में और कोई बात नहीं आती थी।

इस प्रकार एक तरबूज को भव्य समारोह में राजमुकुट पहनाकर सिंहासन पर बिठा दिया गया। यह सब तो बहुत-बहुत पहले हुआ था। आज जब उस देश के नागरिकों से लोग यह सवाल करते हैं कि उनका राजा तरबूज क्यों है तो वे कहते हैं 'यह हमारी मान्यता है कि महाराजाधिराज स्वयं तरबूज ही होना चाहते हैं। हम नागरिक भी तब तक उनकी इस इच्छा का सम्मान करेंगे जब तक वह कुछ और होने का आनंद नहीं उठाना चाहें। हमारे देश में राजा को वह होने का अधिकार है जो वह होना चाहते हैं। जब तक वे हमारे जीवन में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करते तब तक हम उनके तरबूज होने से खुश हैं'।

जिज्ञासा

त्वचा क्यों होती है गोरी या काली ?

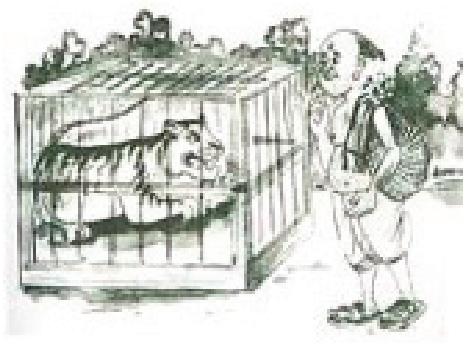

आपने अलग-अलग देशों में रहने वाले लोगों के रंग में अंतर देखा होगा। और तो और हमारे अपने देश में ही अलग-अलग रंगों के लोग रहते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि त्वचा का रंग आखिर भिन्न क्यों होता है ?

असल में मनुष्यों, प्राणियों व वनस्पती में विभिन्न प्रजातियों में अंतर उनके समय के साथ बदलते निवास के कारण पैदा हुआ है। वे स्थानीय वातावरण के अनुकूल रहन-सहन एवं भोजन आदि के कारण परिवर्तित होते गए। प्रमुख विभिन्ताओं में शारीरिक संरचना, बाल , त्वचा का रंग एवं चेहरे का आकार प्रमुख है। मानव जाति का विचरण पृथ्वी पर पर अन्य प्राणियों के मुकाबले ज्यादा विस्तृत है। किसी भी व्यक्ति की त्वचा का रंग उसके वातावरण के अनकूलन को प्रदर्शित करता है। गहरी भूरी अथवा काली त्वचा उन जगह के लिए उपयुक्त है, जहां सूर्य के किरणों की तीव्रता अधिक होती है, क्योंकि इस तरह की त्वचा नुकसानदायक परा बैंगनी किरणों द्वारा कैंसर के खतरे को रोकती हैं। कम चमकीले क्षेत्रों में यह उपाय आवश्यक नहीं है, बल्कि ऐसे स्थानों पर गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण अवरुद्ध हो सकता है। इसलिय प्रारंभिक मनुष्यों के अफ्रीका से उत्तरी क्षेत्रों की और गमन के साथ ही उनके त्वचीय रंजक समाप्त होते गए एवं वे पीत वर्ण होते गए। ऊष्ण कटिबंधीय देशों में प्रकाश की अधिक्ता के बाद भी गहरी रंगत वाली त्वचा में विटामिन डी का निर्माण होता है। आज लोग जनसामान्य एक स्थान से दूसरे स्थान तक गमन करते रहते हैं एवं विभिन्न जातियों में विवाह के कारण यह विभेद अस्पष्ट होते जा रहे हैं।

अब कीड़े जैसा होगा 'रोबोट' का डिजाइन

पर्यावरण से उत्पन्न चुनौतियों का सामूहिक ढंग से सामना कर रहे कीटों से प्रेरणा लेकर वैज्ञानिक कम्प्यूटर, कृत्रिम बुद्धि एवं बीमारियों के निदान एवं दवा देने के लिए छोटे से रोबोट के निर्माण पर विचार कर रहे हैं। ऐसे ही एक शोध छात्र एडी शक्लार्श और उनके निरीक्षक तेल अवीव विश्वविद्यालय के प्रोफेसर एशेल बेन-जैकब ने विस्तार से बताया है कि कैसे कीड़े सूचनाएं ग्रहण कर वृद्धि का रास्ता तलाश करते हैं। शक्लार्श ने कहा कि बैक्टीरिया के अलावा भी कई जीव समूह में यात्रा करते हैं। विश्वविद्यालय द्वारा जारी बयान में बताया गया कि अविकसित संवेदकों के साथ ये साधारण जीव मानव ऊत्तक जैसे जटिल वातावरण में गति करने के लिए सुसज्जित नहीं होते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि बैक्टीरिया में जीवित रहने की ज्यादा क्षमता है और वह समूह में गति करने वाले जीवों अमीबा या मछली की तुलना में ज्यादा सरलता से कठिन परिस्थितियों का सामना करते हैं। बैक्टीरिया परमाणुविक, रासायनिक एवं यांत्रिक ढंग से संचार स्थापित करते हैं और मार्ग में आने वाली कठिनाई से निपटते हैं।

शेर को मिली सजा

एक अय्यर ब्राह्मण घने वन से गुजर रहे थे। तभी उनकी नजर पिंजरे पर पड़ी। पिंजरे में एक शेर बंद था। शेर ने ब्राह्मण से विनती की-'आप मुझे पिंजरे से निकाल दें। भूख-प्यास से मेरी जान जा रही है। मैं कुछ खा-पीकर पुन: पिंजरे में लौट आऊँगा।' ब्राह्मण महाशय परेशान हो गए। यदि पिंजरा खोलते हैं तो शेर उन्हें खा सकता है। यदि नहीं खोलते हैं तो बेचारा पशु मारा जाएगा।

अंत में उनकी दयालुता की जीत हुई। उन्होंने पिंजरे का दरवाजा खोल दिया। शेर बाहर आते ही गरजकर बोला-'मूर्ख मनुष्य, तूने गलती की है। मैं तुझे ही खाऊँगा।' ब्राह्मण भय के कारण थर-थर काँपने लगा। परंतु मन-ही-मन वह बचने का उपाय भी सोच रहा था। जैसे ही शेर ने झपट्टा मारने की कोशिश की, ब्राह्मण ने हिम्मत बटोरकर काँपते स्वर में कहा- मुझे खाने से पहले चार लोगों से सलाह ले लो। यदि वे कहेंगे तो तुम मुझे खा लेना।

अब जंगल में चार लोग कहाँ से आते ? चार जंगली जीवों से राय लेने का निश्चय हुआ। एक बूढ़ा-सा ऊँट सामने से गुजरा तो उससे राय पूछी गई। वह मुँह बिचकाकर बोला-'अरे ये इंसान कहीं दया के योग्य होते हैं ? मेरे मालिक को ही देखो, मैं जवान था तो खूब काम करता था। अब शरीर में ताकत नहीं है तो वह मुझे डंडों से मारता है।' शेर की आँखें खुशी से चमकनें लगीं।

किंतु अभी तीन जजों की सलाह और लेनी थी। पास में ही बरगद का विशाल वृक्ष था। लंबी बाँहें फैलकर बोला-'मनुष्य बहुत लोभी होता है। सूरज की तपती धूप से मैं इसकी रक्षा करता हूँ। सारी दोपहर मेरी छाँव में बिताकर यह शाम को मेरी टहनियाँ काटकर ले जाता है। मेरी राय में तो सभी मनुष्यों को जान से मार देना चाहिए।' यह उत्तर सुनकर ब्राह्मण की आँखों के आगे अँधेरा छाने लगा। तभी ढेंचू-ढेंचू की आवाज सुनाई दी। ब्राह्मण को कुछ आशा बँधी। एक लँगड़ा गधा रेंकता हुआ उसी ओर आ रहा था। शेर ने उनसे भी प्रश्न किया। गधेराम तो पहले से ही जले-भुने बैठे थे। गुस्से से भरकर बोले-'देखो न, मैं दिन-भर मालिक का बोझा ढोता हूँ। मैं उफ तक नहीं करता। जो भी रूखा-मूखा मिल जाता है, वह खुशी से खा लेता हूँ पर आज.... । कहकर वह रोने लगा।'

शेर को गधे से क्या लेना-देना था ? उसने अपना प्रश्न दुहराया, 'क्या ब्राह्मण को खा लूँ ?'

गधे ने आँसू पोंछकर कहा-'अवश्य मेरे मित्र, इसे बिलकुल मत छोड़ना। इन मनुष्यों ने हमारी नाक में दम कर रखा है।'

अब एक ही पशु की राय और लेनी थी। एक लोमड़ी वहीं खड़ी होकर सब कुछ देख रही थी। वह पास आई और बोली-'फैसला तो मैं कर दूँगी पर पहले अपने-अपने स्थान पर खड़े हो जाओ। मुझे तो विश्वास ही नहीं होता कि इतना बड़ा शेर पिंजरे में कैसे समा गया ? शेर ने जोश में आकर छलाँग लगाई और पिंजरे में जा पहुँचा। लोमड़ी ने झट से दरवाजा बंद कर दिया और ब्राह्मण से बोली, 'आप अपने घर जाएँ और जंगली पशुओं से बचकर रहें। इस शेर की हरकतों से तंग आकर ही इसे बंद किया गया था। आगे से बिना सोचे कोई काम मत करना।' ऐसा कहकर लोमड़ी जंगल में लौट गई। दुष्ट शेर ने पिंजरे में ही भूख-प्यास से दम तोड़ दिया। उसे उसके किए की सजा मिल गई थी।

हमें बताए आप बनाए

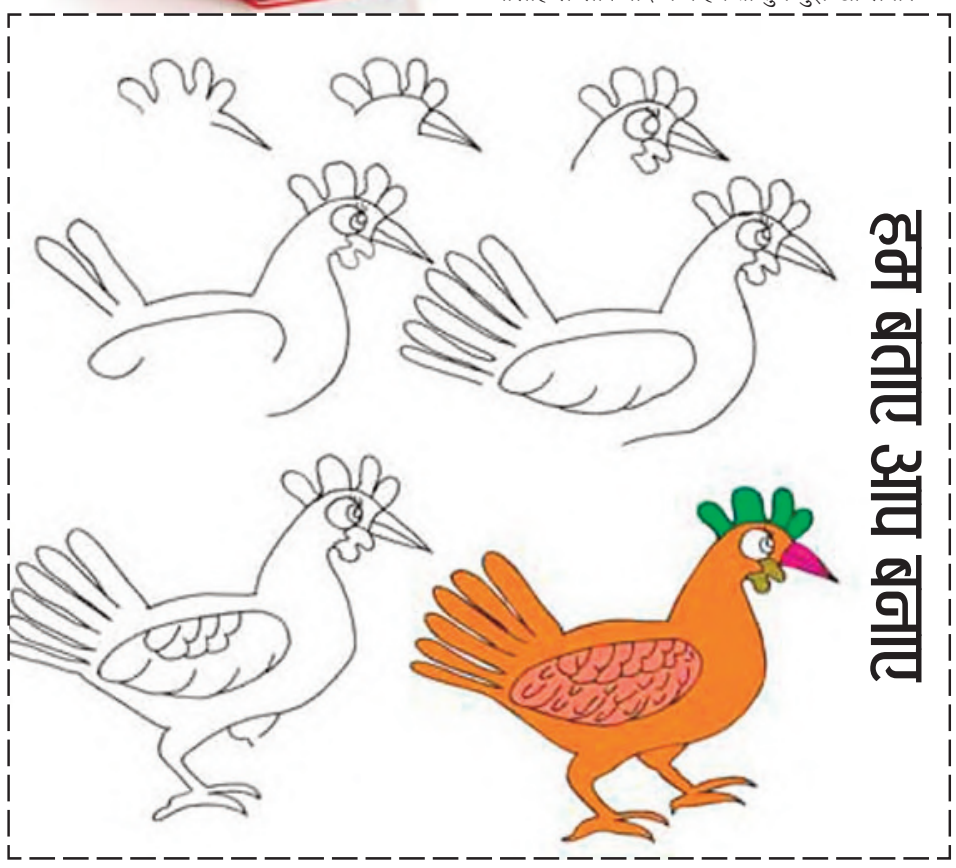

हंसी के हसगुल्ले

पप्पू संता से: आज क्लास में टीचर ने एक ऐसा सवाल पूछा जिसका जवाब सिर्फ मेरे पास था...

संता: शाबाश मेरे स्मार्ट पुत्तर... क्या सवाल था ?

पप्पू: ये ब्लैकबोर्ड किसने गीला किया ?

एक पॉल्ट्री फार्म का मालिक अपनी मुर्गियों के द्वारा कम अंडे दिए जाने की वजह से परेशान था।

एक दिन उसने सभी मुर्गियों को हुक्म दिया कि वे कल से ज्यादा अंडे दें।

मालिक : अगर तुम लोगों ने कल से दो-दो अंडे नहीं दिए, तो तुम्हारा दाना-पानी बंद हो जाएगा।

मुर्गियां डर गईं। सब ने दो-दो अंडे दिए, मगर एक ने सिर्फएक अंडा ही दिया।

मालिक: तुम ने एक अंडा ही दिया है ? तुम्हें मेरा डर नहीं ?

जवाब मिला : मालिक ! ये आपके डर की वजह से दिया है। वरना मैं तो मुर्गा हूं।

संता एक टॉकीज में जुरासिक पार्क फिल्म देख रहा था।

अचानक एक डायनासोर भागता हुआ दिखाई दिया।

संता उठा और टॉकीज के बाहर भाग आया।

बंता - क्या हुआ यार ये सिर्फ फिल्म ही तो है।

संता - यार तुझे पता है फिल्म है, मुझे पता है फिल्म है, डायनासोर को थोड़ी पता है फिल्म है।

कविता

छीनकर खिलौनो को

छीनकर खिलौनो को बाँट दिये गम ।
बचपन से दूर बहुत दूर हुए हम ।
अच्छी तरह से अभी पढ़ना न आया कपड़ों को अपने बदलना न आया लाद दिए बस्ते हैं भारी-भरकम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हम । अँग्रेजी शब्दों का पढ़ना-पढ़ाना घर आके दिया हुआ काम निबटाना होमवर्क करने में निकल जाय दम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हए । देकर के थपकी न माँ मुझे सुलाती दादी है अब नहीं कहानियाँ सुनाती बलख रही कैद बनी जीवन सरगम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हए । इतने कठिन विषय कि छूटे पसीना रात भर किताबों को घोट-घोट पीना उस पर भी नम्बर आते हैं बहुत कम बचपन से दूर बहुत दूर हुए हए ।

पूर्व एनएसए ने सुनाई खरी-खरी कहा-भारत और चीन को दोस्त बनने के लिए मजबूर कर रहे हैं ट्रंप

वाशिंगटन, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने भारत के खिलाफ आक्रामक टैरिफ नीति अपनाने के लिए ट्रंप प्रशासन की आलोचना की है। उनके मुताबिक अमेरिका के राष्ट्रपति अपनी इन नीतियों की वजह से भारत को जानबूझकर चीन की ओर धकेल रहे हैं, जो कि अमेरिका के हितों के बिल्कुल विपरीत है। पूर्व अमेरिकी अधिकारी का यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब दुनिया के दो सबसे बड़े लोकतांत्रिक देशों के संबंध सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। अमेरिका ने भारत के ऊपर 25 फीसदी का व्यापार टैरिफ और रूसी तेल खरीदने के लिए 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया गया है। ट्रंप प्रशासन की तरफ से लगातार भारत को निशाना बनाया जा रहा है। भारत ने इसका भरपूर विरोध किया है। और अपने किसानों के हितों और संप्रभुता को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने की बात कही है। बाइडेन के समय में सुरक्षा सलाहकार रहे सुलिवन ने दुनियाभर के देशों में अमेरिका के प्रति बढ़ते अविश्वास के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज हमारे सहयोगी देश हमें एक विघटनकारी देश के रूप में देखते हैं, आज चीन लोकप्रियता और स्थायी नीतियों के मामले में हमसे आगे निकल गया है। उन्होंने कहा, जब मैं अब इन जगहों पर जाता हूं और नेताओं से बात करता हूं, तो वे संयुक्त राज्य अमेरिका से जोखिम कम करने की बात कर रहे होते हैं। वह अब अमेरिका को एक विघटनकारी देश के रूप में देखते हैं, जिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। आज हालात यह हैं कि चीन वैश्विक स्तर पर एक लोकप्रिय खिलाड़ी है, जबकि हमारा अमेरिकी ब्रांड टॉयलेट में नजर आता है। पॉडकॉस्ट में जैक ने अपनी बात पर जोर देते हुए भारत का उदाहरण दिया और कहा कि अमेरिका के भारत के गहरे और अधिक टिकाऊ संबंध बनाने को लेकर पिछले कई सालों से काम किया जा रहा था। हालांकि, अब ट्रंप ने नई दिल्ली के ऊपर भारी टैरिफ लगा दिए, जिससे भारत को मजबूरन चीन के साथ बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन्होंने कहा, एक उदाहरण के तौर पर भारत को ले लीजिए। यह एक ऐसा देश है, जिसके साथ हम मजबूत और टिकाऊ द्विपक्षीय संबंध बनाने के लिए वर्षों से काम कर रहे थे। हमारे सामने चीन के रूप में एक चुनौती भी थी। अब राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के खिलाफ ही अभियान छेड़ दिया है। ऐसे में भारतीयों का मानना यह है कि उन्हें चीन के साथ अपने संबंधों को सुधारना चाहिए, जो कि वह कर रहे है।

न्यूज ब्रीफ

सालों बाद फिर हमारी आंखों के सामने आने वाला है धूमकेतु

वाशिंगटन। अंतरिक्ष में पुनः एक अनोखी घटना घटित होने वाली है, जो कि खगोलविदों के लिए किसी कौतूहल से कम नहीं है।

करीब 1400 साल बाद आसमान में एक अनोखा मेहमान (धूमकेतु) जिसका नाम सी/2025 ए6 रखा गया है, एक बार फिर हमारी आंखों के सामने आने वाला है। इसे इस साल 3 जनवरी को अमेरिका के एरिजोना स्थित माउंट लेमन टेलिस्कोप से खोजा गया और तब से वैज्ञानिक लगातार इस पर नजर रखे हुए हैं। इसकी कक्षा (ऑर्बिट) बताती है कि यह हर 1396 साल में एक बार सूरज का चक्कर लगाता है। पिछली बार यह 629 ईस्वी में धरती के पास आया था और अब 21 अक्टूबर 2025 को सबसे करीब से गुजरेगा। अगली बार यह हमें वर्ष 3421 में दिखाई देगा। यानी अगर इस बार चूक गए, तो फिर इसे देखने के लिए कई जन्म भी कम पड़ जाएंगे। इस वक्त यह धूमकेतु मिथुन नक्षत्र में है और धरती से करीब 34 करोड़ किलोमीटर दूर है, लेकिन हर गुजरते दिन के साथ पास आता जा रहा है। 21 अक्टूबर को यह हमारे ग्रह के नजदीक होगा और 8 नवंबर को सूरज के बेहद पास से गुजरेगा। खास बात यह है कि यह शाम के वक्त पश्चिमी आसमान में नजर आएगा और धीरे-धीरे इसकी चमक और बढ़ती जाएगी। शुरुआत में इसकी रोशनी काफी कम थी, लेकिन हाल के दिनों में अचानक तेज हो गई है। यह मैग्नीट्यूड 16.5 से 11 तक पहुंच चुका है। खगोल विज्ञान में जितना छोटा अंक, उतनी ज्यादा चमक।

यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड ने रूस के सामरिक महत्व के दो पुलों को उड़ाया

कीव (यूक्रेन)। यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड ने रूस के सामरिक महत्व के दो पुलों

को उड़ाने का दावा किया है। इन पुलों के आसपास बनाई गई बारूदी सुंरगें भी विस्फोट के दौरान उड़ गईं। ब्रिगेड का दावा है कि उसने बेहद सस्ते 600 डॉलर के ड्रोन का इस्तेमाल कर इस अभियान को अंजाम दिया। अमेरिका के सीएनएन चैनल ने इस खबर का प्रसारण यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के हवाले से किया है। यूक्रेनी सेना ने कहा कि यह दोनों पुल खार्किव क्षेत्र की सीमा के पास स्थित थे। इन दोनों पुलों का इस्तेमाल रूसी सेना अपने सैनिकों को आपूर्ति करने के लिए कर रही थी। बताया गया है कि इससे पहले यूक्रेन ने फरवरी 2022 में रूस की कई सड़कों पर पुलों को नष्ट किया था। यूक्रेन की 58वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के अनुसार, इन दोनों पुलों के आसपास असामान्य गतिविधि देखने के बाद अभियान शुरू किया गया। बारूदी सुरंगें होने के कराण पुल के नीचे सामान्य टोही ड्रोन को उड़ाना मुश्किल था। इसलिए फाइबर ऑप्टिक्स से लैस एक फर्स्ट-पर्सन-व्यू ड्रोन का सहारा लिया गया। रूस ने पुलों पर हुए हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की। कीव पोस्ट की खबर के अनुसार, यूक्रेनी ड्रोन ने शुक्रवार सुबह आमतौर पर शांत रहने वाले रूसी शहर ओर्योल पर हमला किया। ओर्योल पर यूक्रेनी हमले में 20 से कम विमान शामिल थे। इस हमले में कम से कम चार रूसी नागरिक घायल हो गए। इससे पहले रूसी सेना ने गुरुवार को कीव पर केंद्रित हमलों में बमवर्षक, क्रूज मिसाइल, बैलिस्टिक मिसाइल, हाइपरसोनिक मिसाइल और 560 से अधिक ड्रोन का इस्तेमाल किया।

साउथ कोरिया में स्कूल में फोन नहीं ले सकेंगे छात्र, नियम होंगे सख्त

सियोल। साउथ कोरिया ने एक अहम बिल पास कर पूरे देश के स्कूल क्लासरूम में मोबाइल फोन और दूसरे

डिजिटल डिवाइस के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। देश में युवाओं पर सोशल मीडिया के नकारात्मक प्रभावों को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। पारित किए गए बिल के मुताबिक इस बैन को अगले साल मार्च से लागू किया जाएगा। संसद में पास हुए इस बिल को दोनों पार्टियों ने मिलकर सपोर्ट किया। विपक्षी पीपल पावर पार्टी के सांसद और बिल के स्पॉन्सर चो जंग-हुन ने कहा, हमारे युवाओं की सोशल मीडिया एडिक्शन अब बहुत गंभीर स्तर पर पहुंच चुकी है। हमारे बच्चों की आंखें हर सुबह लाल रहती हैं क्योंकि वे रात में 2-3 बजे तक इंस्टाग्राम पर रहते हैं। गौरतलब है कि साउथ कोरिया दुनिया का सबसे ज्यादा डिजिटल फॉरवर्ड देश हैं जहां सबसे ज्यादा लोग डिजिटल माध्यमों का प्रयोग करते हैं। प्यू रिसर्च सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 और 2023 में किए गए अध्ययन में पाया गया कि 99 फीसदी साउथ कोरियन के पास इंटरनेट हैं। वहीं 98 फीसदी लोगों के पास स्मार्टफोन भी है। साउथ कोरिया के कई स्कूल पहले से ही स्मार्टफोन यूज पर कई तरह की पाबंदियां थीं लेकिन अब यह बिल इसे औपचारिक रूप से लागू करेगा। इसके साथ ही साउथ कोरिया अब उन देशों की फेहरिस्त में शामिल हो गया है जिन्होंने बीते कुछ सालों में बच्चों और टीनएजर्स के बीच स्मार्टफोन और सोशल मीडिया के इस्तेमाल को सीमित करने की दिशा में कई बड़े कदम उठाए हैं।

पाकिस्तान के हालात : गरीबों की आह निकल रही और अमीरों के महल सज रहे

इस्लामाबाद, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

पाकिस्तान कर्ज में डूबा है, महंगाई ने आम पाकिस्तानी के लिए दो वक्त का खाना भी मुश्किल कर दिया है और कई सूबे बाढ़ जैसी आफत से जूझ रहे हैं। दो वक्त का खाना पाकिस्तानी जनता के लिए लग्जरी से कम नहीं, लेकिन इन हालातों के बीच वहां के नेता और अफसर आलीशान जिदगी जीते हुए ऐश और भ्रष्टाचार में डूबे नजर आते हैं। सबसे ताजा उदाहरण पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज का है। दक्षिण पंजाब के छह जिले बाढ़ में डूबे हुए हैं, सैकड़ों परिवार बेघर हो गए, 178 लोगों की जान चली गई। ऐसे में मरियम नवाज राहत कैंपों में नहीं, बल्कि हांगकांग में शॉपिंग करती दिखीं। ये तस्वीर पाकिस्तान की राजनीतिक वंशवाद की असलियत को उजागर करती है। मरियम न तो वास्तविक वोटों से आई हैं और न ही वह उन लोगों के प्रति कोई जवाबदेही दिखाती हैं जिनका वह प्रतिनिधित्व करने का दावा करती हैं। यही कारण है कि ऐसे नेता पाकिस्तानी जनता के दुख-दर्द से बेखबर रहते हैं।

जनरल आसिम मुनीर के विदेशी लग्जरी दौरों से लेकर मंत्रियों और अफसरों की हवेलियों और विदेशी संपत्तियों तक पाकिस्तान का हर हुक्मरान इस दौड़ में लगा है कि कौन सबसे ज्यादा ऐश करेगा। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्री, कमिश्नर, डिप्टी कमिश्नर सब महलों जैसे सरकारी बंगलों में रहते हैं। उनके पास लग्जरी गाड़ियों के काफिले और नौकर-चाकर की फौज होती है। उनके बिजली-पानी-गैस के बिल जनता के टैक्स से चुकाए जाते हैं। वहीं गरीबों की बिजली कुछ हजार का बिल न देने पर काट दी जाती है। गांवों में लोग घंटों लोडशेडिंग झेलते हैं जबकि वीआईपी लोग सालभर एयरकंडीशंड माहौल में रहते हैं। इस्लामाबाद से लेकर लाहौर और कराची तक, पाकिस्तान के नेता और अफसर शाही ठाठ-बाट को अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं। महंगे इंपोर्टेड सूट, लग्जरी घड़ियां, विदेश यात्राएं और करोड़ों की शॉपिंग- ये सब वहां के वीआईपी परिवारों की दिनचर्या है। राजनेताओं और नौकरशाहों के परिवार वीवीआईपी उपचार का आनंद लेते हैं, जिसमें गार्ड, आधिकारिक कारें और मुफ्त उपयोगिताएं शामिल हैं। वहीं आम पाकिस्तानी महंगाई, बेरोजगारी, टूटी शिक्षा व्यवस्था और खराब स्वास्थ्य सेवाओं से जूझ रहा है।बाढ़ पीड़ित बिना सहायता के मर जाते हैं, फिर भी मरियम नवाज विदेश में शॉपिंग करती हैं। नौकरशाह अरबों रुपये विदेश में भेजते हैं, फिर भी गरीबों को बकाया बिलों के लिए परेशान किया जाता है। सेना के अफर विदेश यात्राओं और ब्रांडेड सूट का आनंद लेते हैं, फिर भी साधारण पाकिस्तानी दो वक्त का खाना भी नहीं जुटा पाते। यह शासन नहीं है, यह धोखा है। पाकिस्तान के अमीर देश को अपने निजी एटीएम की तरह मानते हैं जबकि इसके लोग चुपचाप पीड़ित होते हैं। जब तक शीर्ष सत्ता के गलियारों में जवाबदेही नहीं आती, पाकिस्तान एक ऐसा देश बना रहेगा जहां शासक राजा की तरह रहते हैं, और लोग गुलामों की तरह।

बलोचिस्तान में बीएलए के हमलों में पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के आठ जवान मारे गए

क्वेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने हाल के दिनों में बलोचिस्तान के कई जिलों में हुए आठ हमलों की जिम्मेदारी ली है। बीएलए ने कहा है कि इन हमलों में पाकिस्तान सुरक्षा बलों के कम से कम आठ जवान मारे गए। विस्फोट कर सुरक्षा बलों के अनेक वाहन उड़ा दिए गए। खबर के अनुसार, बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने कहा कि ये हमले पंजगुर, कच्ची, क्वेटा, जीवानी, खरान, बुलेदा और दलबंदिन में किए। बलोच लिबरेशन आर्मी के लड़ाकों ने सुरक्षा बलों की टुकड़ियों, पुलिस दल और वाहनों पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), ग्रेनेड और बमों का इस्तेमाल किया। बीएलए ने कहा कि पंजगुर जिले के पारोम इलाके में गुरुवार को एक चौकी से रवाना होते समय सेना के एक वाहन पर रिमोट-नियंत्रित आईईडी से हमला किया, जिसमें छह जवान मारे गए। इस हमले में वाहन पूरी तरह से नष्ट हो गया। इसी तरह कच्छी जिले के कोलपुर इलाके में रेलवे ट्रैक साफ कर रहे एक बम निरोधक दस्ते को निशाना बनाया गया। इसमें एक सैनिक मारा गया। 28 अगस्त को इसी इलाके में एक और हमला किया गया।

अवैध रिश्तों के चक्कर में गई बुजुर्ग की जान, प्रेमिका भी घिरी मुसीबत में

बीजिंग, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

अपने अवैध रिश्तों और रंगीनमिजाजी की वजह से चीन के एक 66 वर्षीय शख्स ने ऐसा कदम उठाया जिसने न सिर्फ उसकी जिंदगी खत्म हो गई, बल्कि उसकी प्रेमिका के लिए भी बड़ी कानूनी मुश्किलें खड़ी कर दीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक शादीशुदा यह बुजुर्ग शख्स अपनी प्रेमिका से चोरी-छिपे मिल रहा था। दोनों की पहचान करीब चार दशक पहले 1980 के दशक में एक फैक्ट्री में काम करने के दौरान हुई थी। लंबे अरसे तक संपर्क टूटने के बाद वर्ष 2023 में एक पार्टी में उनकी दोबारा मुलाकात हुई और तभी से उनका रिश्ता दोबारा नजदीकी में बदल गया।

मुलाकातें बढ़ती गईं और आखिरकार 24 जुलाई को दोनों ने एक होटल में मिलने का फैसला किया। महिला पहले से कमरे में मौजूद थी और शख्स वहां पहुंचा। उन्होंने साथ रात बिताई लेकिन अगली सुबह जब महिला की नींद खुली तो उसका प्रेमी बिस्तर पर बेसुध पड़ा मिला। महिला घबराकर वहां से निकल गई और कुछ देर बाद लौटने पर कमरे का दरवाज़ा नहीं खुला तो होटल स्टाफ को बुलाया। दरवाज़ा खुलने पर पाया गया कि शख्स की मौत हो चुकी थी। तुरंत पुलिस और मेडिकल टीम को बुलाया गया, जिन्होंने मौके पर ही उसकी मौत की पुष्टि की। जब यह खबर परिवार तक पहुंची तो वे गहरे सदमे में थे। उन्हें शख्स की दोहरी जिंदगी के बारे में अंदाजा नहीं था। इसके बाद परिवार ने अदालत का रुख किया और प्रेमिका पर आरोप लगाया कि उसकी वजह से यह हादसा हुआ है। उन्होंने मुआवजे के तौर पर 77 हजार अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 67 लाख रुपये की मांग की। अदालत में सुनवाई के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि शख्स की मौत उसकी पहले से मौजूद बीमारियों और स्वास्थ्य कारणों से हुई थी, न कि प्रेमिका की किसी सीधी वजह से। हालांकि अदालत ने माना कि महिला अगर समय रहते मदद बुला लेती तो शायद उसकी जान बचाई जा सकती थी। इसी आधार पर अदालत ने महिला को आंशिक रूप से जिम्मेदार मानते हुए उस पर 8600 अमेरिकी डॉलर यानी लगभग साढ़े सात लाख रुपये का मुआवजा अदा करने का आदेश सुनाया।

भारत के पीएम मोदी ने टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों से बातचीत की

टोक्यो (जापान)। जापान की दो दिवसीय यात्रा के पूर्ण होने से कुछ समय पहले भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजधानी टोक्यो में जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि राज्य-प्रांत सहयोग भारत-जापान मैत्री का महत्वपूर्ण स्तंभ है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस अवसर का फोटो और संक्षिप्त विवरण अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर साझा किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पोस्ट पर लिखा, टोक्यो में, जापान के 16 प्रांतों के राज्यपालों के साथ बातचीत की। राज्य-प्रांत सहयोग भारत-जापान मैत्री का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। यही कारण है कि कल 15वें वार्षिक भारत-जापान शिखर सम्मेलन के दौरान इस पर एक अलग पहल शुरू की गई। व्यापार, नवाचार, उद्यमिता आदि क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। स्टार्टअप, तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे भविष्योन्मुखी क्षेत्र भी लाभकारी हो सकते हैं। इससे पहले भारत और जापान के नेताओं ने शुक्रवार को आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के साथ रक्षा, ऊर्जा और अन्य क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई। राजधानी टोक्यो में शिखर वार्ता के बाद भारतीय प्रधानमंत्री मोदी और जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने आने वाले दशक में भारत में जापानी निजी निवेश को लगभग 6.8 अरब डॉलर प्रति वर्ष तक बढ़ाने के लक्ष्य पर सहमति व्यक्त की।

गाजा सिटी युद्ध क्षेत्र घोषित किया, इजराइली सेना ने मानवीय मदद देने पर भी लगाई रोक

तेल अवीव, 30 अगस्त (एजेंसियां)।

इजराइली सेना ने गाजा के सबसे बड़े शहर गाजा सिटी को युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है और साथ ही गाजा सिटी में मानवीय मदद के वितरण पर भी रोक लगा दी है। इससे गाजा शहर में रहने वाले हजारों लोगों की परेशानी और बढ़ेगी, जो पहले ही भुखमरी जैसे हालात से जूझ रहे हैं। इजराइली सेना ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि शुक्रवार सुबह 10 बजे से गाजा सिटी में सैन्य गतिविधियों पर स्थानीय सामरिक रोक लागू नहीं रहेगी। इस क्षेत्र को खतरनाक युद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है।

इजराइली सेना का दावा है कि हाल के हफ्तों में गाजा में मानवीय सहायता के प्रवेश और वितरण को सुगम बनाने के लिए गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में इस तरह की रोक लगाई गई है। इजराइली सेना आईडीएफ ने कहा कि गाजा शहर को छोड़कर, बाकी पूरे क्षेत्र में स्थानीय सामरिक रोक लागू रहेगी। आईडीएफ ने कहा कि वे इजराइली नागरिकों की रक्षा के लिए गाजा में आतंकवादी समूहों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाएंगे। माना जा रहा है कि इजराइली सेना गाजा शहर पर कब्जा करने की तैयारी कर रही है, जहां गाजा की अनुमानित 10 लाख की आबादी में से आधी आबादी शरण लिए हुए है।

गाजा में भुखमरी की स्थिति

एक वैश्विक भूख निगरानीकर्ता ने शुक्रवार को कहा कि गाजा शहर और उसके आसपास के इलाके अब आधिकारिक तौर पर अकाल से जूझ रहे हैं। यह आगे और भी फैल सकता है। एकीकृत खाद्य सुरक्षा चरण वर्गीकरण प्रणाली के अनुसार, 5,14,000 लोग अकाल की चपेट में हैं। सितंबर के अंत तक यह संख्या बढ़कर 6,41,000 लोगों तक पहुंच सकती है। हालांकि इजराइल ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया। उसने कहा कि यह निष्कर्ष गलत और पक्षपातपूर्ण हैं। इजराइल का कहना है कि सर्वेक्षण में सिर्फ अधूरी जानकारी ली गई है, जो ज्यादातर हमास से मिली थी, और इसमें यह नहीं बताया गया है कि हाल ही में गाजा में खाद्यान्न भी पहुंचा है।

अमेरिकी संघीय अपील अदालत की अहम टिप्पणी-ट्रंप के ज्यादातर वैश्विक टैरिफ गैरकानूनी

वाशिंगटन (अमेरिका), 30 अगस्त (एजेंसियां)।

अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने शुक्रवार को 7-4 के बहुमत से दिए फैसले में राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के वैश्विक टैरिफ पर अहम टिप्पणी की है। फैसले में कहा गया है, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ज्यादातर वैश्विक टैरिफ गैरकानूनी हैं।

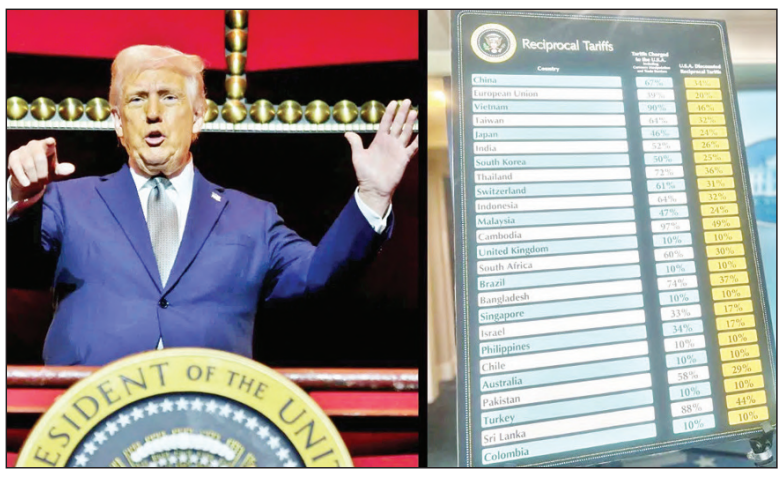

खबर के अनुसार, संघीय सर्किट के लिए अमेरिकी अपील अदालत ने ट्रंप के टैरिफ लागू करने के अधिकार की अधिकतर शक्तियों को खारिज कर दिया। संघीय अदालत ने निचली अदालत से सहमति जताते हुए कहा कि ट्रंप के कदम कानून के विपरीत होने के कारण अमान्य हैं। हालांकि, संघीय अदालत ने अपने फैसले को अक्टूबर के मध्य तक के लिए टाल दिया। इसका मकसद है कि ट्रंप प्रशासन उच्चतम न्यायालय में अपील कर सके। संघीय अदालत ने कहा है कि उच्चतम न्यायालय के आदेश आने तक टैरिफ प्रभावी रहेंगे।

बहुमत के फैसले में लिखा गया, हम इस बात से सहमत हैं कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम आयातों को विनियमित करने के लिए राष्ट्रपति के प्राधिकार कार्यकारी आदेश से लगाए गए टैरिफ को अधिकृत नहीं करता है। हम इस बात की पुष्टि करते हैं। फैसले में अपील अदालत ने यह निर्धारित किया कि केवल कांग्रेस के पास टैरिफ लगाने का अधिकार है।

अपील अदालत के 11 में से सात जजों ने कहा कि यह दुर्लभ रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला कानून ट्रंप को उनके पारस्परिक टैरिफ या कनाडा, मेक्सिको और चीन पर लगाए गए तस्करी टैरिफ को लागू करने का अधिकार नहीं देता है। बहुमत के फैसले में शामिल चार न्यायाधीशों ने यहां तक कहा कि अंतरराष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम आईईईपीए) ट्रंप को कोई भी शुल्क जारी करने का अधिकार नहीं देता। संघीय सर्किट के लिए अमेरिकी अपील न्यायालय ने जुलाई में टैरिफ पर मौखिक दलीलें सुनी थीं।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार शाम अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी। ट्रंप ने अपील अदालत के निर्णय की निंदा की और चेतावनी दी कि टैरिफ पर रोक लगाने वाला न्यायालय का आदेश वास्तव में संयुक्त राज्य अमेरिका को नष्ट कर देगा। यही नहीं ट्रंप ने उच्चतम न्यायालय से यह फैसला देने का आग्रह किया कि उनके (राष्ट्रपति) पास एकतरफा टैरिफ लगाने का अधिकार है। ट्रंप ने लिखा, अब अमेरिका के उच्चतम न्यायालयकी मदद से हम इसका इस्तेमाल अपने राष्ट्र के लाभ के लिए करेंगे और अमेरिका को फिर से समृद्ध, मजबूत और शक्तिशाली बनाएंगे।

बेंगलुरु पहुंचे शुभमन गिल, एशिया कप 2025 से पहले होगा फिटनेस टेस्ट

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान और टी-20 उपकप्तान शुभमन गिल आगामी एशिया कप के लिए दुबई जाने से पहले फिटनेस आकलन और तैयारियों के लिए बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस पहुंचे। भारतीय टीम के सदस्य 9 सितंबर को मेज़बान संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ टूर्नामेंट के अपने पहले मैच से पहले 4 सितंबर को दुबई में एकत्रित होंगे। फ्लू के कारण गिल को पूर्वी क्षेत्र के खिलाफ चल रहे दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल में नहीं खेले थे, जहां उन्हें उत्तरी क्षेत्र का कप्तान बनाया गया था। बेंगलुरु रवाना होने से पहले गिल चंडीगढ़ स्थित अपने घर पर बीमारी से उबर रहे थे। यह संभव है कि गिल बेंगलुरु से दुबई के लिए उड़ान भरें क्योंकि इस बार खिलाड़ी अपने-अपने स्थानों से दुबई अलग-अलग चरणों में पहुंचेंगे, जबकि पहले टीमें मुंबई में इकट्ठा होकर एक साथ यात्रा करती थीं। गिल के अलावा, विकेटकीपर-बल्लेबाज जितेश शर्मा भी टूर्नामेंट से पहले की तैयारियों के लिए बेंगलुरु पहुंच चुके हैं। शार्दुल ठाकुर दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में वेस्ट जोन की कप्तानी करने के लिए तैयार हैं, जबकि जायसवाल और वाशिंगटन, जो एशिया कप के लिए स्टैंडबाय सूची में हैं, घरेलू सीज़न के पहले मैच के आखिरी चार मैचों में भी खेलेंगे।

एशिया कप जाने वाले कुछ अन्य खिलाड़ी जैसे अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा (नॉर्थ जोन) और कुलदीप यादव (सेंटर जोन) पहले ही दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल खेल रहे हैं।

इस बीच, साउथ जोन को दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल (4-7 सितंबर) के लिए नए कप्तान की घोषणा करनी होगी क्योंकि तिलक वर्मा को एशिया कप टीम में शामिल किया गया है।

केरल के मोहम्मद अजहरुद्दीन उप-कप्तान हैं और उन्हें नेतृत्व की भूमिका में पदोन्नत किया जा सकता है, या टीम आर. साई किशोर, देवदत्त पडिक्कल या एन. जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों को चुन सकती है।

मुकेश की चोट का खतरा

ईस्ट जोन को झटका लगा है क्योंकि तेज गेंदबाज मुकेश कुमार दूसरी पारी में गेंदबाजी नहीं कर पाए। बंगाल के इस तेज गेंदबाज ने पहली पारी में अपनी जांघ/कमर की चोट के कारण नौ ओवर बाहर बैठकर गेंदबाजी शुरू की। मुकेश पूर्वी क्षेत्र की पहली पारी में भी बल्लेबाजी करने आए थे। हालांकि, वह दलीप ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल के तीसरे दिन दूसरी पारी में गेंदबाजी के लिए उपलब्ध नहीं थे।

न्यूज ब्रीफ

जाओ फेलिक्स ने किया शानदार डेब्यू हैट्रिक के साथ अल नास्र को दिलाई धमाकेदार जीत

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नास्र ने सऊदी प्रो लीग के नए सीज़न की शुरुआत धमाकेदार

अंदाज़ में की। शुक्रवार को बुरैदा के किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में अल नास्र ने अल तावोन को 5-0 से मात दी। इस मैच में टीम के नए सितारे जाओ फेलिक्स छा गए और अपने लीग डेब्यू पर शानदार हैट्रिक दाग दी। अल नास्र ने नए मैनेजर जॉर्ज जीसस की देखरेख में बदली हुई आक्रमण पंक्ति के साथ मैदान संभाला। रोनाल्डो और सादियो माने के साथ नए साइन किए गए खिलाड़ी जाओ फेलिक्स और किंग्सले कोमन भी मैदान पर उतरे। शुरुआत से ही डेब्यू खिलाड़ियों ने खेल पर अपना रंग जमाया। मैच का पहला गोल सातवें मिनट में फेलिक्स ने अपने बाएँ पैर से खूबसूरत शॉट के जरिए किया। इसके बाद अल नास्र की बढ़त दोगुनी हो गई जब रोनाल्डो ने पेनल्टी स्पॉट से गोल दागा। यह पेनल्टी वलीद अल-अहमद के हैंडबॉल के चलते मिली थी। ठीक एक मिनट बाद कोमन ने शानदार हेडर से तीसरा गोल कर स्कोर 3-0 कर दिया।फेलिक्स ने इसके बाद लंबी दूरी से शानदार शॉट मारकर अपना दूसरा गोल किया और अंत में किस्मत के सहारे तीसरा गोल भी उनके नाम हो गया। एक डिफेंडर को चकमा देते समय उनका शॉट कमजोर लगा, लेकिन गेंद गोल लाइन पार कर गई और रेफरी ने गोल दे दिया। इस बड़ी जीत के साथ अल नास्र अंकतालिका में शीर्ष पर पहुंच गया और टीम ने यह संदेश दे दिया कि वह इस सीजन की खिताबी दौड़ में बड़ा दावेदार होगी।

खालिद जमील के कोचिंग में भारत की विजयी शुरुआत, ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया

हिसोर (ताजिकिस्तान)। भारत की पुरुष फुटबॉल टीम ने अपने नए मुख्य कोच खालिद जमील के कार्यकाल की शानदार शुरुआत करते हुए 2025 सीएएफए नेशंस कप में मेजबान ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया। भारत की ओर से अनवर अली और संदेश झिंगन ने गोल दागे, जबकि ताजिकिस्तान के लिए शाहरोम सामीव ने एकमात्र गोल किया। यह भारत की विदेशी ज़मीन पर लगभग दो साल बाद पहली जीत है। पिछली बार भारत ने नवंबर 2023 में विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत को हराया था। मैच की शुरुआत में ही भारत को बढ़त मिली। पाँचवें मिनट में अनवर अली का हेडर गोललाइन पार कर गया। हालांकि मेजबान खिलाड़ियों ने उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन गेंद पूरी तरह से रेखा पार कर चुकी थी। अनुभवी स्ट्राइकर सुनील छेत्री को टीम से बाहर रखने और मोहन बागान सुपर जाइंट के खिलाड़ियों के उपलब्ध न होने के बावजूद, जमील की रणनीति कारगर साबित हुई। भारत के डिफेंडरों की आक्रामक भागीदारी ने दूसरा गोल दिलाया। अनवर के क्रॉस पर राहुल बेके का हेडर गोलकीपर ने रोका, लेकिन झिंगन ने रीबाउंड पर गेंद को जाल में डाल दिया। दस मिनट बाद सामीव ने गोल कर मेजबान की उम्मीदें जगाईं। दूसरे हाफ में ताजिकिस्तान को बराबरी का मौका मिला, जब रुसतम सोइरोव को बॉक्स में गिरा दिया गया। हालांकि भारत के गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू, जो नवंबर के बाद पहली बार शुरुआती एकादश में लौटे थे, ने शानदार बचाव करते हुए पेनल्टी को विफल किया। भारत अब 1 सितंबर को अपने दूसरे मुकाबले में एशियाई दिग्गज ईरान से भिड़ेगा। इसके बाद तीन सितंबर को टीम का सामना अफगानिस्तान से होगा।

औकिब ने दलीप ट्रॉफी में डबल हैट्रिक लगाकर बनाया रिकार्ड

बेंगलुरु। यहां खेली जा रही दलीप ट्रॉफी में औकिब नबी ने नॉर्थ जोन की ओर से खेलते हुए सेंट्रल जोन के

खिलाफ 4 गेंदों पर चार विकेट लेकर डबल हैट्रिक लगायी है। डबल हैट्रिक तब होती है जब कोई गेंदबाज लगातार चार गेंदों पर चार विकेट गिरा दे। औकिब नबी ने 53वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर लगातार तीन विकेट लेकर हैट्रिक लगायी। इसी के साथ औकिब नबी दलीप ट्रॉफी में हैट्रिक लेने वाले तीसरे गेंदबाज बने है। उनसे पहले साल 1978-79 में कपिल देव ने और 2001 में साईराज बहुतुले ने भी हैट्रिक ली थी। वहीं डबल हैट्रिक लेने वाले वह पहले गेंदबाज बने हैं। इस गेंदबाज ने 10.1 ओवर में कुल 28 रन देकर 5 विकेट लिए। औकिब ने 2019-20 में अपना फर्स्ट क्लास डेब्यू किया था। झारखंड के खिलाफ वह अपने डेब्यू मैच में पांच विकेट लेने में सफल रहे थे। इसके बाद से ही वह आगे बढ़ते रहे हैं। अपने डेब्यू सीजन में इस गेंदबाज ने 7 मैचों में 18.50 की शानदार औसत से 24 विकेट लिए।

श्रीसंत की पत्नी ने थप्पड़ कांड का वीडियो जारी करने के लिए ललित मोदी और क्लार्क को जमकर फटकारा

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेट एस श्रीसंत की पत्नी भुनेश्वरी ने थप्पड़ कांड का वीडियो सोशल मीडिया पर रिलीज करने के लिए पूर्व आईपीएल अध्यक्ष ललित मोदी और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क की कड़ी आलोचना की है। हरभजन सिंह के एक मैच में श्रीसंत को थप्पड़ मारने का ये वीडियों आईपीएल में थप्पड़ कांड के कारण काफी विवादों में रहे। इसी कारण हरभजन को उस सत्र से भी बाहर कर दिया गया था। ये वीडियो 17 साल बाद जारी किये जाने को लेकर भुनेश्वरी भड़की हुई हैं। उनका कहना है कि अब इस वीडियो को जारी करना सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के सिवा कुछ भी नहीं है और इसके लिए ललित मोदी और क्लार्क को शर्म आनी चाहिये। श्रीसंत की पत्नी भुनेश्वरी ने सोशल मीडिया पर लिखा, ललित मोदी और माइकल क्लार्क शर्म करो। आप लोग इंसान भी नहीं हैं कि केवल अपनी सस्ती लोकप्रियता और विचारों के लिए साल 2008 की किसी घटना को घसीट रहे हैं। श्रीसंत और हरभजन दोनों इससे बहुत पहले ही आगे बढ़ चुके हैं। वे अब स्कूल जाने वाले बच्चों के पिता हैं, फिर भी आप उन्हें पुराने मामले याद दिला कर परेशान करने की कोशिश कर रहे हैं। ये बेहद घिनौना, निर्दयी और अमानवीय काम है। ये विवाद तब फिर से शुरू हुआ जब ललित मोदी ने एक कार्यक्रम में क्लार्क के साथा खुलासा किया कि उन्होंने 2008 के विवाद का एक अनदेखा फुटेज अपने पास रखा है। कथित तौर पर स्टेडियम के सुरक्षा कैमरों से ली गई यह क्लिप शो के दौरान चलाई गई थी और कुछ ही देर में इस वीडियो ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। वीडियो में देखने को मिल रहा है जब मैच खत्म होने के बाद मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के खिलाड़ी एक दूसरे से हाथ मिला रहे हैं तभी हरभजन सिंह श्रीसंत को उल्टे हाथ से थप्पण मारते हैं। घटना के तुरंत बाद, श्रीसंत मैदान पर फूट-फूट कर रोने लगे, यह दृश्य प्रसारण कैमरों में कैद हो गया। श्रीलंका के पूर्व कप्तान महेला जयवर्धने और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज इरफान पठान सहित टीम के साथी और विपक्षी खिलाड़ी उन्हें शांत करने दौड़े। इस मामले में हालांकि हरभजन को भी पछताव हुआ और उन्होंने कई बार अपनी गलती के लिए श्रीसंत से माफी मांगी और कहा कि अगर उनके हाथ में होता तो वह जीवन की इस घटना को बदलना चाहते।

बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिपः सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में, पदक पक्का

नई दिल्ली। पेरिस में चल रही बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में भारत की पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने शुक्रवार रात क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की जोड़ी आरोन चिया और वूई यिक सोह को 21-12, 21-19 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। इस जीत के साथ भारतीय जोड़ी ने कम से कम कांस्य पदक पक्का कर लिया है। यह सात्विक-चिराग का विश्व चैंपियनशिप में दूसरा पदक होगा। उन्होंने 2022 में टोक्यो में कांस्य पदक जीता था, जहां सेमीफाइनल में इन्हें इसी मलेशियाई जोड़ी ने हराया था। इस बार उन्होंने उसी हार का बदला चुकता कर दिया। इस जीत के साथ भारत की 2011 से हर विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने की परंपरा भी बरकरार रही।मैच में भारतीय जोड़ी ने शानदार शुरुआत की और पहले गेम में लंबे रैलियों का फायदा उठाते हुए 11-6 की बढ़त बनाई। इसके बाद उन्होंने पहला गेम 21-12 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया। हालांकि मध्यांतर के बाद मलेशियाई जोड़ी ने वापसी की और स्कोर 19-19 पर बराबर कर दिया। लेकिन सात्विक और चिराग ने धैर्य रखते हुए अंतिम दो अंक जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। यह भारतीय जोड़ी की चिया-सोह पर 15 मुकाबलों में चौथी जीत है। अब सेमीफाइनल में सात्विक-चिराग का सामना चीन की जोड़ी ली यू और बो यांग चेन से शनिवार को होगा।

डीपीएल : आचार संहिता के उल्लंघन के लिए 5 क्रिकेटरों पर लगाया भारी जुर्माना

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)।

भारतीय खिलाड़ी नितीश राणा सहित पांच क्रिकेटरों पर शनिवार को साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स और वेस्ट दिल्ली लायंस के बीच दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) मैच में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 30 से 100 प्रतिशत तक जुर्माना लगाया गया है।

शुक्रवार को वेस्ट दिल्ली लायंस के कप्तान नितीश राणा के धमाकेदार शतक की बदौलत टीम ने डीपीएल के दूसरे क्वालीफायर में जगह बना ली। उन्होंने अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए एलिमिनेटर में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स को सात विकेट से हरा दिया। मैच के दौरान ही नितीश राणा और दिग्वेश राठी के बीच विवाद हुआ, जिसमें कई और खिलाड़ियों ने हस्तक्षेप किया। वेस्ट दिल्ली लायंस के कृष यादव को सबसे ज़्यादा सजा मिली है। उन पर मैच के दौरान अश्लील भाषा का प्रयोग करने और आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। डीपीएल के एक बयान में कहा गया है, कृष यादव पर मैच के दौरान विरोधी टीम के खिलाड़ी द्वारा अपशब्दों और खिलाड़ी की ओर बल्ला तानने के बाद अश्लील भाषा का प्रयोग करने के लिए आचार संहिता की धारा 2.3 (स्तर 2) के तहत मैच फीस का 100 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। वहीं, नितीश राणा को धारा 2.6 (लेवल-1) के तहत मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने मैच के दौरान अशोभनीय इशारा किया था। इसके अलावा अमन भारती को धारा 2.3 (लेवल-1) का दोषी पाया गया और उन पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन पर मैच के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का आरोप है। सुमित माथुर पर धारा 2.5 (लेवल-1) के उल्लंघन का मामला दर्ज हुआ और उनकी मैच फीस का 50 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उन्होंने ऐसे शब्दों और इशारों का प्रयोग किया जो भड़काऊ माने गए। इन चारों के अलावा दिग्वेश राठी (साउथ दिल्ली सुपरस्टार) पर खेल की भावना के विपरीत आचरण के लिए अनुच्छेद 2.2 (स्तर 2) के तहत आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 80 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

सीएएफए नेशंस कप में भारत ने ताजिकिस्तान को 2-1 से हराया

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम ने सीएएफए नेशंस कप 2025 फुटबॉल में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत से शुरुआत की है। नये कोच खालिद जमील के मार्गदर्शन में उतरी भारतीय टीम ने अपने पहले ही मैच में ताजिकिस्तान को 2-1 से हरा दिया। भारत की ओर से अनवर अली और संदेश झिंगन ने दूसरा और विजयी गोल किया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने अपनी घरेलू धरती पर दो साल में पहली जीत हासिल की है। भारतीय टीम ने इससे पहले नवंबर 2023 में विश्व कप क्वालीफायर में कुवैत को हराया था। वहीं ताजिकिस्तान की ओर से शाहरोम सामीव ने एकमात्र गोल किया। ताजिकिस्तान फीफा रैंकिंग में भारत से ऊपर है। ऐसे में भारतीय टीम का इस जीत से मनोबल बढ़ा है। इस मैच में भारतीय डिफेंडरों ने अच्छा प्रदर्शन किया। झिंगन, अनवर, भेके और उवैस ने कई बार ताजिकिस्तान के हमलों को विफल किया। गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने अच्छा बचाव किया। अब ग्रुप स्तर पर भारतीय टीम का मुकाबला ईरान से होगा। दोनों टीमें 1 सितंबर को हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में खेलेंगी।

आरसीबी ने भगदड़ पीड़ितों के परिवारों को दी 25-25 लाख की राहत राशि

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने शनिवार को घोषणा की कि वह 4 जून को हुई भगदड़ में जान गंवाने वाले 11 लोगों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की सहायता राशि देगी।

फ्रेंचाइज़ी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 4 जून 2025 को हमारे दिल टूट गए। हमने अपने आरसीबी परिवार के 11 सदस्यों को खो दिया। वे हमारे समुदाय, हमारे शहर और हमारी टीम का हिस्सा थे। उनकी कमी हमेशा महसूस होगी। कोई भी मदद उस जगह को भर नहीं सकती, लेकिन शुरुआती कदम के तौर पर आरसीबी ने प्रत्येक परिवार को 25 लाख दिए हैं। यह केवल आर्थिक मदद नहीं, बल्कि करुणा, एकजुटता और देखभाल का वादा है। आरसीबी ने साथ ही 'आरसीबी केयर्स' पहल की शुरुआत की घोषणा की, जिसके तहत पीड़ितों की स्मृति को सम्मानित करते हुए लंबे समय तक सार्थक कार्य किए जाएंगे।

गौरतलब है कि पंजाब किंग्स को हराकर आरसीबी ने 18 साल बाद आईपीएल खिताब जीता था। इसके अगले दिन एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम और ओपन बस परेड में लाखों प्रशंसक उमड़ पड़े। हालांकि, करीब दो लाख लोगों की भारी भीड़

स्टेडियम की 32,000 की क्षमता पर हावी हो गई, जिससे गेट पर अफरा-तफरी और भगदड़ मच गई। इस दुखद हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हो गए। सभी मृतक 40 वर्ष से कम आयु के थे।

इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने मृतकों के परिवारों के लिए 10 लाख की सरकारी सहायता की घोषणा की थी। वहीं, आरसीबी ने भी शुरुआती तौर पर 11 परिवारों को 10 लाख की आर्थिक मदद देने का वादा किया था।

रैना ने सीएसके की अपनी पसंदीदा टीम बनायी, मुरलीधरन को इम्पैक्ट प्लेयर रखा

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की अपनी पसंदीदा आईपीएल टीम चुनी है। रैना की इस टीम में चार चार विदेशी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं 12वें और इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में दिग्गज श्रीलंकाई स्पिनर मुथैया मुरलीधरन को शामिल किया है। आईपीएल में रैना लंबे समय तक सीएसके की टीम में रहे थे। रैना ने सीएसके की अपनी अंतिम ग्यारह को लेकर कहा, सोचना पड़ेगा। मेरी टीम में मुरली विजय होगा। मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, सुरेश रैना और बद्रीनाथ, बोलिंजर होंगे। उसके बाद शादाब जकाती, रविचंद्रन अश्विन और रवींद्र जडेजा रहेंगे। फिर धोनी भाई, बालाजी और मोहित शर्मा हैं। वहीं, रैना ने लेफ्ट आर्म स्पिनर शादाब जकाती को टीम का एक्स फैक्टर बताया इस क्रिकेटर ने

कहा, मुझे लगता है कि शादाब को जितनी अहमियत मिलनी थी नहीं मिली। उन्होंने साल 2010, 2011 और 2012 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हमने जो क्वालिफाई किया, उसमें जकाती ने अच्छा प्रदर्शन किया। बता दें कि जकाती 2009 से 2012 तक सीएसके का हिस्सा रहे। उन्होंने 50 मैचों में 7.75 के इकॉनमी रेट से 45 विकेट लिए। वह सीएसके के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात लायंस में रहे पर उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले। साल 2017 में इस क्रिकेटर ने अंतिम बार आईपीएल मैच खेला था। रैना की पसंदीदा अंतिम ग्यारह: मुरली विजय, मैथ्यू हेडन, माइकल हसी, सुरेश रैना, सुब्रमण्यम बद्रीनाथ, एल्बी मोर्कल, डग बोलिंजर, शादाब जकाती, रविचंद्रन अश्विन, रवींद्र जडेजा, एमएस धोनी, लक्ष्मीपति बालाजी, मोहित शर्मा।

मदुशंका की हैट्रिक से श्रीलंका ने पहले ही एकदिवीसीय में जिम्बाब्वे को हराया

कोलंबो। दिलशान मदुशंका की शानदार हैट्रिक से श्रीलंका ने पहले ही एकदिवसीय क्रिकेट मैच में जिम्बाब्वे को सात रनों से हरा दिया। इसी के साथ श्रीलंका को दो मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त मिल गयी है। श्रीलंका ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पथुम निसंका के 76, जनित लियानगे ने नाबाद 70 और कामिंडु मेंडिस के 57 रनों की सहायता से 50 ओवर में 6 विकेट पर 298 रन बनाए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे ने अंतिम ओवर तक संघर्ष किया पर वह 8 विकेट पर 291 रन ही बना पायी। अंतिम ओवर में मदुशंका ने लगातार तीन विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी। 299 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और सलामी बल्लेबाज ब्रायन बेनेट और और ब्रेंडन टेलर को शुरुआत में ही खो दिया। उस समय टीम का खाता भी नहीं खुला था। इसके बाद बेन करन और कप्तान शॉन विलियम्स ने तीसरे विकेट के लिए 118 रनों की साझेदारी कर अपनी टीम को संभाला। विलियम्स ने 54 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 57 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सिकंदर रजा ने पारी को संभाला। करन ने 90 गेंदों आठ चौकों की मदद से 70 रन बनाये। वेस्ली मधेवेरे आठ रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद टोनी मुनयोंगा ने सिकंदर रजा के साथ टीम को जीत के करीब पहुंचाया। जिम्बाब्वे को अंतिम ओवर में जीत के लिए 10 रन बनाने थे ऐसे में मदुशंका ने हैट्रिक लगाकर श्रीलंका को जीत दिला दी। उन्होंने पहली गेंद पर सिकंदर रजा को का विकेट लिया। रजा ने 87 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 92 रनों की पारी खेली।

तेल एवं गैस के सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम खेल संस्कृति को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं: हरदीप पुरी

नई दिल्ली,30 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि भारत ने खेलों के लिए अपनी नीतिगत प्राथमिकता और सार्वजनिक निवेश बढ़ाया है। उन्होंने कहा, इस संबंध में भारत के तेल एवं गैस क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों ने अग्रणी भूमिका निभाई है।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि हरदीप सिंह पुरी ने राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) द्वारा दिल्ली सॉकर एसोसिएशन और सुदेवा अकादमी के सहयोग से यहां आयोजित एक कार्यक्रम में ये बात कही।

भारत के खेल क्षेत्र में आए बदलाव पर प्रकाश डालते हुए पुरी ने कहा, 2014 के बाद, भारत को एक खेल राष्ट्र बनाने के लिए ठोस प्रयास किए गए हैं। अब होनहार युवाओं को न केवल वित्त पोषण के मामले में, बल्कि पोषण, खेल विज्ञान और कोचिंग सहित संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास में भी, उच्च स्तरीय सफलता प्राप्त करने के लिए भरपूर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि संसद के पिछले सत्र में जो केवल एक हफ्ते पहले ही संपन्न हुआ है, ऐतिहासिक राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक, 2025 पारित किया गया है, जिसका उद्देश्य खेल महासंघों और निकायों के प्रशासनिक ढांचे में सुधार करना है – जिससे जवाबदेही बढ़ेगी। पीएसपीबी के योगदान को स्वीकार करते हुए पुरी ने कहा, इस परिवर्तन को सुनिश्चित करने में मदद करने वाले कई हितधारकों में, पीएसपीबी का विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए, जो देश में सबसे बड़े खेल संवर्धन निकायों में से एक है, जिसमें 16 सदस्य संगठन शामिल हैं तथा यह 19 खेल विधाओं में प्रतियोगिताओं का समर्थन और आयोजन करता है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा, परिणाम इन परिवर्तनकारी नीतियों की सफलता को दर्शाते हैं। पिछले दस वर्षों ने यह साबित कर दिया है: 2023 एशियाई खेलों और 2024 पैरा एशियाई खेलों में, हमने क्रमश: 107 और 29 पदक (7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य) के रिकॉर्ड हासिल किए।

न्यूज ब्रीफ

रिजर्व बैंक ने बंधन बैंक पर लगाया 44.70 लाख का जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने वैधानिक और नियामकीय निर्देशों के उल्लंघन पर बंधन बैंक पर 44.7 लाख का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई 31 मार्च, 2024 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर किए गए निरीक्षण के बाद की गई। आरबीआई ने बताया कि बैंक ने कुछ कर्मचारियों को अनुचित रूप से कमीशन के रूप में पारिश्रमिक दिया। इसके अलावा बैंक ने खातों के डेटा में 'बैक-एंड' के माध्यम से हस्तक्षेप किया और सिस्टम में उपयोगकर्ताओं के ऑडिट ट्रेल्स/लॉग्स दर्ज नहीं किए, जिससे पारदर्शिता में कमी आई। इन उल्लंघनों के आधार पर बैंक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। जांच और उत्तरों की समीक्षा के बाद जुर्माना लगाया गया।

एफएसएसएआई मानकों पर खरी नहीं उतरने वाली चाय नीलामी से हटेगी : टी बोर्ड

कोलकाता। भारतीय चाय बोर्ड (टी बोर्ड) ने निर्देश जारी किया है कि जो चाय भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मानकों के अनुरूप नहीं है, उसे नीलामी से पहले बाजार से हटा दिया जाएगा। एक परिपत्र के माध्यम से बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि चाय (विपणन) नियंत्रण आदेश, 2003 के तहत कोई भी निर्माता अमानक चाय का उत्पादन नहीं कर सकता। टी बोर्ड ने यह भी निर्देश दिया है कि अमानक चाय की खेप को नष्ट करने के लिए विक्रेता को बोर्ड से संपर्क करना अनिवार्य होगा। इससे पहले, बोर्ड ने निर्देश दिया था कि एक वर्ष में तैयार होने वाली सभी डस्ट-ग्रेड चाय की बिक्री केवल नीलामी के माध्यम से ही की जाए। यह कदम गुणवत्ता, पारदर्शिता और बेहतर मूल्य निर्धारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। इंडियन टी एसोसिएशन (आईटीए) और टी एसोसिएशन ऑफ इंडिया (टीएआई) जैसे व्यापार संगठनों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। टीएआई के अनुसार, उत्तर भारत में कुल चाय उत्पादन का लगभग 20 फीसदी हिस्सा डस्ट ग्रेड चाय का होता है।

जापान भारत में 10 लाख करोड़ येन करेगा निवेश, मोदी ने 'मेक इन इंडिया मेक फॉर द वर्ल्ड' का किया आग्रह

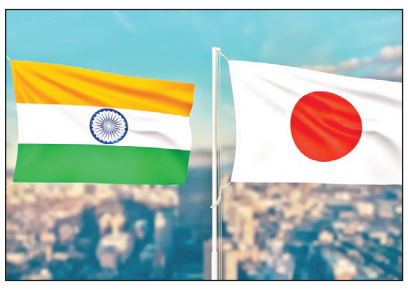

मुंबई। टोक्यो में आयोजित 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन में दोनों देशों ने आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए। जापान ने अगले 10 वर्षों में भारत में 10 लाख करोड़ येन (67 अरब डॉलर) के निवेश का लक्ष्य रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापानी कंपनियों से 'मेक इन इंडिया, मेक फॉर द वर्ल्ड' की अपील की है। दोनों पक्षों ने 13 महत्वपूर्ण समझौतों को अंतिम रूप दिया, जिनमें रक्षा सहयोग को मजबूत करना, भारत में खनन क्षेत्र में जापानी निवेश, सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग, और हाई-स्पीड रेल नेटवर्क के विस्तार के लिए जापानी सहायता शामिल हैं। इसके अलावा, जापान में 50,000 भारतीयों को कुशल और अर्ध-कुशल प्रशिक्षण देने का भी समझौता हुआ है। मोदी ने बताया कि भारत-जापान संबंध केवल केंद्र सरकार तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राज्य और प्रांत स्तर पर भी गहरा सहयोग होगा। हाल ही में आंध्र प्रदेश-तोयामा, तमिलनाडु-एहिमे, उत्तर प्रदेश-यामानाशी और गुजरात-शिजुओका के बीच साझेदारी स्थापित की गई है। दोनों देश छोटे और मध्यम उद्यमों और स्टार्टअप्स के बीच सहयोग को बढ़ावा देंगे। यह पहल व्यापार और तकनीकी नवाचार के लिए नए अवसर पैदा करेगी। जापान का यह निवेश और सेमीकंडक्टर सहयोग ऐसे समय में महत्वपूर्ण है जब भारत अमेरिकी शुल्कों की चुनौतियों से जूझ रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिसरी के अनुसार, पिछले दो वर्षों में भारत-जापान ने 150 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिनका संचयी मूल्य 13 अरब डॉलर है। इस साझेदारी से भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति को मजबूती मिलेगी और दोनों देशों के बीच व्यापारिक तथा सामरिक संबंध और गहरे होंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

सीमावर्ती इलाकों में ...

यह सिर्फ मुस्लिम आबादी बढ़ने की बात नहीं है, बल्कि उस विदेशी तत्व की बात है जो इस बढ़ोतरी में शामिल है और जो चिकन-नेक का गला घोंट रहे हैं। 1951 में पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी 20 प्रतिशत थी। 2011 में यह 27 प्रतिशत पहुंच गई। इसके बाद कोई जनगणना नहीं हुई, लेकिन आकलन है कि आज मुस्लिम आबादी का आंकड़ा 30 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया है। इसके अलावा संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक, बांग्लादेश से आए 10 लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी भी हैं और इन्हें राजनीतिक वजहों से भारतीयों के साथ घुला-मिला दिया गया हैं। इनके पास आधार कार्ड हैं, वोटर आईडी है, यानि अब ये लोग परोक्ष रूप से भारत के नागरिक बन चुके हैं।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वर्ष 1951 में मुसलमान 55 प्रतिशत थे और हिंदू 45 प्रतिशत थे। 2011 आते-आते यहां मुसलमान 66 प्रतिशत हो गए और हिंदू घटकर 33 प्रतिशत रह गए। मालदा जिले में 1951 में मुस्लिम आबादी 37 प्रतिशत थी और हिंदू 62 प्रतिशत थे। लेकिन 2011 में मुस्लिम 51.27 प्रतिशत हो गए और हिंदू 48 प्रतिशत रह गए। इसी तरह उत्तर दिनाजपुर में 1951 में मुस्लिम आबादी 39 प्रतिशत और हिंदू आबादी 60 प्रतिशत थी। लेकिन 2011 में मुस्लिम आबादी 49.92 प्रतिशत पर पहुंच गई और हिंदू भी लगभग 49 प्रतिशत के साथ बराबरी पर रहे। उत्तर 24 परगना में 1951 में मुस्लिम आबादी 19 प्रतिशत और हिंदू 80 प्रतिशत थी। लेकिन 2011 आते-आते मुसलमान 25.82 प्रतिशत और हिंदू 73.46 प्रतिशत रह गए। दक्षिण 24 परगना में 1951 में मुस्लिम आबादी करीब 20 प्रतिशत थी, जो 2011 आते-आते ये बढ़कर 35.57 प्रतिशत हो गई। बीरभूम में 1951 में मुसलमान 22 प्रतिशत और हिंदू 77 प्रतिशत थे। वर्ष 2011 में मुस्लिम 37.06 प्रतिशत हो गए और हिंदू घटकर 62.29 प्रतिशत रह गए। आबादी का यह असंतुलन घुसपैठ से नहीं बढ़ा, तो फिर कैसे बढ़ा?

असम में जनसंख्या के स्वरूप में बड़ा बदलाव देखा जा रहा है, जिसे लेकर राज्य और केंद्र सरकार दोनों ही चिंतित हैं। 2011 की जनगणना के मुताबिक, उस समय असम के 9 जिले मुस्लिम बहुल थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर कम से कम 11 हो गई है। इस बदलाव के पीछे क्या कारण हैं, इसे लेकर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने साफ तौर पर बांग्लादेशी घुसपैठ, मुस्लिम समुदाय की ऊंची जन्म दर और जमीन पर अवैध कब्जों को जिम्मेदार ठहराया है। असम के मुख्यमंत्री सरमा का मानना है कि अगर यही प्रवृत्ति बनी रही तो 2041 तक राज्य में हिंदू और मुस्लिम आबादी का अनुपात बराबरी पर आ सकता है। उन्होंने इस बदलाव को केवल जनसंख्या का मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक संतुलन से जुड़ा एक गंभीर विषय बताया है। असम जैसे सीमावर्ती और सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील राज्य के लिए यह बदलाव कई तरह की चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

जांच में सामने आया है कि सीमावर्ती इलाकों में हो रहे जनसांख्यिकीय और धार्मिक बदलावों के पीछे विदेशी फंडिंग की बड़ी भूमिका है। खासकर यूपी के बलरामपुर में अवैध धर्मांतरण के आरोपी छांगुर पीर का मामला इस साजिश की गहराई को उजागर करता है। छांगुर पीर ने नेपाल के बैंक खातों के जरिए विदेश से बड़ी मात्रा में पैसा मंगवाया और उसका इस्तेमाल सुनियोजित तरीके से धर्मांतरण के लिए किया। जांच में यह भी पाया गया कि क्षेत्र में ईसाई मिशनरियां सक्रिय रूप से दलित और गरीब परिवारों को निशाना बनाकर उनका धर्मांतरण करा रही थीं। इन घटनाओं के बीच एक और गंभीर मामला तब सामने आया जब पाकिस्तान को 100 करोड़ की टेरर फंडिंग का सुराग मिला।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीमावर्ती इलाकों में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलाव और अवैध धार्मिक गतिविधियों के मामलों को बेहद गंभीरता से लिया है। अक्टूबर 2024 में ही नेपाल सीमा से सटे इलाकों में अवैध मदरसों के निर्माण, घुसपैठ की साजिश और मजहबी शिक्षा की आड़ में देशविरोधी गतिविधियों का आधिकारिक खुलासा हुआ था। गृह मंत्रालय ने इस आधार पर उत्तर प्रदेश के सभी सीमावर्ती जिलों के डीएम और एसपी को सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए। बलरामपुर के तत्कालीन जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने भी 2024 में इस पूरे नेटवर्क और विदेशी फंडिंग के संबंध में शासन को एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट भेजी थी। इस रिपोर्ट में उन्होंने कुछ स्थानीय पुलिस अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए थे। लेकिन अफसोस की बात यह है कि उस वक्त उनकी रिपोर्ट दबा दी गई और उन्हें जिले से हटा दिया गया। अब जबकि केंद्र सरकार इस मामले को प्राथमिकता दे रही है, उसी रिपोर्ट को फिर से खंगालकर नए सिरे से जांच शुरू कर दी गई है।

इस पूरे मुद्दे की गंभीरता सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। नेपाल में भी 2021 की जनगणना में हिंदू आबादी में गिरावट दर्ज की गई है, जबकि मुस्लिम और ईसाई आबादी में बढ़ोतरी देखी गई है। चूंकि इन दोनों देशों की सीमाएं खुली हैं और सामाजिक व धार्मिक गतिविधियां आपस में जुड़ी हुई हैं, इसलिए भारत सरकार ने नेपाल से भी सहयोग मांगा है ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थिरता बनाए रखी जा सके और अवैध गतिविधियों पर कड़ा अंकुश लगाया जा सके।

दुनिया बाखबर...

काम करना जरूरी है। जापान के अखबार योमिउरी शिंबुन को दिए एक साक्षात्कार में पीएम मोदी ने कहा कि भारत और चीन के बीच स्थिर पूर्वानुमानित और सौहार्दपूर्ण द्विपक्षीय संबंध क्षेत्रीय और वैश्विक शांति एवं समृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा, विश्व अर्थव्यवस्था में मौजूदा अस्थिरता को देखते हुए दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के रूप में भारत और चीन के लिए विश्व आर्थिक व्यवस्था में स्थिरता लाने के लिए मिलकर काम करना भी जरूरी है। पीएम मोदी की चीन यात्रा चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के एक पखवाड़े से भी कम समय बाद हो रही है। विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ वांग की व्यापक वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने दोनों पक्षों के बीच स्थिर, सहयोगात्मक और दूरदर्शी संबंधों के लिए कई उपायों की घोषणा की थी।

पिछले कुछ महीनों में भारत और चीन ने अपने संबंधों को फिर से स्थापित करने के लिए कई कदम उठाए हैं, जो जून 2020 में गलवान घाटी में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुई घातक झड़पों के बाद गंभीर तनाव में आ गए थे। प्रधानमंत्री ने आखिरी बार जून 2018 में एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन का दौरा किया था। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अक्टूबर 2019 में दूसरे अनौपचारिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत का दौरा किया था। पिछले साल 21 अक्टूबर को हुए एक समझौते के तहत डेमचोक और देपसांग के अंतिम दो टकराव बिंदुओं से सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पूर्वी लद्दाख में गतिरोध प्रभावी रूप से समाप्त हो गया था।

देश को घुसपैठियों ...

उन्होंने दावा किया कि बिहार में कांग्रेस की घुसपैठिया बचाओ यात्रा के साथ राहुल की राजनीति निम्नतम स्तर पर पहुंच गई है। राजभवन की नवनिर्मित इकाई ब्रह्मपुत्र का उद्घाटन करने के बाद शाह ने कहा कि अगर राहुल गांधी में थोड़ी भी शर्म बची है तो उन्हें माफी मांगनी चाहिए। देश उन्हें और उनकी पार्टी को घृणा से देख रहा है। अमित शाह ने डेरगांव स्थित लचित बरफुकन पुलिस अकादमी में स्थापित राष्ट्रीय साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला-उत्तर पूर्व का भी वर्चुअल उद्घाटन किया। उन्होंने आईटीबीपी, एसएसबी और असम राइफल्स की विभिन्न विकास परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें आवास परिसर, बैरक और अस्पताल शामिल हैं। इससे पहले वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने राजभवन के अंदर एक मंदिर में पूजा-अर्चना की, गौ पूजन किया और सिंदूर का पौधा लगाया।

अपने दौरे के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों की रैली को संबोधित करते हुए शाह ने अगले साल मार्च-अप्रैल में होने वाले असम विधानसभा चुनाव के प्रचार का बिगुल फूंका। विपक्षी कांग्रेस की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि असम का प्रतिनिधित्व घुसपैठियों के प्रति सहानुभूति रखने वाले और अतिक्रमण को बढ़ावा देने वाले लोग नहीं कर सकते। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि असम का नेतृत्व ऐसे लोग नहीं कर सकते जो बार-बार पाकिस्तान जाते हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा गोगोई पर उनकी पत्नी के पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से कथित संबंधों को लेकर हमला बोलते रहे हैं। सरमा ने दावा किया था कि गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न ने भारत और पाकिस्तान के बीच 19 बार यात्रा की थी।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर में न सिर्फ शांति स्थापित की है, बल्कि पूरे देश को भी सुरक्षित करने का काम किया है। असम की सबसे बड़ी समस्या घुसपैठियों की थी, जो नाबालिग बच्चियों से शादी कर सामाजिक संतुलन को बिगाड़ रहे थे। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने इस पर सख्त अभियान चलाया और ऐसे लोगों को जेल की सलाखों के पीछे पहुंचाने का काम किया। अब तक 3500 एकड़ चारागाह भूमि, 87,000 एकड़ वन्यजीव अभयारण्य की भूमि, 26,000 एकड़ सरकारी भूमि, और 4500 एकड़ अन्य भूमि घुसपैठियों से मुक्त कराई गई है। इसके अतिरिक्त 1548 एकड़ भूमि को भी मुक्त कराया गया है।

गृह मंत्री ने आगे कहा कि भाजपा सरकार ने लाखों एकड़ भूमि को घुसपैठियों से मुक्त कराया है। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई इस मुहिम का विरोध कर रहे हैं, लेकिन भाजपा सरकार संकल्पबद्ध है कि असम की एक-एक इंच भूमि को घुसपैठियों से मुक्त कराकर असम के युवाओं को उसका अधिकार दिलाया जाएगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कांग्रेस शासनकाल में शंकरदेव और माधवदेव की भूमि पर भी घुसपैठियों ने कब्जा जमा लिया था। भाजपा सरकार ने उस भूमि को भी मुक्त कराकर इन महापुरुषों का सम्मान और पवित्रता को पुनः स्थापित करने का कार्य किया है। अमित शाह ने असम के हजारों जनप्रतिनिधियों से प्रश्न करते हुए कहा कि जब पहलगाम में हमारे यात्रियों पर हमला हुआ था, तो क्या आपको दुख हुआ था या नहीं? जब निर्दोष यात्री मारे गए, तो क्या आपको गुस्सा आया था या नहीं? पहले के जमाने में ऐसे आतंकी हमले होते थे, हमलावर भाग जाते थे और कुछ नहीं होता था। मोदी सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवादियों को उनके घर में घुसकर मार गिराने का काम किया और उनके अड्डों को पूरी तरह समाप्त कर दिया। अनेक उतार-चढ़ाव और हिंसक संघर्षों को झेलते हुए आज उत्तर-पूर्व शांति, विकास और समग्र प्रगति की ओर आगे बढ़ रहा है।

हिंदू मंदिरों का...

कि मंदिर का धन केवल धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए ही इस्तेमाल हो सकता है। इसका इस्तेमाल किसी व्यावसायिक काम के लिए नहीं किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसके तहत पांच हिंदू मंदिरों के धन का इस्तेमाल विवाह के लिए हॉल बनाने में किया जाना था। हाईकोर्ट ने सरकार को चेतावनी दी कि मंदिर की निधि भक्तों और दानदाताओं की आस्था से जुड़ी है, इसे किसी अन्य उद्देश्य के लिए इस्तेमाल करना उनके अधिकारों का उल्लंघन है।

जस्टिस एसएम सुब्रमण्यम और जस्टिस जी अरुल मुरुगन की पीठ ने यह निर्णय सुनाते हुए कहा कि राज्य सरकार का यह आदेश हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती अधिनियम 1959 और उसके नियमों के खिलाफ है। हाईकोर्ट ने साफ किया कि अधिनियम की धारा 66 के अनुसार मंदिर की बची हुई धनराशि को न तो किसी व्यावसायिक गतिविधि में और न ही लाभ कमाने वाली योजनाओं में लगाया जा सकता है। इसका इस्तेमाल केवल धार्मिक कार्यक्रमों, मंदिरों के रखरखाव और भक्तों की सुविधाओं के लिए ही होना चाहिए। याचिकाकर्ता ने दलील दी थी कि मंदिर के धन का उपयोग इस तरह से करना कानून का उल्लंघन है। उन्होंने यह भी बताया कि विवाह हॉल बनाने के लिए न तो कोई भवन योजना ली गई थी और न ही नियमों के तहत आवश्यक प्रक्रिया पूरी की गई थी, इसके बावजूद धनराशि जारी कर दी गई।

दूसरी ओर सरकार की ओर से यह तर्क दिया गया कि हिंदू विवाह धार्मिक गतिविधि है और इस तरह के विवाह हॉल गरीब परिवारों को कम खर्च में विवाह करने की सुविधा देंगे। हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया। कोर्ट ने सरकारी आदेश की समीक्षा करते हुए पाया कि बनाए जा रहे विवाह हॉल मुफ्त में उपलब्ध नहीं थे बल्कि किराए पर दिए जा रहे थे। यानि, यह एक व्यावसायिक गतिविधि थी, न कि कोई दान या धार्मिक सेवा। हाईकोर्ट ने कहा कि मंदिर निधि का उद्देश्य केवल मंदिर और उससे जुड़े धार्मिक कार्यों तक सीमित है। इस धन का उपयोग भक्तों की आस्था से खिलवाड़ किए बिना होना चाहिए। फैसले में हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि मंदिरों में जमा धन, आभूषण और अचल सम्पत्तियां भक्तों और दानदाताओं की ओर से भगवान को अर्पित की जाती हैं। यह सार्वजनिक या सरकारी धन नहीं है, जिसे राज्य अपनी सुविधा से कहीं भी खर्च कर दे।

सरकार की भूमिका केवल मंदिर निधि और सम्पत्तियों के दुरुपयोग को रोकने की है, न कि उन्हें किसी नए काम में लगाने की। अंत में हाईकोर्ट ने यह कहते हुए आदेश को रद्द कर दिया कि राज्य ने न तो नियमों का पालन किया और न ही भवन निर्माण की अनुमति ली। यदि मंदिर निधि का इस तरह इस्तेमाल किया गया तो यह भक्तों के धार्मिक अधिकारों का हनन होगा और मंदिर की पवित्रता पर आघात करेगा। हाईकोर्ट के इस फैसले ने साफ कर दिया है कि मंदिर का धन सिर्फ मंदिर और धार्मिक गतिविधियों के लिए ही है, किसी और उद्देश्य के लिए नहीं।

फिर वोटर लिस्ट...

और सुपौल जिलों में भेजे गए हैं। ये इलाके सीमांचल क्षेत्र में आते हैं, जिनकी सीमाएं खुली हैं। भाजपा जैसे राजनीतिक दलों ने इस इलाके में बांग्लादेशी और रोहिंग्या लोगों के अवैध रूप से बसने का आरोप लगाया है। हालांकि, कुछ पार्टियां इसे शिक्षा की कमी और बाढ़ की वजह से दस्तावेज खोने का मामला बता रही हैं। चुनाव आयोग ने साफ किया है कि बिना सुनवाई के किसी भी वोटर का नाम लिस्ट से नहीं हटाया जाएगा। सभी संदिग्ध लोगों को अपनी बात रखने का मौका मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि इन 3 लाख लोगों में से ज्यादातर का नाम 2003 की वोटर लिस्ट में नहीं था। उनके आधार कार्ड और बाकी दस्तावेजों में भी नाम और पता मेल नहीं खा रहा था।

बिहार में कुल 7.89 करोड़ वोटर थे, जिनमें से पहले चरण की जांच में ही 65 लाख नाम हटा दिए गए। हटाए गए नामों में या तो मर चुके थे, या कहीं और चले गए थे, या फिर एक से ज्यादा जगह पर नाम रजिस्टर्ड थे। चुनाव आयोग ने कहा है कि अब तक 1.98 लाख लोगों ने खुद ही अपना नाम मतदाता सूची से हटाने के लिए आवेदन किया है। मात्र 29879 लोगों ने सूची में नाम जोड़ने की मांग की है। मतदाता सूची प्रारूप प्रकाशित होने के 30 दिन बाद दो राजनीतिक दल को छोड़कर किसी भी राजनीतिक दल की ओर से दावा या आपत्ति नहीं की गई है। चुनाव आयोग ने शनिवार को मतदाता पुनरीक्षण कार्य का डेली बुलेटिन जारी किया। चुनाव आयोग के अनुसार, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया, मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट (लिबरेशन) की ओर से 10 आपत्ति दर्ज करवाई गई है। इनके बीएलए की संख्या 1496 है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद की ओर से 10 आपत्तियां दर्ज करवाई गई है। इनके बीएलए की संख्या 47,506 है।

आयोग के अनुसार, बूथ लेवल एजेंट्स (बीएलए) ने अब तक 25 नाम जोड़ने और 103 नाम हटाने के लिए आवेदन किए हैं। फिलहाल 7.24 करोड़ मतदाताओं में से 99.11 फीसदी लोगों ने अपने दस्तावेज सत्यापन के लिए जमा कर दिए हैं।बिहार की अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित की जाएगी। वहीं सुप्रीम कोर्ट ने आयोग को निर्देश दिया है कि नाम जुड़वाने के लिए आधार कार्ड के अलावा 11 अन्य दस्तावेजों को भी मान्य किया जाए। वहीं, चुनाव आयोग ने शीर्ष अदालत से भरोसा जताने की अपील करते हुए कहा है कि बिहार में विशेष पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता से कराई जा रही है।

भाकपा-माले के राज्य सचिव कुणाल कुणाल ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बहुत बड़ी साजिश रच रहा है। हमलोगों ने अब तक 100 से अधिक आपत्तियां दर्ज करवाई है। लेकिन, रिकॉर्ड में केवल 10 ही दिखाया गया है। पहले दिन ही भोजपुर में 13 आपत्ति किए थे। इसमें 10 नए नाम जोड़ने और 3 कटे हुए नाम पर थे। इसको चुनाव आयोग ने दो ही गिना। अब तक हमने 100 से अधिक दावे आपत्तियां दर्ज कराए। इसमें से महज 10 ही गिना गया।

भूस्खलन में...

भूस्खलन में एक मकान धराशाई हो गया और इसकी चपेट में पूरा परिवार समाप्त हो गया। मरने वालों में पति नजीर अहमद, पत्नी वजीरा बेगम और उनके पांच बच्चे शामिल हैं।

जम्मू कश्मीर पर कुदरती कहर का बरपना जारी है। यहां भी कई लोग मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है।

भारी बारिश की वजह से रियासी जिले में भूस्खलन की घटनाएं भी सामने आई हैं। कई घर पूरी तरह तबाह हो गए हैं और गांवों में अफरा-तफरी का माहौल है। लोग अपने परिवार और बच्चों को लेकर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले रहे हैं। अचानक आई इस आपदा से सैकड़ों परिवार बेघर हो गए हैं। प्रशासन की टीमें लगातार हालात का जायजा ले रही हैं और प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया गया है।

एनडीआरएफ, पुलिस और सेना की टीमों को राहत और बचाव कार्य में लगाया गया है। भारी बारिश और टूटे पुलों की वजह से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कतें जरूर आ रही हैं, लेकिन राहतकर्मी लगातार मलबे में दबे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। कई जगहों पर सड़कें भी ध्वस्त हो गई हैं, जिससे संपर्क व्यवस्था ठप्प हो गई है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे नदियों और भूस्खलन प्रभावित इलाकों के पास न जाएं और सतर्क रहें। जम्मू-कश्मीर के इन दोनों जिलों में फिलहाल आपदा जैसी स्थिति बनी हुई है।

ये ताजा घटनाएं रियासी के कटरा इलाके में वैष्णो देवी मंदिर के पास हुई एक बड़ी त्रासदी के कुछ दिनों बाद हुई हैं, जहां 26 अगस्त को भूस्खलन के बाद कम से कम 35 श्रद्धालुओं की जान चली गई थी और दर्जनों घायल हो गए थे। उसी दिन, जम्मू कश्मीर के एक अन्य जिले डोडा में भी इसी तरह की अचानक आई बाढ़ में चार लोगों की मौत हो गई थी।

आज राधा अष्टमी

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को श्री राधा रानी का जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को राधा अष्टमी के रूप में पूरे श्रद्धा और भक्ति भाव से मनाया जाता है। राधा अष्टमी का पर्व हिंदू धर्म में अत्यंत पावन और श्रद्धा से भरा हुआ दिन माना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि राधा अष्टमी का पर्व इस वर्ष 31 अगस्त को मनाया जाएगा। तिथि की शुरुआत 30 अगस्त को रात 10:46 मिनट पर होगी और समापन 31 अगस्त को रात 12:57 मिनट पर होगा। राधा अष्टमी पर विशेषकर बरसाना और मथुरा-वृंदावन क्षेत्र में भव्य आयोजन होते हैं। भक्तजन इस दिन राधा-कृष्ण की आराधना कर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन विधिपूर्वक पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और सभी प्रकार की बाधाएं दूर होती हैं। श्रद्धालु व्रत रखते हैं, कीर्तन-भजन करते हैं और राधा रानी की विधिपूर्वक पूजा कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। ऐसा माना जाता है कि इस दिन व्रत रखने से जीवन में प्रेम, सौहार्द और सुख-शांति का वास होता है।

राधा अष्टमी का पर्व न केवल आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि जीवन में खुशहाली और रिश्तों की मजबूती का मार्ग भी खोलता है। इस दिन राधा-कृष्ण की सच्चे मन से पूजा करने और दान-पुण्य करने से साधक को मनोवांछित फल प्राप्त होता है।

राधा अष्टमी तिथि

अष्टमी तिथि आरंभ: 30 अगस्त, रात्रि 10:46 बजे से

अष्टमी तिथि समाप्त: 31 अगस्त, देर रात 12:57 बजे तक

उदयातिथि के अनुसार राधा अष्टमी 31 अगस्त को मनाई जाएगी।

राधा अष्टमी शुभ मुहूर्त

पूजा का सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त: 31 अगस्त, प्रातः 11:05 बजे से दोपहर 1:38 बजे तक रहेगा

राधा अष्टमी पर करने योग्य उपाय

इस दिन सुबह स्नान करके राधा-कृष्ण की पूजा करें। कथा और मंत्रजप के साथ गरीबों और जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र तथा धन का दान करें। ऐसा करने से जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है और राधा रानी की कृपा प्राप्त होती है।

शीघ्र विवाह के लिए जपें ये मंत्र

अगर विवाह में बाधा आ रही हो, तो राधा अष्टमी के दिन 'ॐ ह्रीं श्री राधिकायै नमः' मंत्र का जप करना विशेष फलदायी माना गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इससे विवाह में आ रही रुकावटें समाप्त होती हैं और मनचाहा जीवनसाथी प्राप्त होता है। वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाने के लिए इस दिन राधा-कृष्ण की उपासना कर प्रभु को गुलाब, मोरपंख और बांसुरी अर्पित करें। यह उपाय पति-पत्नी के रिश्तों में प्रेम और मधुरता बढ़ाने वाला माना जाता है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

राधा अष्टमी के दिन क्या करें

राधा अष्टमी के दिन सुबह जल्दी उठकर शुद्ध जल से स्नान करें। स्नान के बाद साफ और स्वच्छ कपड़े पहनें ताकि मन और शरीर दोनों पवित्र रहें। तभी व्रत और पूजा का संकल्प लें। पूरे दिन ब्रह्मचर्य नियम का पालन करना अनिवार्य माना जाता है। इसका मतलब है कि आप न केवल शारीरिक रूप से, बल्कि मानसिक रूप से भी संयमित और शुद्ध रहें। इस दिन राधा रानी को केवल ताजी और पवित्र चीज़ें जैसे ताजे फल, दूध, दूध से बने प्रसाद, फूल, इत्यादि ही भोग के रूप में लगाएं। पुरानी या अर्धपकी हुई चीज़ें अर्पित न करें। पूजा के बाद राधा अष्टमी व्रत की कथा का पाठ या श्रवण करें। इससे व्रत की महिमा और धार्मिकता बढ़ती है और मन को आध्यात्मिक शांति मिलती है। व्रत खोलने का समय खास होता है। शुभ मुहूर्त में ही व्रत का पारण करना चाहिए ताकि पूजा का फल पूर्ण रूप से प्राप्त हो। जल्दबाजी न करें और समय का सम्मान करें। व्रत खोलते समय उसी प्रसाद को ग्रहण करें, जिसे पूजा में राधा रानी को भोग लगाया गया था। इससे पूजन की पूर्णता बनी रहती है। व्रत खोलने से पहले जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र, या धन दान करें। इसके अलावा गौ सेवा भी बहुत शुभ मानी जाती है। इससे पुण्य बढ़ता है और व्रत की सफलता सुनिश्चित होती है। पारण करने के बाद घर के बुजुर्गों या वरिष्ठों का आशीर्वाद लेना आवश्यक होता है। उनका आशीर्वाद आपके जीवन में सुख-शांति और समृद्धि लाता है।

राधा अष्टमी व्रत के दिन क्या न करें

पूजा में जो भी भोग राधा रानी को अर्पित किया जाना है, वह पूरी तरह शुद्ध और बिना किसी स्पर्श के होना चाहिए। भोग बनाने के बाद उसे चखना या किसी भी तरह से झूठा करना वर्जित है। व्रत के दिन दिन में सोना धार्मिक दृष्टि से अनुचित माना गया है। इससे व्रत की तपस्या में बाधा आती है और इसका फल कम हो सकता है। इस शुभ दिन शरीर की कटिंग जैसे बाल, नाखून या दाढ़ी काटना वर्जित होता है। इसे अशुद्धता का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इससे बचना चाहिए। इस दिन काले या बहुत गहरे रंग के कपड़े पहनने से परहेज़ करें। राधा रानी को लाल और पीले रंग अत्यंत प्रिय हैं, इसलिए इन्हीं रंगों के वस्त्र पहनना शुभ माना जाता है। पूजा करते समय महिलाओं को बाल बांधकर रखने चाहिए और सिर को चुनरी से ढकना चाहिए। यह श्रद्धा और शुद्धता का प्रतीक होता है। पुरुषों को भी सिर पर रुमाल या कपड़ा रखना चाहिए। राधा अष्टमी की तिथि के दौरान बाल धोना वर्जित माना जाता है। यदि बाल धोने की आवश्यकता हो तो यह कार्य अष्टमी शुरू होने से पहले कर लेना चाहिए।

पूजा सामग्री

पुष्प और फूलों की माला, रोली एवं अक्षत, सुगंध और चंदन, सिंदूर, फल, केसरयुक्त खीर, राधा रानी के वस्त्र और आभूषण, इत्र, देसी घी का दीपक, अभिषेक के लिए पंचामृत

राधा अष्टमी पूजा विधि

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि प्रातः स्नान कर स्वच्छ वस्त्र पहनें। पूजा स्थान पर एक साफ चौकी रखें और उस पर राधा रानी की प्रतिमा या चित्र स्थापित करें। उन्हें सुंदर वस्त्र पहनाकर श्रृंगार करें और षोडशोपचार विधि से पूजन आरंभ करें। राधा रानी के मंत्रों का जाप करें तथा उनकी कथा का पाठ या श्रवण करें। अंत में आरती करें और केसर वाली खीर सहित भोग अर्पित करें।

राधा रानी के 28 नामों का करें जाप

हर मनोकामना होगी पूर्ण, जीवन के दुख होंगे दूर

राधा रानी को कई नामों से जाना जाता है, जिन्हें भक्त प्रेम और भक्ति की देवी मानते हैं। राधा रानी को राधिका, केशवी, लाडली आदि कई नामों से जाना जाता है। इनकी विधि-पूर्वक पूजा करने से जातक को जीवन के कई दुखों से छुटकारा मिल सकता है। वहीं, राधा रानी के 28 नाम ों का जाप करने का भी बहुत खास महत्व होता है। ऐसा करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है और उनकी हर मनोकामना पूरी हो सकती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें राधा रानी के 28 नाम और उनका जाप करने के लाभों के बारे में...

राधा रानी के 28 नाम इस प्रकार हैं

राधा, रासेश्वरी, रम्या, कृष्णमत्राधिदेवता, सर्वाद्या, सर्ववन्द्या, वृंदावनविहारिणी, वृन्दाराधा, रमा, अशेषगोपीमण्डलपूजिता, सत्या, सत्यपरा, सत्यभामा, श्रीकृष्णवल्लभा, वृषभानुसुता, गोपी, मूल प्रकृति, ईश्वरी, गान्धर्वा, राधिका, आरम्या, रुक्मिणी, परमेश्वरी, परात-परतरा, पूर्णा, पूर्णचन्द्रविमानना, भुक्ति मुक्तिप्रदा, भवव्याधि विनाशिनी

राधा रानी के 28 नामों का जाप करने के लाभ

शांत स्थान पर श्रद्धापूर्वक इन मंत्रों का जाप करना बहुत फलदायी माना जाता है। पूर्ण विश्वास और प्रेम के साथ राधा रानी के 28 नामों का जाप करने से जीवन के दुख दूर होने लगते हैं और मानसिक शांति अनुभव होता है। इससे चारों ओर का वातावरण सुखमयी बनने लगता है और जीवन में सकारात्मक बदलाव आने लगते हैं। इन नामों का जाप करने से सारी चिंता दूर होती है और मन को एक अलग प्रकार की शांति का अनुभव होता है। जो भक्त पूरी श्रद्धा के साथ इन 28 नामों का जाप करते है उन पर राधा रानी की विशेष कृपा बनी रहती है और जीवन की बाधाएं भी दूर होने लगती हैं।

मनोकामनाएं होंगी पूर्ण

मान्यता है कि राधा रानी के नामों का जाप प्रेम पूर्वक और शांत वातावरण में बैठकर करने से हर समस्या का समाधान मिल सकता है और जीवन में आने वाली मुश्किलें भी कम होने लगती हैं। इन 28 नामों को नियमित जाप करने से शारीरिक स्वास्थ्य भी बेहतर बना रहता है और जातक की हर मनोकामना पूर्ण हो सकती है। मान्यता है कि राधा रानी के नामों का जाप करने का सबसे उत्तम समय ब्रह्म मुहूर्त में होता है। वहीं, सुबह और शाम के समय ऐसा करना अधिक लाभदायक सिद्ध हो सकता है। वहीं, जीवन में खुशहाली आने लगती है।

इस प्रकार करें राधा रानी के नामों का जाप

राधा रानी के 28 नामों का जाप करने के लिए आप एक आसन पर बैठकर 108 दाने वाली माला का प्रयोग कर सकते हैं। एक पूरा चक्र ऐसा करने से बेहद शुभ लाभ प्राप्त होता है। वहीं, इस दौरान हल्के रंग के कपड़े पहना उत्तम माना गया है। राधा रानी के नामों का जाप करते समय उनका ध्यान करना चाहिए और सभी नाम का जाप करने के बाद प्रार्थना भी जरूर करें। ऐसा करने से जीवन से नकारात्मकता दूर होने लगती है।

राधा अष्टमी पर आधे दिन का व्रत क्यों रखा जाता है?

जानें उपवास का आध्यात्मिक महत्व

हिंदू धर्म में राधा अष्टमी व्रत का अत्यंत महत्व है। इस साल राधा अष्टमी 31 अगस्त 2025, रविवार के दिन मनाई जाएगी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के ठीक 15 दिन बाद राधा अष्टमी यानी राधा रानी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं, राधा अष्टमी के मौके पर आधे दिन का ही व्रत रखा जाता है।

भाद्रपद माह की शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को राधा जी का जन्म हुआ था। शास्त्रों के मुताबिक राधा जी सुबह के समय प्रकट हुई थी, इसलिए राधा अष्टमी का व्रत आधे दिन तक ही रखा जाता है। यह व्रत भगवान श्रीकृष्ण और राधा जी की संयुक्त पूजा के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। मान्यताओं के मुताबिक इस दिन व्रत और पूजन करने से प्रेम, सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है।

राधा अष्टमी व्रत आधे दिन का क्यों रखा जाता है?

पौराणिक कथाओं के मुताबिक राधा जी का जन्म अष्टमी तिथि के अर्धदिवस में हुआ था, इसलिए इस व्रत को अर्धदिवसीय व्रत के नाम से भी जाना जाता है। भक्त सूर्योदय से लेकर दोपहर तक इस दिन उपवास रखते हैं और दोपहर के बाद पूजा अर्चना कर व्रत का पारण करते हैं।

राधा रानी को सबसे भोली और करूणामयी कहा जाता है। राधा जी अपने भक्तों को किसी भी तरह का कष्ट नहीं देती है, इस वजह से राधा अष्टमी का व्रत ब्रह्म मुहूर्त में शुरू होकर दोपहर तक खत्म हो जाता है। इस दिन बच्चों से लेकर बड़ों तक को राधा अष्टमी का व्रत करना चाहिए।

राधा अष्टमी व्रत पूजा विधि

राधा अष्टमी वाले दिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने के बाद व्रत का संकल्प लेना चाहिए।

इस दिन कोशिश करें कि नीले रंग के कपड़े पहनें।

इसके साथ जिन घरों में लड्डू गोपाल और राधा रानी हैं, उन्हें भी नीले रंग के वस्त्र पहनाएं, क्योंकि नीला रंग राधा रानी को प्रिय है।

घर में अगर बाल राधा हैं, तो उन्हें पंचामृत से स्नान कराएं।

राधा रानी के 28 नामों का जाप करना चाहिए।

राधा अष्टमी का व्रत निर्जल और सजल रखना चाहिए।

12 बजे फिर से राधा रानी को पंचामृत से स्नान कराएं।

स्नान कराने के बाद राधा रानी को खीर, पान, हलवा और अरबी की सब्जी का भोग लगाएं।

इसके बाद स्नान कराएं गए पंचमृत को ग्रहण करने के बाद प्रसाद खाएं और व्रत का पारण करें।

राधा अष्टमी व्रत के लाभ

मान्यताओं के मुताबिक एक लाख निर्जला एकादशी व्रत रखने से भी ज्यादा फल एक राधा अष्टमी का व्रत करने से होता है। राधा रानी का नाम और व्रत करने से उनकी कृपा प्राप्त होती है।

पद्म पुराण के ब्रह्मा खंड भाग में राधा अष्टमी व्रत का जिक्र किया गया है। इस खंड में ब्रह्मा जी अपने पुत्र नारद जी से कहते हैं कि, जो भी कृष्ण प्रेम की चाह रखते हैं, उन्हें राधा अष्टमी व्रत जरूर करना चाहिए।

राधा अष्टमी व्रत का महत्व आप इसी बात से लगा सकते हैं कि सुमेरु पर्वत जितना सोना दान करने से जितना फल प्राप्त होता है, उससे भी अधिक पुण्य राधा अष्टमी व्रत करने से होता है।

1000 कन्यादान पूरी विधि-विधान से करने पर जितना फल प्राप्त होता है, उससे अधिक फल राधा अष्टमी व्रत को करने पर मिलता है।

इसके साथ ही सभी पवित्र नदियों के स्नान से जितना फल मिलता है, उतना फल राधा अष्टमी व्रत को करने पर मिलता है।

राधा अष्टमी व्रत के बारे में एक मान्यता ये भी है कि जो कोई भी व्यक्ति गलती से भी इस व्रत को कर लेता है, तो वह अपने कुल समेत भगवत धाम जाने का अधिकारी होता है।

लड्डू गोपाल को इस तरह करें श्रृंगार

लड्डू गोपाल की पूजा में आज लगभग हर घर में की जाती है। उनकी सेवा एक बच्चे की तरह पूजा निष्ठा के साथ की जाती है। हालांकि, कई बार अनजाने में लड्डू गोपाल की पूजा के दौरान कुछ गलतियां हो जाती हैं। ऐसे में आपको शास्त्रों द्वारा बताई गई लड्डू गोपाल की सेवा के नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। वरना आपको उनकी सेवा का पूरा फल प्राप्त नहीं हो पाएगा।

लड्डू गोपाल की सेवा में न करें ये गलती

लड्डू गोपाल की सेवा एक बच्चे की तरह की जाती है इसलिए उन्हें सुबह जल्दी न उठाएं। मौसम के अनुसार, लड्डू गोपाल की सेवा की जाती है।

जैसे सर्दियों के मौसम में उन्हें थोड़ा देर से उठाएं। गर्मियों के समय सोते समय उन्हें गर्मी न लगे इस बात का ख्याल रखें। उन्हें समय से सुलाना भी बेहद जरूरी है।

लड्डू गोपाल को हर जगह लेकर न जाएं। जहां जरुरी हो बस वहीं साथ लेकर जाएं अगर आपको लंबे समय के लिए कहीं जाना पड़ रहा है तो या तो उन्हें साथ लेकर जाएं अगर नहीं लेकर जा सकते तो उनकी सेवा की जिम्मेदारी किसी ओर को देकर जाएं।

रात में सुलाते समय उनके पास पानी जरुर रखें। कई लोग लड्डू गोपाल के पास रात में पानी नहीं रखते हैं। उन्हें सुलाकर उनके पास पानी रखें।

लड्डू गोपाल को सुबह के समय स्नान कराते वक्त पंचामृत का उपयोग करें और शंख में पानी डालकर उन्हें स्नान कराएं। उनके वस्त्र रोजाना बदलें और हो सके तो उन्हें हरे और पीले रंग के वस्त्र अधिक से अधिक पहनाएं।

लड्डू गोपाल को स्नान कराने से पहले उन्हें इत्र लगाएं और फिर वस्त्र पहनाएं, इसके बाद उन्हें आभूषण जैसे पायल, हाथ में कंगन और माला पहनाएं। श्रृंगार पूरा होने के बाद लड्डू दोपाल के हाथों में मुरली जरूर दें। पूरा श्रृंगार होने के बाद मोर पंख लगाएं।

लड्डू गोपाल की सेवा जो लोग करते हैं उन्हें बेहद जरुरी है कि आप तीन समय उन्हें भोग लगाएं। भोग लगाते समय तुलसी के पत्ते जरूर अर्पित करें।

रात में लड्डू गोपाल को शयन कराते समय पहले उनके कपड़े बदलें इसके बाद ही सुलाएं।

लड्डू गोपाल की सेवा करते समय इन नियमों का पालन करना बेहद जरुरी है। तभी आपको उनकी सेवा का पूरा फल मिलेगा।

राधा अष्टमी पर घर लाएं ये तीन पवित्र वस्तुएं

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान श्रीकृष्ण की प्रेम संगिनी राधा रानी का जन्म भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि को हुआ था, जोकि इस साल रविवार, 31 अगस्त 2025 को पड़ रही है। इस दिन राधा रानी की पूजा अर्चना की जाती है।

बता दें कि भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि की शुरुआत 30 अगस्त रात 10 बजकर 46 मिनट पर होगी और 1 सितंबर को सुबह 12।57 तक रहेगी। 31 अगस्त को सुबह 11:05 से 1:38 तक का समय पूजा के लिए शुभ रहेगा।

राधा रानी के जन्म दिन को हर साल राधा अष्टमी या राधा जयंती के रूप मे मनाया जाता है। इस दिन राधा जी की पूजा पाठ करने के साथ ही कुछ शुभ चीजों को घर पर लाना चाहिए। इन पवित्र चीजों को घर पर लाने से सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और धन की कमी दूर होती है।

बांसुरी- श्रीकृष्ण हमेशा बांसुरी बजाते थे, जिसकी धुन किशोरी जी को बहुत पसंद थी। इसलिए राधा अष्टमी के दिन घर पर बांसुरी लाना शुभ माना जाता है। श्रीकृष्ण के प्रतीक बांसुरी को घर पर रखने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है।

कंबद का पौधा- राधा अष्टमी के दिन घर पर कंबद का पौधा लाभा भी शुभ होता है। ऐसी मान्यता है कि, इसी वृक्ष की डालियों पर बैठकर कान्हा बंसी (बांसुरी) बजाया करते थे। इसलिए राधाष्टमी के दिन कंबद का पौधा लाकर घर पर इसका रोपण करें। इससे सुख-समृद्धि और शोभा में वृद्धि होती है। इसे आप घर के आंगन या बालकनी कहीं भी रख सकते हैं।

मोरपंख- भगवान कृष्ण ने मोरपंख को अपने माथे पर सुशोभित किया है। साथ यह राधा रानी को भी अतिप्रिय है। राधा अष्टमी पर श्रीकृष्ण से जुड़ी इन चीजों को लाने से राधा-कृष्ण की कृपा परिवार पर बरसती है।

अंकिता लोखंडे को ट्रेडिशनल लुक में देख फैंस को याद आईं मधुबाला

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे सिर्फ अपनी एक्टिंग के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। अंकिता ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इसके बाद फैंस ने उनकी तुलना गुजरे जमाने की मशहूर अदाकारा मधुबाला से कर डाली।टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' फेम अंकिता लोखंडे ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। वह 'सी-ग्रीन' कलर की साड़ी के साथ के साथ मैचिंग ब्लाउज कैरी किया है। अपने लुक को और आकर्षक बनाने के लिए उन्होंने राउंड इयररिंग्स, नेकलेस, मल्टीकलर की चूड़ी और मांग में सिंदूर लगाया हुआ है।

पोस्ट में अभिनेत्री का स्टाइलिश लुक और दिलकश अदाएं फैंस को काफी लुभा रही हैं। अंकिता लोखंडे कभी चेयर पर बैठकर तो कभी दीवार से सटकर हैंडबैग के साथ कैमरे के सामने पोज देती नजर आईं। अंकिता ने कैप्शन में लिखा, वह समय से परे है। वह अपने पूर्वजों की गूंज, माताओं की दुआ और आने वाली बेटियों का वादा है।अभिनेत्री का यह पोस्ट फैंस के दिल को भा गया है। वे उन्हें 'क्वीन', 'गॉर्जियस', और 'अप्सरा' जैसे शब्दों से उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे।एक यूजर ने लिखा, मधुबाला तो दूसरे ने लिखा, सिर्फ बिंदी नहीं, आपका खूबसूरत चेहरा और यह साड़ी, इतनी प्यारी लग रही है, क्या ही बोलूं।

एक और यूजर ने लिखा, आप साड़ी में बेहद खूबसूरत लग रही हैं। एक ने लिखा, आप कितनी सुंदर लग रही हो।अंकिता लोखंडे ने टीवी सीरियल 'पवित्र रिश्ता' में अर्चना मनोहर देशमुख नाम का किरदार निभाया था और उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई थी। उनके साथ मुख्य भूमिका में सुशांत सिंह राजपूत थे। छोटे पर्दे के अलावा अंकिता 'मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी', 'बागी 3', द लास्ट कॉफी और 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में काम चुकी हैं। मणिकर्णिका से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा था। फिल्म में उनके किरदार का नाम झलकारी बाई था। वहीं स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर पर आधारित फिल्म 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' में उन्होंने यमुना बेई सावरकर के नाम का किरदार निभाया था।

तुम सिर्फ दोस्त नहीं, परिवार हो, जन्नत के 24वें जन्मदिन पर शिवांगी जोशी का प्यार भरा पोस्ट

टीवी इंडस्ट्री की मशहूर और चहेती एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपनी बेहद करीबी दोस्त, एक्ट्रेस और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर जन्नत जुबैर के 24वें जन्मदिन पर सोशल मीडिया के जरिए एक खास तोहफा दिया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक खूबसूरत पोस्ट साझा किया, जिसमें दोनों की साथ में बिताए गए पलों की झलक दिखती है। इंस्टाग्राम पर साझा की गई पोस्ट में एक प्यारी सी फोटो के साथ-साथ कई वीडियो भी हैं, जिनमें शिवांगी और जन्नत एक-दूसरे के साथ हंसी-मजाक करती, मस्ती करती और बेहतरीन पल गुजारती नजर आ रही हैं। इन वीडियो क्लिप्स में कभी वह ट्रैवलिंग करती दिख रही है, तो कभी डांस करती हुई नजर आ रही हैं।

शिवांगी जोशी ने इस पोस्ट के साथ दिल को छू लेने वाला कैप्शन लिखा। उन्होंने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मेरी जान... तुम सिर्फ मेरी सबसे अच्छी दोस्त नहीं हो, तुम मेरा परिवार हो। मेरी सुरक्षित जगह, मेरी साथी, जिंदगी भर साथ रहने वाली इंसान हो।

शिवांगी ने आगे कहा कि उनके बीच की समझदारी इतनी गहरी है कि बिना कुछ कहे भी एक-दूसरे को समझ जाती हैं। उन्होंने लिखा कि जन्नत के साथ जीवन और भी खूबसूरत और गर्मजोशी भरा लगता है। उसके साथ जो सफर तय किया है, और जो छोटी-छोटी यादें उन्होंने साथ में बनाई हैं, वो उनके दिल के बेहद करीब हैं।

उन्होंने कहा, तुम वही इंसान हो जिसके साथ मैं पूरी तरह खुद बन सकती हूं... हंसी में, आंसुओं में, खामोशी में, और उथल-पुथल में और फिर भी सब कुछ बिल्कुल सही लगता है, क्योंकि वो 'हम' होते हैं। मैं तुमसे बेइंतहा प्यार करती हूं, पूरे दिल से और हमेशा तुम्हारे साथ और तुम्हारे लिए रहूंगी, चाहे जिंदगी में कुछ भी आए।

इसके बाद शिवांगी ने जन्नत को धन्यवाद दिया, उसके प्यार, देखभाल, पागलपन, गर्मजोशी और सुकून के लिए, जो उसने शिवांगी की जिंदगी में भरा है। इस पोस्ट के आखिर में शिवांगी ने जन्नत को ढेर सारी दुआएं और शुभकामनाएं देते हुए लिखा, तुम्हारे इस खास दिन पर, मैं बस यही दुआ करती हूं कि तुम्हें दुनिया की सारी खुशियां मिलें, तुम्हें ढेर सारा प्यार मिले, और जिंदगी की सारी अच्छी चीजें तुम्हारे कदम चूमें। तुम वाकई में इस सबकी हकदार हो। जन्मदिन मुबारक हो, मेरी बेस्ट फ्रेंड।

श्रीदेवी के गाने ना जाने कहां से आई है पर डांस करती नजर आईं दिव्या खोसला

बॉलीवुड की पहली फीमेल सुपरस्टार श्रीदेवी ने अपने शानदार अभिनय से फिल्म इंडस्ट्री में एक अअलग पहचान बनाई थी। भले हीं वह अब इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनकी यादें और उनकी कला आज भी दर्शकों के दिलों में बसी हुई है। हर साल 13 अगस्त को उनकी जयंती मनाई जाती है, इस दिन उनके चाहने वाले उन्हें याद करते हैं। इसी कड़ी में

अभिनेत्री, मॉडल, निर्माता और निर्देशक दिव्या खोसला ने श्रीदेवी को एक खास तरीके से श्रद्धांजलि दी है। दिव्या ने श्रीदेवी की जयंती पर एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया है। यह वीडियो 'एक चतुर नार' के सेट पर शूट किया गया है। इसमें वह एक आम महिला के रूप में दिख रही हैं और पोछा लगाते हुए श्रीदेवी के सुपरहिट गाने 'ना जाने कहां से आई है' पर जोरदार डांस करती नजर आ रही हैं। यह गाना श्रीदेवी की फिल्म 'चालबाज' का आइकॉनिक नंबर है, जो आज भी लोगों की जुबां पर है। इस वीडियो के साथ दिव्या ने कैप्शन में लिखा, ''श्रीदेवी मैम हमेशा से मेरी प्रेरणा रही हैं। उनका जादू आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है और उनकी यादें हमेशा हमारे बीच ताजा रहेंगी। उनके इस वीडियो पर फैंस का उत्साह और प्यार देखने को मिल रहा है।एक फैन ने कहा, आपने श्रीदेवी के गाने पर कमाल का डांस किया है।दूसरे फैन ने कहा, आपका डांस देखकर श्रीदेवी की याद आ गई।'' अन्य फैंस ने कमेंट्स के जरिए श्रीदेवी को श्रद्धांजलि दी।

वर्कफ्रंट की बात करें तो दिव्या खोसला जल्द ही नील नितिन मुकेश के साथ फिल्म 'एक चतुर नार' में नजर आएंगी। इस फिल्म का फर्स्ट पोस्टर जारी हो चुका है, जिसमें दोनों एक टेबल के पास खड़े दिख रहे हैं। टेबल पर कुछ सब्जियां रखी हुई हैं। दिव्या गाजर को चाकू से काटते हुए कैमरे की तरफ देख रही हैं।

राशि खन्ना ने अपनी वर्कआउट रूटीन की दिखाई झलक

क्या आपने कभी हवाई जहाज़ या काम के बाद अकड़न महसूस की है? राशि खन्ना ने अपने पसंदीदा स्ट्रेचिंग तरीके बता रही हैं। मैं अपनी पसंदीदा स्ट्रेचिंग रूटीन बता रही हूँ, खास कर उनके लिए जो हवाई जहाज़, डेस्क या ट्रैफ़िक में बहुत ज़्यादा समय बिताते हैं। राशि खन्ना का स्ट्रेचिंग रूटीन आपका इंतज़ार कर रहा है। शूटिंग, सफ़र और लंबे समय तक काम से भरे व्यस्त शेड्यूल को संभालना आसान नहीं होता, लेकिन पैन-इंडिया स्टार राशि खन्ना हमेशा अपनी फिटनेस को प्राथमिकता देती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने फैंस को अपनी वर्कआउट रूटीन की झलक दी, जिसमें उन्होंने कुछ आसान लेकिन असरदार स्ट्रेचेस दिखाए हैं जो लंबे समय तक बैठने से होने वाले तनाव और जकड़न को कम करने में मदद करते हैं - फिर चाहे वो हवाई जहाज़ में हो, ऑफिस डेस्क पर हो या ट्रैफिक में फंसे हों।

उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं अपने पसंदीदा स्ट्रेच उन लोगों के लिए साझा कर रही हूँ जो प्लेन में (मेरी तरह!) डेस्क पर या ट्रैफ़िक में बहुत ज़्यादा समय बिताते हैं। कृपया इसे घर पर आज़माएँ! इसके साथ ही उन्होंने अपने फॉलोअर्स को प्रेरित किया कि चाहे जीवन कितना भी व्यस्त क्यों न हो, सेहत को हमेशा प्राथमिकता दें।

स्टाइलिश वर्कआउट पोशाक में, राशि अपने ट्रेनर के देखरेख में फ़्लोर स्ट्रेच का अभ्यास करती नज़र आईं, उन्होंने यह याद दिलाया कि डेली लाइफ में गतिशीलता और लचीलापन कितना आवश्यक है। उनका संदेश स्पष्ट था कि फिटनेस जटिल नहीं है, यह बिना किसी बहाने के नियमितता और आत्म-देखभाल के बारे में है। जहाँ एक ओर वह अपने फॉलोअर्स को सेहत पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करती हैं, वहीं राशि खुद अपने करियर के एक रोमांचक दौर से गुज़र रही हैं। '120 बहादुर' उनकी आगामी फिल्मों की लाइनअप की शुरुआत है, जो उनके स्पष्ट विजन और पैन-इंडिया अपील को दर्शाती है।

वह अगली बार पवन कल्याण के साथ तेलुगु एक्शन-ड्रामा उस्ताद भगत सिंह में नज़र आएंगी, और उसके बाद विक्रांत मैसी के साथ तलाखों में एक में नज़र आएंगी-एक ऐसी फ़िल्म जो सामाजिक रूप से प्रासंगिक विषयों पर केंद्रित है। इसके अलावा राशी जल्द ही लोकप्रिय ओटीटी थ्रिलर 'फर्जी' के दूसरे सीज़न में भी वापसी करेंगी, जिसकी शूटिंग इस दिसंबर से शुरू होने जा रही है।

अक्षरा सिंह ने जिम में बहाया पसीना, कहा

अपनी सीमाएं तोड़ने का मजा ही अलग है

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस अक्षरा सिंह अपनी एक्टिंग और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ अपनी जिंदगी से जुड़े अपडेट्स साझा करती हैं। हाल ही में अक्षरा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह जिम में मेहनत करती नजर आ रही हैं, ताकि फिट रह सके।

वीडियो में अक्षरा सिंह कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और फ्लेक्सिबिलिटी एक्सरसाइज करती नजर आ रही हैं। साथ ही, वे बैटल रोप, स्क्वैट्स, लंज, पुश-अप्स, बेंच प्रेस और डेडलिफ्ट जैसे एक्सरसाइज भी करती दिख रही हैं। उन्होंने वीडियो के बैकग्राउंड म्यूजिक के लिए 'बवाल' गाना चुना है, जो एनर्जी से भरपूर सॉन्ग है।

इस वीडियो को पोस्ट करते हुए अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, ''अपनी लिमिट्स तोड़ने का मजा ही अलग है।'' इसके आगे उन्होंने फायर इमोजी का इस्तेमाल किया।

इसके अलावा, अक्षरा ने गुरुवार की सुबह एक और पोस्ट साझा किया था, जिसमें वह शूट के लिए तैयार होती नजर आईं। इस पोस्ट में वह अलग-अलग पोज देती हुई दिख रही हैं और उन्होंने अपने बालों को लाइट कर्ली स्टाइल दिया हुआ है, जो उनके लुक को और भी सुंदर बना रहा है। इस पोस्ट में एक फोटो ऐसी भी थी, जिसमें उनके हाथ में ड्रिप लगी हुई दिख रही थी।

इस पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा, थोड़ा दर्द, थोड़ा ग्लैम... और शूट के लिए फुल ऑन तैयार!

उनके जिम वर्कआउट वीडियो और शूट के लिए रेडी होने वाली तस्वीरों पर फैंस अपनी खूब प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

एक फैन ने वीडियो पोस्ट के कमेंट में लिखा, ''आपने यह दिखा दिया कि खूबसूरती के साथ-साथ फिटनेस भी बहुत जरूरी है।''वहीं एक और फैन ने तस्वीरों के पोस्ट के कमेंट में लिखा, हाथ में ड्रिप है, लेकिन फिर भी शूट कर रही हो... आपकी लगन और मेहनत को सलाम।

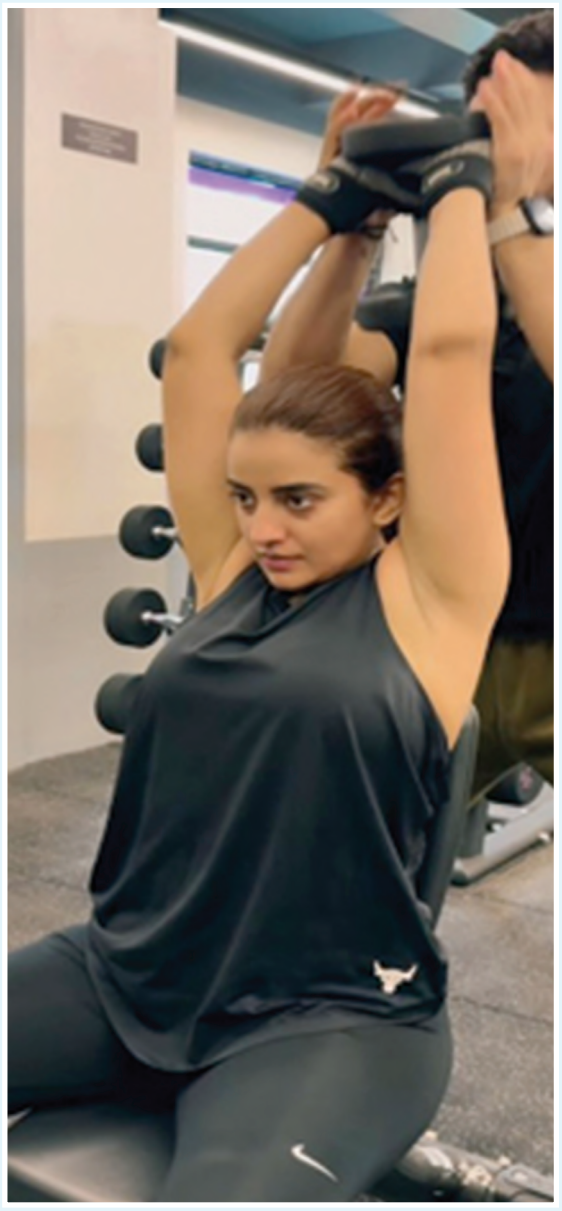

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आप की नासमझी और बडो के प्रति गलत व्यवहार परिवारिक के माहौल को बिगाड़ सकता हैं . यह स्थिति आपको तनावग्रस्त कर सकती है. आज कार्य स्थल पर सहकर्मियों से टकराव होने का खतरा है. घरेलू मोर्चे से निपटने के लिए संयमित रहने की जरुरत हैं वित्तीय व्यवहार और निवेश के साथ अधिक सतर्क और सावधान रहें क्योंकि दिन ज्यादा अनुकूल नहीं है, कमाई घट सकती है और धन अवरुद्ध हो सकता है.कर्ज लेने से बचें। धार्मिक ग्रंथ का स्वाध्याय करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज काम बनता हुआ दिख रहा हैं। रुका हुआ सोचा हुआ काम पूरा हो जायेगा , छात्रों के लिए समय अच्छा है इस समय मे किया हुआ कार्य उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा. आपकी सेहत बेहतर बनी रहेगी , आप की जान-पहचान किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको काफी लाभ मिलेगा. कारोबार में कुछ लोग मददगार साबित होंगे. आपको कोई महत्वपूर्ण काम मिल सकता है. सामाजिक क्षेत्र में आपकी सराहना होगी. शिवलिंग पर केशर मिश्रित दूध चढाए ।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप के रुके हुए काम मे परिवार का सहयोग मिलेगा. कार्यस्थल पर सोच-समझकर बोलें. उन्नति के रास्ते खुलेंगे. बिजनेस में फायदा होने के योग बन रहे हैं. घर में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीद सकते हैं. अपनी सोच सकारात्मक रखें. विश्वसनीय व्यक्ति का सहयोग भी मिल सकता है.आपकी भावनाओं का सम्मान होगा. दाम्पत्यजीवन सुखमय हैं स्वास्थ्य का देखभाल करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह कुछ ऐसा वाद विवाद होगा जिससे पारिवारिक सदस्यो का मन विचलित हो सकता है. आप को सामाजिक प्रतिष्ठा मिलेगी. व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि के योग हैं. उत्साह बना रहेगा. काम में मन लगेगा. नया काम मिलेगा. प्यार के लिए समय बेहतरीन है. नई जगह निवेश करने के लिए आप उत्सुक रहेंगे. कार्यक्षेत्र में पदोन्नति के योग बन रहे हैं. बिजनेस में धन लाभ के योग बन रहे हैं. आज प्रेमी और जीवनसाथी ही आपकी बड़ी ताकत होगा. छोटे बालक को दूध की सेवा करें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप का भाग्य प्रबल हैं आप प्रभावशाली लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे. आप एक नई साझेदारी में प्रवेश कर सकते हैं और अपने लाभ को बढ़ा सकते हैं. अगर आप काम के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो अपने प्रयासों को आगे बढ़ाएं. वित्तीय मामले आसानी से आगे बढ़ेंगे. प्रतिद्वंद्वी गतिविधि आपको नुकसान नहीं पहुंचाएगी. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप अपने परिवार के सदस्यों के साथ किसी धार्मिक पर जा सकते हैं मानसिक शांति के लिए आप को परिवार के साथ धर्म युक्त यात्रा करनी होगी ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

समय आज अनुकूल हैं आज आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा. छात्रो का शिक्षकों के साथ करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर भी सामने आएंगे संतान पक्ष की ओर से आपको सुख की प्राप्ति होगी. अपने कार्यों में संतान से पूरी मदद मिलेगी. आप-को पैसे कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे. किसी खास व्यक्ति से कामकाज के मामले में आपको कुछ नए आइडिया मिल सकते हैं. शाम को बच्चों के साथ पार्क में घूमने जायेंगे गाय को गेहूँ का भूसा खिलाए ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

शिवलिंग पर दूध चढाए एवं पंचाक्षर मंत्र का जप आप को कर्ज से छुटकारा मिल सकता है. अपने काम पर पूरी नजरे रखें. अधिकारियों से सहयोग मिलेगा. आज आपके लिए योजना बनाना मेहनत करने से भी ज्यादा कारगर साबित हो सकता है. आपके लिए परिवार, जमीन-जायदाद के मामले, दोस्त और रिश्तेदार बहुत खास हो सकते हैं। कुछ नया और सकारात्मक काम आप को मान प्रतिष्ठा देगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खर्च ज्यादा होगा घरेलू जिम्मेदारियों में धन खर्च होने की संभावना है, कोई महत्वपूर्ण कार्य पूरा होगा जिससे मन प्रसन्न होगा. आप-को परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. पुराने मित्रों के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है.यात्रा पर दही का प्राशन करके ही निकले।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आय का स्रोत बढेगा आर्थिक रूप से यह बहुत अच्छी अवधि है. व्यापारी वर्ग वांछित परिणाम प्राप्त करेंगे और अपने कार्य क्षेत्र में अपने लिए जगह बनाएंगे. सामाजिक लोकप्रियता प्राप्त करने के शुभ संकेत हैं. आपको कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा. परिवार में शादी या बच्चे का जन्म हो सकता है. प्रेम सम्बन्ध मजबूत होंगे. छात्र अच्छा प्रदर्शन करेंगे. शार-ीरिक कष्ट बनेगा ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज काम का बोझ ज्यादा रहेगा सीनियर भी काम का अधिक प्रेशर देंगे पारिवारिक मामलों में आपको भागदौड़ करनी पड़ेगी. ऑफिस में काम धीमी गति से पूरे हो सकते हैं, इससे आपकी परेशानी थोड़ी बढ़ सकती है. आज किसी से भी बेवजह मजाक करने से आपको बचना चाहिए. आप नए काम पर सोच-विचार कर सकते हैं. आप किसी दोस्त से मदद मांग सकते हैं. सेहत ठीक बनी रहेगी. आपके काम में स्थिरता बनी रहेगी.बस हनुमानजी को सिन्दूर तेल चढाए।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज समय नक्षत्र आप के लिए अनुकूल हैं बिजनेस में आत्मनिर्भरता रहेगी. नए लोगों से मुलाकात होगी कामकाज बढ़ेगा. साथ के लोगों से सहयोग मिल सकता है. नए लोगों से भी अच्छे संबंध बनेंगे. बेरोजगार लोगों को रोजगार मिलेगा. आपकी आर्थिक स्थिति में जल्दी ही सुधार लाने में सफल रहेंगे. आपके सोचे हुए काम समय पर पूरे हो जाएंगे. मौसमी बीमारियां भी हो सकती हैं.भोजन पर नियंत्रण रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को परिवार के प्रति जिम्मेदारी पूर्ण रवैया अपनाना पडेगा परिवार के साथ रुखा व्यवहार करने से परेशानी मे आ सकते हैं . यह पारिवारिक शान्ति को भंग कर सकता है.किसी बड़ी समस्या से सामना हो सकता है. दूसरों के बहकावे में न आएं. आय में निश्चितता रहेगी. अपने स्वास्थ्य पर ध्यान दें. निवेश के लिए अच्छा दिन है, लेकिन उचित सलाह से ही निवेश करें. शिक्षा-प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी , शिव मंत्र का जप करें ईष्ट का स्मरण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 अगस्त 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : भाद्रपद, शुक्ल पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 12:59 तक
नक्षत्र : अनुराधा सायं 05:28 तक
योग : वैधृति सायं 03:59 तक
करण : विष्टि प्रातः 11:56 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 06:30 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:31 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:24 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:21 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : श्री राधाअष्टमी,दुर्गा अष्टमी , श्री दधिचि जयंती , श्री महा-लक्ष्मी व्रत आरंभ , गण्डमूल सायं 05:29 से, भद्रा प्रातः 11:55 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
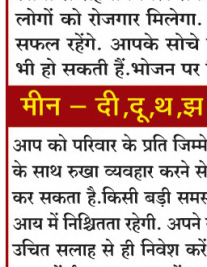
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रदेश में बनाई जाएगी हरियाणा आपदा राहत बल की दो बटालियन: सैनी

चण्डीगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में हरियाणा आपदा राहत बल की दो बटालियन बनाई जाएगी, जो राज्य में किसी भी आपात स्थिति से निपटने और लोगों की सहायता के लिए काम करेगी। इसके अलावा, जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टीटयूट का शिलान्यास जल्द किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यहां अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवाएं तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि फायर सेफ्टी सर्टिफिकेट की रिन्यूअल के लिए एनओसी आवदेन करते ही ऑटोमैटिक मिल जाएगी। लेकिन रिन्यूअल होने के बाद विभाग के अधिकारी 15 दिन में रैन्डम चैक करेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि हर स्तर पर अधिकारियों की जवाबदेही और समय सीमा तय की जाए। साथ ही फायर एनओसी को सीएम डैशबोर्ड के साथ जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री ने फायर विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंडिंग एनओसी रखने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नई तकनीक से लैस 101 मीटर वाली अग्निशमन की दो गाडिया जल्द ही खरीदी जाए। साथ ही हाइड्रोलिक प्लेटफ़ॉर्म की 13 अग्निशमन वाहन, जो विभिन्न मीटर के होगें तथा 250 अग्निशमन वाहन भी खरीदे जाऐंगे, जो ब्लॉक लेवल तक होंगे। इसके अलावा, फायर गाडियों में लगे पानी के पाईप की क्षमता को एक हजार मीटर तक बढाया जाए ताकि भीड़भाड वाले क्षेत्रों में आपदा के दौरान यह काम आ सकेा नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला जींद में बनने वाले फायर एवं डिजास्टर ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट में एनडीआरएफ के मानदंडों के तहत कार्य होगे और भूकम्प, आग, बाढ़ आदि आपदा से सम्बंधित ट्रेनिंग करवाई जाएगी। इसके अलावा, उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि प्रदेश में जितने भी तैराक है उनका डाटा तैयार कर एक पोर्टल बनाया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय की गाइडलाइन के अनुसार प्रदेश में फायर स्टेशन खोलने के लिए मैपिंग करवाई गई थी, जिसके तहत प्रदेश में 59 नए फायर स्टेशन खोले जाऐंगे। इसके अलावा अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि 10 आधुनिक फायर फाइट रोबोट भी जल्द खरीदे जाए। इनका पायलट के तौर उपयोग किया जाएगा। बैठक में मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव श्री राजेश खुल्लर, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ सुमिता मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरूण कुमार गुप्ता, अग्निशमन सेवाएँ, हरियाणा के महानिदेशक श्री शेखर विद्यार्थी, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव श्री राहुल हुड्डा सहित विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

हरियाणा विधानसभा का मानसून सत्र

चार दिन में 21 घंटे 8 मिनट चली कार्यवाही 120 फीसदी रही कार्य उत्पादकता

चंडीगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि मानसून सत्र हर दृष्टि से ऐतिहासिक रहा और इसने संसदीय परंपराओं को नई दिशा दी है। यह सत्र सकारात्मक माहौल में सम्पन्न हो गया। चार दिनों तक चले इस सत्र में 21 घंटे 8 मिनट की कार्यवाही हुई, जो 120.37 प्रतिशत उत्पादकता का प्रतीक रही। सत्र के दौरान कुल 7 विधेयक पारित किए गए और कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर विधायकगणों ने चर्चा में भाग लिया। विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 3 स्थित हरियाणा निवास में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि सत्र 22 अगस्त से 27 अगस्त तक चला। पहले और दूसरे दिन 71, तीसरे दिन 72 और चौथे दिन 70 विधायक मौजूद रहे। इसमें मुख्यमंत्री, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और मंत्रियों की संख्या शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि अनुशासन और गंभीरता के साथ विधायकगणों ने बहस में हिस्सा लिया और सदन की गरिमा को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया। सत्र के समापन पर पहली बार राज्यगीत का वादन हुआ। विस अध्यक्ष ने बताया कि शून्यकाल की कार्यवाही तीन दिन चली, जिसमें 78 सदस्यों ने हिस्सा लिया। भाजपा के 30 सदस्यों ने 99 मिनट, कांग्रेस के 34 सदस्यों ने 129 मिनट, इनेलो के 2 सदस्यों ने 7 मिनट और निर्दलीय 3 विधायकों ने 10 मिनट तक अपनी बात रखी।

प्रश्नकाल में भी विधायकों की सक्रियता देखने को मिली। इस दौरान 53 विधायकों से 307 तारांकित प्रश्न प्राप्त हुए, जिनमें से 194 स्वीकार किए गए और 56 प्रश्नों पर सदन में चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त 160 अतारांकित प्रश्नों में से 132 स्वीकृत किए गए।

ध्यानाकर्षण सूचनाओं के तहत कुल 40 नोटिस आए, जिनमें से 11 को स्वीकार किया गया। इनमें जलभराव, सीईटी परीक्षा की कार्यप्रणाली, धान में वायरस की समस्या, कलेक्टर रेट में वृद्धि और खिलाड़ियों की समस्याओं जैसे मुद्दे शामिल रहे। स्थगन प्रस्तावों में से एक को स्वीकार कर 26 अगस्त को तीन घंटे 35 मिनट लंबी चर्चा की गई, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी 67 मिनट तक जवाब दिया।

इस सत्र में तीन सरकारी प्रस्ताव भी पारित हुए। इनमें गुरु तेग बहादुर जी की 350वीं शहादत वर्षगांठ पर प्रस्ताव, मीडिया से अपराध का महिमामंडन रोकने की अपील और एक आपराधिक विधेयक वापसी शामिल हैं। साथ ही सात महत्त्वपूर्ण विधेयक भी पारित किए गए, जिनमें सदस्य वेतन-भत्ता संशोधन, पिछड़ा वर्ग आयोग संशोधन और जीएसटी संशोधन प्रमुख रहे।सत्र के दौरान दर्शकों की भी बड़ी संख्या में भागीदारी रही। कुल 1585 लोग विधान सभा पहुंचे, जिनमें 842 विद्यार्थी, 281 स्पीकर गैलरी और 462 दर्शक दीर्घा से थे। सत्र में कई विशेष पहलें भी हुईं। पहली बार महामहिम राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष विधान भवन आए, जिनका भव्य स्वागत किया गया। टीवी चैनलों पर कार्यवाही का सीधा प्रसारण सुनिश्चित करने के लिए गाइडलाइन जारी की गई। वहीं 26 अगस्त को नशा मुक्ति का संदेश देने के लिए मुख्यमंत्री, मंत्रियों और विधायकों की भागीदारी से साइक्लोथॉन आयोजित किया गया।

हरियाणा पुलिस ने अपनाया ड्रोन आधारित कॉन्टैक्टलेस लॉ एंड ऑर्डर मैनेजमेंट का आधुनिक मॉडल

करनाल, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर के दूरदर्शी नेतृत्व में पुलिसिंग को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाने के लिए एक महत्व-पूर्ण पहल की गई है। करनाल के मधुबन में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में हरियाणा पुलिस ने ड्रोन-आधारित कॉन्टैक्टलेस लॉ एंड ऑर्डर मैनेजमेंट प्रणाली का डेमो दिया गया, जिसे भविष्य की पुलिसिंग की दिशा में क्रांतिकारी कदम माना जा सकता है। इस कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत एचपीए मधुबन के डायरेक्ट डॉ अर्शिंदर सिंह चावला ने किया।

पुलिस महानिदेशक शत्रुजीत कपूर ने इस अवसर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि वर्तमान समय तकनीक का युग है, और इसके प्रयोग से कई जटिल कार्य अब सरल एवं प्रभावी तरीके से किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि बड़े आंदोलनों और धरना-प्रदर्शनों से निपटने में तकनीक न केवल पुलिस की क्षमता बढ़ाती है, बल्कि कानून-व्यवस्था को बनाए रखने में भी मददगार साबित होती है।

उन्होंने पिछले वर्ष लगभग 13 महीनों तक चले किसान आंदोलन का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौरान पुलिस ने न्यूनतम बल प्रयोग कर कानून-व्यवस्था बनाए रखने का कार्य किया, चूंकि आंदोलन अथवा धरना देने वाले लोग भी हमारे देश के ही नागरिक हैं। अत: उन पर एक सीमा के अंदर है बल प्रयोग उचित है । ऐसे में ड्रोन तकनीक का प्रयोग विशेष रूप से सफल हो सकता है। उन्होंने बताया कि इसके लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया तैयार की गई है ताकि भविष्य में इसे व्यवस्थित ढंग से लागू किया जा सके। डीजीपी ने कहा कि आज मधुबन परेड ग्राउंड में हुआ यह डेमोंस्ट्रेशन पूरी तरह सफल रहा और इस अवसर पर उन्होंने इसमें शामिल सभी पुलिस की टीमों को अपनी शुभकामनाएँ और बधाई दी।

पुलिस आयुक्त पंचकूला शिवास कबिराज ने कहा कि आधुनिक दौर में भीड़ नियंत्रण, संवेदनशील इलाकों की निगरानी और सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्मार्ट एवं कॉन्टैक्टलेस सिस्टम ही भविष्य का रास्ता है। इस प्रणाली के ज़रिये पुलिस बल को भीड़ में सीधे दखल दिए बिना कानून-व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण की सुविधा मिलेगी।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में जवानों का बढ़ाया हौंसला

चंडीगढ़, 30 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने शनिवार को पंचकूला के चौंकी गांव स्थित हरियाणा पुलिस के कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में वरिष्ठ अधिकारियों और जवानों का हौंसला बढ़ाया। वे कमांडो ट्रेनिंग सेंटर द्वारा आयोजित स्वैट डिस्ट्रिक्ट कोर्स और स्वैट एचएपी कोर्स के समापन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनको 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया था तथा यहां प्रशिक्षित जवानों ने सुरक्षा से जुड़े अनेक साहसिक प्रदर्शन किए। विस अध्यक्ष कल्याण ने एडीजीपी सौरभ सिंह और आईजी (सुरक्षा) पंकज नैन समेत अनेक वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में एमपी-5 बंदूक से सटीक निशाना साधा। इस दौरान उन्होंने एके-47, ग्लॉक पिस्तौल इत्यादि हथियारों पर भी हाथ आजमाया। वरिष्ठ अधिकारियों और जवानों को संबोधित करते हुए विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि पुलिस जवानों पर राष्ट्र की सुरक्षा की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कमांडो ट्रेनिंग सेंटर में प्रशिक्षण लेने वाले जवानों को वीआईपी सुरक्षा में तैनात किया जाता है। उन्हें अनेक बार आंतकवादी हमलों जैसी भारी चुनौतियों से भी निपटना होता है। वीआईपी सुरक्षा में तैनात जवानों का कर्तव्य निर्वहन चुनौतीपूर्ण होता है। एक तरफ उन्हें प्रशासनिक आदेशों का पालन करना है, वहीं इस दौरान उन्हें सामान्य लोगों की प्रतिक्रिया भी झेलनी पड़ती है। उन्हें आए दिन साहस और धैर्य की परीक्षा देनी होती है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार एक फिल्म अपने कथानक व प्रस्तुति से दर्शकों को भावविभोर करती है, लेकिन उसके पीछे काफी लोगों की कई माह की सतत साधना होती है। कमांडों भी लंबी साधना से अपने आप को कर्तव्य निर्वहन के लिए तैयार करते हैं। आज इस कार्यक्रम में उनकी इस साधना को प्रत्यक्ष देखने का अवसर मिला है। कल्याण ने कहा कि आज यहां प्रशिक्षित जवानों के साहसिक और चुनौतीपूर्ण प्रदर्शन को देख उनके द्वारा की गई साधना की सहज झलक मिलती है। इस दृष्टि से इस कमांडो ट्रेनिंग सेंटर को तपोभूमि कहना न्यायोचित होगा। उन्होंने कहा कि अपने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

जिला कलेक्टर शीघ्र प्रस्तुत करें विद्यालय भवनों की सर्वे रिपोर्ट: सचिव स्कूल शिक्षा

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। प्रदेश के समस्त राजकीय विद्यालय भवनों के सर्वे को लेकर शासन सचिव स्कूल शिक्षा कृष्ण कुणाल की अध्यक्षता में शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रदेश के सभी जिलों में स्थित राजकीय विद्यालय भवनों की निरीक्षण/सर्वे रिपोर्ट के संबंध में चर्चा की गई, जो जिला कलेक्टर की ओर से तैयार की जानी हैं। शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने सभी जिला कलेक्टर्स को निरीक्षण कार्य शीघ्र पूर्ण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा। गौरतलब है कि शासन सचिव कृष्ण कुणाल ने राज्य सरकार के निर्देशानुसार राज्य के समस्त राजकीय विद्यालय भवनों का सर्वे कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। यह रिपोर्ट 4 सितंबर को जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय में प्रस्तुत की जाएगी। बैठक में राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त अनुपमा जोरवाल, मिड डे मील आयुक्त विश्वमोहन शर्मा, निदेशक, अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व सीएम अशोक गहलोत के बयान पर हनुमान बेनीवाल की प्रतिक्रिया

गहलोत के शासन के राजस्थान की जनता ने सबसे ज्यादा पीड़ा भुगती

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। सांसद हनुमान बेनीवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा उनके खिलाफ दिए गए बयानों पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि गहलोत जी को यह बात नहीं भूलनी चाहिए कि राजस्थान की जनता ने उनके शासनकाल में सबसे ज्यादा पीड़ा भुगती है। हनुमान बेनीवाल ने कहा कि 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद जब सचिन पायलट ने मुख्यमंत्री बनने के लिए उनसे समर्थन मांगा था, तो उन्होंने बिना किसी शर्त के अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (ठडझ) के तीन विधायकों का समर्थन कांग्रेस को देने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि मानेसर प्रकरण कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई का नतीजा था, क्योंकि नेता जनता के हित भूलकर मुख्यमंत्री पद की दौड़ में लगे हुए थे।

बेनीवाल ने अशोक गहलोत के आर-ोपों का जवाब देते हुए कहा कि उन्हें किसी प्रमाण की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनका रुख हमेशा जनता के सामने स्पष्ट रहा है। उन्होंने गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि राजस्थान के इतिहास में यह हमेशा याद रखा जाएगा कि उनके शासनकाल में लाखों मेहनतकश युवाओं के सपनों के साथ सबसे ज्यादा खिलवाड़ हुआ।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री कार्यालय (उचज) में बैठे अधिकारियों, गहलोत के करीबी नेताओं और उन लोगों की भूमिका पेपर लीक में थी, जिन्हें जनता आपका दलाल कहती थी। बेनीवाल ने कहा कि गहलोत ने उन लोगों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की, बल्कि अपने ही मंत्रियों और विधायकों को होटलों में नजरबंद करके रखा और होटलों से सरकार चलाई।

एक राष्ट्र एक चुनाव से देश में सामाजिक, आर्थिक और राजनीति में आएगा आमूलचूल परिवर्तन: सुनील बंसल

जयपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान के तहत राजधानी जयपुर में शनिवार को राज्य स्तरीय छात्रसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन आयोजित किया गया। वैशाली नगर स्थित खण्डेलवाल वैश्य गर्ल्स इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी कॉलेज में आयोजित छात्रसंघ प्रतिनिधि सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं अभियान के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी सुनील बंसल ने कहा कि एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान को जन आंदोलन बनाते हुए अधिक से अधिक संख्या में इसका समर्थन करना है और मुझे पूर्णतया विश्वास है कि देश की युवा शक्ति,छात्रशक्ति इसे प्रमुखता से करेगी। बंसल ने युवाओं से आह्वान किया कि एक चुनाव अभियान का प्रस्ताव जन जन से पास करवाना है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 के सपने को साकार करने में सहयोग करना है।

एक राष्ट्र एक चुनाव के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी सुनील बंसल ने बताया कि एक राष्ट्र एक चुनाव से देश में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक बदलाव तो आएगा ही साथ में देश विकास की नई इबारत लिखेगा। उन्होंने बताया कि देश में 1951-52 से 1967 तक चार आम चुनाव एक साथ करवाए गए, इसके बाद राजनीतिक लाभ के लिए इंदिरा गांधी ने देश की राजनीति में अस्थिरता ला दी। 1995 से 2025 तक 30 साल में हर साल देश में कहीं ना कहीं चुनाव हो रहे है, कभी लोकसभा, तो कभी विधानसभा या फिर कभी पालिका, जिला परिषद या अन्य चुनाव हो रहे है। देश के प्रत्येक राज्य में हर साल करीबन 150 से 200 दिन आचार संहिता लगी होने के कारण जनता के विकास कार्य नहीं हो पाते, इतना ही नहीं, देश में कार्य दिवस भी कम हो जाते है। उन्होंने बताया कि देश में 5 सालों में लगभग 5 से 7 लाख करोड़ रुपए चुनाव करवाने में खर्च किए जा रहे है। ऐसे में अगर एक चुनाव से इसका आधा भी खर्च बचाया जाता है तो देश में विकास को गति मिलेगीं। उन्होंने बताया कि अकेले 2024 के आम चुनाव में लगभग 1 लाख 35 हजार करोड़ से अधिक का खर्चा आया और लगभग 10 लाख से अधिक बूथों पर चुनाव प्रक्रिया पूर्ण करने के लिए 1 करोड़ से अधिक लोगों को चुनाव ड्यूटी में लगाया गया।

विधि और न्याय मंत्री का बड़ा बयान

एसआई भर्ती रद्द नहीं, जांच के आदेश दिए

जोधपुर, 30 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के विधि और न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को जोधपुर दौरे के दौरान बहुचर्चित एसआई भर्ती परीक्षा को लेकर एक महत्वपूर्ण बयान दिया है। सर्किट हाउस में जनसुनवाई के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय ने एसआई भर्ती को रद्द नहीं किया है, बल्कि अपनी विशेष टिप्पणियों के साथ इसकी जांच के आदेश दिए हैं।

मंत्री पटेल ने बताया कि कोर्ट ने राज्य सरकार को इस मामले की जांच करने और उसकी रिपोर्ट आरपीएससी (राजस्थान लोक सेवा आयोग) को भेजने का निर्देश दिया है, ताकि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालय ने कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में नियुक्त किए गए आरपीएससी के अध्यक्षों और सदस्यों पर भी सवाल उठाए हैं और इस संबंध में भी जांच के निर्देश दिए हैं। एसआई भर्ती मामले पर खुलकर बात करते हुए पटेल ने कहा, इस प्रकरण में मुख्यमंत्री के ओएसडी से लेकर सुरक्षाकर्मियों तक के नाम सामने आ रहे हैं। उन्होंने यह आशंका भी जताई कि इस मामले में कई बड़ी मछलियां शामिल हो सकती हैं और सभी के खिलाफ नियमों के अनुसार जांच और कार्रवाई की जाएगी।

उनके इस बयान से यह साफ हो गया है कि सरकार इस भर्ती प्रक्रिया में निष्पक्षता बनाए रखने के लिए गंभीर है।

वोट अधिकार यात्रा पर भड़के सीएम नीतीश कुमार

पीएम मोदी के खिलाफ टिप्पणी को लेकर दिया करारा जवाब

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में वोटर अधिकार यात्रा की चर्चा कम और पीएम मोदी को लेकर की गई टिप्पणी की ज्यादा होने लगी है। शुक्रवार को पूरे बिहार में इस मामले को लेकर नेताओं सहित बीजेपी के लोगों में उबाल रहा। प्रदर्शन और प्राथमिकी का सिलसिला चल पड़ा है। यहां तक की कांग्रेस के नेता सचिन पायलट ने इस कृत्य की आलोचना की है। उधर, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को राज्य में राहुल गांधी की 'मतदाता अधिकार यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कथित रूप से की गई टिप्पणी की निंदा की।

सीएम ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि दरभंगा में मतदाता अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस और राजद के मंचों से पीएम नरेंद्र मोदी जी और उनकी

दिवंगत मां के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल बेहद अशोभनीय है और मैं इसकी निंदा करता हूं।भाजपा ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस नीत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आगामी विधानसभा चुनावों में जनता द्वारा ''दंडित'' किया जाएगा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस घटना को देश के लोकतंत्र पर ''धब्बा'' करार दिया।

शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और पार्टी प्रवक्ता संबित पात्रा ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की आलोचना की।

इससे एक दिन पहले एक कथित वीडियो सामने आया था जिसमें एक अज्ञात व्यक्ति दरभंगा शहर में यात्रा के दौरान मंच से मोदी के खिलाफ हिंदी में अपशब्द का इस्तेमाल करता हुआ दिखाई दे रहा था। यहां से गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका वाड्रा और राजद नेता तेजस्वी यादव बुधवार को मोटरसाइकिल से मुजफ्फरपुर के लिए रवाना हुए थे।

बिहार भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने भी इस घटना के संबंध में गुरुवार को पटना के कोतवाली पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। इस बीच, गुरुवार को पटना के साथ-साथ दरभंगा में भी विरोध प्रदर्शन हुए, जबकि राज्य महिला आयोग ने प्रशासन को एक पत्र लिखकर दोषियों के खिलाफ 'स्वतः संज्ञान' से कार्रवाई की मांग की। दरभंगा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने गांधी और यादव के पुतले फूँके, जो दो बार के स्थानीय सांसद गोपालजी ठाकुर द्वारा आयोजित एक जुलूस में शामिल हुए।

दरभंगा में एक कांग्रेस नेता ने स्वीकार किया कि वायरल वीडियो एक मंच का है जिसे उन्होंने उत्तर बिहार के इस शहर के बाहरी इलाके में स्थापित किया था। उन्होंने इसके लिए माफी मांगी, लेकिन कहा कि अपशब्द उनकी अनुपस्थिति में कहे गए थे। युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता मोहम्मद नौशाद, जो जाले विधानसभा सीट से पार्टी के टिकट की उम्मीद लगाए बैठे हैं, ने कहा, 'ऐसा लगता है कि यह वीडियो उस समय बनाया गया जब मैं वहां से राहुल गांधी के साथ निकला था। मैंने अभी तक क्लिप नहीं देखी है। फिर भी, अगर ऐसा कुछ हुआ है तो मैं माफी मांगता हूं।' नौशाद युवा कांग्रेस के कार्यकर्ता हैं और कहा जा रहा है कि वह जाले विधानसभा सीट से पार्टी के टिकट की उम्मीद लगाए बैठे हैं। ठाकुर ने जिला मजिस्ट्रेट कौशल कुमार को एक ज्ञापन भी सौंपा, जिसमें नौशाद और उसके साथियों की गिरफ्तारी की मांग की गई।

वोटर अधिकार यात्रा का आरा में विरोध

राहुल को भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने दिखाया काला झंडा

पटना (एजेंसियां)।

बिहार में वोट अधिकार यात्रा को लेकर सियासत जारी है। शनिवार दोपहर भाजयुमो के कार्यकर्ताओं ने आरा में इस यात्रा का विरोध किया। इतना ही नहीं भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी को काले झंडे दिखाए और उनका जमकर विरोध किया। हालांकि विरोध कर रहे युवाओं में से कई से राहुल गांधी ने खुद जाकर बातचीत की और उनसे जानने की कोशिश की कि उनका गुस्सा किस बात पर है? भाजयुमो के कार्यकर्ता पीएम मोदी को अपशब्द करने के मामले पर वह लोग विरोध कर रहे हैं।

काला झंडा दिखाने वालों में विभु जैन, जिला उपाध्यक्ष हर्ष राज मंगलम, जिला महामंत्री आदित्य सिंह, महाराणा प्रताप और विकास तिवारी (जिला मंत्री) शामिल रहे। इन कार्यकर्ताओं का आरोप है कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी स्वर्गीय माता जी को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की, जो कि भारतीय संस्कृति और मर्यादा के खिलाफ है।

विरोध के बीच राहुल गांधी ने सड़क किनारे खड़े होकर कार्यकर्ताओं से शांतिपूर्वक बात की। राहुल ने पूछा कि आप लोग विरोध क्यों कर रहे हैं? इसके जवाब में युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने अपना पक्ष साफ तौर पर रखा। इस पूरे घटनाक्रम की एक्सक्लुसिव तस्वीरें समाचार एजेंसी एएनआई के पास मौजूद हैं, जिसमें राहुल गांधी को विरोध कर रहे युवाओं से बात करते हुए देखा जा सकता है।

प्रिंसिपल की दबंगई!

डीएम भी स्कूल में घुसने से पहले लें मेरी इजाजत, वीडियो वायरल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। साहेबगंज प्रखंड के मध्य विद्यालय भलूई खान के प्रधानाध्यापक सूरज कुमार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में वह कहते दिख रहे हैं कि ह्नमेरे स्कूल में अगर डीएम भी आएं तो उन्हें मेरी परमिशन लेनी होगी।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो दो दिन पुराना है और उस वक्त स्कूल के बच्चे भी मौके पर मौजूद थे। प्रधानाध्यापक के इस बयान को शिक्षा व्यवस्था पर

सवाल खड़े करने वाला और अधिकारियों के खिलाफ धौंस जमाने वाला बताया जा रहा है।

दरअसल, राज्य सरकार ने स्कूलों की पारदर्शिता और निगरानी के लिए प्रखंड स्तर पर 20 सूत्री समिति का गठन किया था। इसी कड़ी में समिति के अध्यक्ष मनी रोशन सिंह जब स्कूल निरीक्षण के लिए पहुंचे तो प्रधानाध्यापक सूरज कुमार से उनकी तीखी बहस हो गई। मामला इतना बढ़ा कि गाली-गलौज और आरोप-प्रत्यारोप तक पहुँच गया।

वायरल वीडियो में एक ओर समिति अध्यक्ष भ्रष्टाचार की शिकायतें सामने लाते दिखे, तो दूसरी ओर प्रधानाध्यापक अपने 'नियम-कानून' और ताकत का खुलेआम ऐलान करते नजर आए। अब यह वीडियो न केवल शिक्षा व्यवस्था की लापरवाही उजागर कर रहा है बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था की गंभीरता पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

वोटर अधिकार यात्रा में अखिलेश यादव की एंट्री, कहा-

घपला तिकड़ी मिलकर वोट डकैती कर रही है

पटना (एजेंसियां)।

वोटर अधिकार यात्रा में उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव की एंट्री हो चुकी है। चुनाव आयोग की ओर से 65 लाख मतदाताओं के नाम काटे जाने के विरोध में शुरू हुई वोटर अधिकार यात्रा अब अंतिम चरण में है। आज राहुल गांधी और तेजस्वी यादव के नेतृत्व में यह यात्रा सारण से शुरू हुई। सपा प्रमुख अखिलेश यादव शनिवार सुबह पटना से सीवान पहुंचे। यहां से वह राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, रोहिणी आचार्य समेत इंडिया गठबंधन के वरीय नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ वोटर

अधिकार यात्रा में शामिल हुए। अखिलेश यादव भोजपुर जिले तक राहुल-तेजस्वी के साथ चलेंगे।

इधर, इंडिया गठबंधन के दिग्गजों से मिलने के लिए सारण और सीवान में कांग्रेस, राजद और वाम दल के कार्यकार्ताओं ने भव्य स्वागत किया। उनके समर्थन में नारेबाजी की। अखिलेश यादव ने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में बिहार भाजपा की हार लिखेगा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा-चुनाव आयोग और अधिकारी की 'घपला तिकड़ी' मिलकर वोटों की डकैती कर रही है। दरअसल यह वो तीन तिगाड़ा है, जिनकी साठगांठ ने देश का वर्तमान-भविष्य बिगाड़ा है। भाजपा अपने भोले भाले समर्थकों के भोलेपन का भी दुरुपयोग, अपने भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए, दुष्प्रचार के लिए करती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि पढ़े-लिखे लोग भी एक बार दिल पर हाथ रखकर सोचें कि साम्प्रदायिक राजनीति की घुट्टी पिलाकर भाजपा और उनके संगी-साथियों ने किस तरह उनके ज्ञान और विवेक को बंधक बना लिया है। भाजपा ऐसे लोगों को भी अपने झूठ के प्रचार की खेती में, नफ़रती व्हाट्सएप मैसेज और मिथ्या-संदेशों को आगे बढ़ाने के लिए खाद की तरह इस्तेमाल करती है।

100 करोड़, 5 देशों की करंसी, रोलेक्स घड़ियां, आतंकी फंडिंग पर बड़ा खुलासा

मोतिहारी (एजेंसियां)।

भारत-नेपाल सीमा पर पूर्वी चंपारण में आतंकियों को फंडिंग करने वाले साइबर फ्रॉड गिरोह को आखिरकार दबोच लिया गया। गिरफ्तार फ्रॉड के घर से 100 करोड़ के लेन-देन का खुलासा होने की बात सामने आ रही है। पुलिस गिरोह के सरगना बाप-बेटे को गिरफ्तार कर पूछताछ में जुटी है।

पूर्वी चंपारण जिले के घोड़ासहन थाना क्षेत्र में साइबर क्राइम के एक बड़े मामले का खुलासा हुआ है। घोड़ासहन बाजार के वीरता चौक निवासी भूषण चौधरी और उसके पुत्र गोलू कुमार के खिलाफ पुलिस को लंबे समय से साइबर फ्रॉड में संलिप्त होने की सूचना मिल रही थी। इसी क्रम में पुलिस मुख्यालय पटना से आई विशेष टीम और घोड़ासहन थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में

उनके घर पर छापेमारी की गई।

छापेमारी के दौरान पुलिस को कई चौंकाने वाली सामग्री मिली है। बरामद सामानों में अलग-अलग देशों की करंसी, पांच विदेशी रोलेक्स घड़ियां, 98 आधार कार्ड, 8 ड्राइविंग लाइसेंस, 16 मतदाता पहचान पत्र, 5 श्रम कार्ड, 4 विभिन्न बैंकों के पासबुक, एक एटीएम कार्ड, एक चेकबुक, और कई संदिग्ध दस्तावेज शामिल हैं। इसके अलावा 9 अलग-अलग स्कैनर भी मिले हैं, जो विभिन्न लोगों के नाम पर इस्तेमाल किए जा रहे थे। सबसे महत्वपूर्ण बरामदगी एक लेजर बुक है, जिसमें बड़ी मात्रा में पैसों के लेन-देन का उल्लेख है।

एसपी स्वर्ण प्रभात के अनुसार, यह लेजर बही इस बात की पुष्टि करती है कि यह कोई छोटा-मोटा साइबर कैफे नहीं, बल्कि एक सुनियोजित फ्रॉड रैकेट का संचालन केंद्र था। गौरतलब है कि भूषण चौधरी और उसका बेटा गोलू कुमार पहले भी साइबर फ्रॉड के मामलों में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए जा चुके हैं और जेल जा चुके हैं। अब इन्हें एक बार फिर उत्तर प्रदेश से रिमांड पर लिया जाएगा, ताकि पूरे नेटवर्क की परतें खोली जा सकें। इस मामले में एक अन्य स्थानीय आरोपी आलोक कुमार अब भी फरार है, जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापामारी कर रही है।

पुलिस ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की गहन जांच-पड़ताल की जा रही है, और यह भी देखा जा रहा है कि कहीं यह गिरोह अंतरराज्यीय या अंतरराष्ट्रीय साइबर फ्रॉड नेटवर्क से तो नहीं जुड़ा हुआ है। फिलहाल इस कार्रवाई से स्थानीय इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस को उम्मीद है कि जल्द ही पूरे गिरोह का पर्दाफाश किया जा सकेगा। माना जा रहा है कि ये रैकेट आतंकी फंडिंग से भी जुड़ा हुआ है।

पत्रकार राजदेव हत्याकांड में 9 साल बाद 3 बरी और 3 दोषी, 10 सितंबर को सजा पर फैसला

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

बिहार के सिवान में पत्रकार राजदेव रंजन की हत्या के 9 साल बाद कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने तीन आरोपियों को दोषी पाया है, जबकि तीन को बरी कर दिया है। मुजफ्फरपुर की विशेष सीबीआई कोर्ट ने विजय गुप्ता, रोहित कुमार सोनी और सोनी कुमार गुप्ता को दोषी माना है। लड्डन मियां, रिशु कुमार और राजेश कुमार को बरी कर दिया गया है। कोर्ट 10 सितंबर को दोषियों को सजा सुनाएगा।

कोर्ट का फैसला आने के बाद राजदेव रंजन की पत्नी आशा रंजन ने कहा कि इंसाफ मिलने में देर जरूर हुई, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि दोषियों को कड़ी सजा मिलेगी। उन्होंने बरी किए गए आरोपियों पर भी चिंता जताई। आशा रंजन ने कहा, 'हत्याकांड में जो व्यक्ति बाइक चला रहा था और उसके पीछे बैठ कर गोली चलाई गई वह दोषमुक्त कैसे हो सकता है?' उन्हें समझ नहीं आ रहा कि गोली चलाने वाला कैसे बच सकता है।

राजदेव रंजन की पत्नी आशा यादव ने नगर थाने में केस दर्ज कराया था। 17 मई

2016 को बिहार सरकार ने सीबीआई से जांच करने को कहा था। सीबीआई ने अगस्त 2018 में आरोप पत्र दाखिल किया। सबसे पहले एक नाबालिग पर आरोप लगाया गया। बाद में शहाबुद्दीन का नाम भी शामिल किया गया। सीबीआई का कहना था कि राजदेव रंजन, मोहम्मद शहाबुद्दीन के खिलाफ खबरें लिखते थे, इसलिए उनकी हत्या हुई।

पुलिस ने शहाबुद्दीन को छोड़कर बाकी सात आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। मुख्य आरोपी शहाबुद्दीन की कोरोना काल में मौत हो गई थी। बाकी 6 आरोपियों पर मुकदमा चल रहा था। इनमें अजहरुद्दीन उर्फ लड्डन मियां, रोहित कुमार सोनी, विजय कुमार गुप्ता, सोनू कुमार गुप्ता, राजेश कुमार और रीशु कुमार जायसवाल शामिल हैं। विजय कुमार गुप्ता जमानत पर हैं, बाकी जेल में बंद हैं।

एक और आरोपी को कोर्ट ने किशोर माना है। उसके मामले की सुनवाई बाल न्यायालय में चल रही है। इस मामले में सीबीआई ने 69 गवाहों के बयान दर्ज कराए। साथ ही 111 सबूत कोर्ट में पेश किए। आरोपियों से 183 सवाल पूछे गए। पहले यह मामला पटना के विशेष कोर्ट में था, बाद में इसे मुजफ्फरपुर के सीबीआई कोर्ट में भेज दिया गया।

जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश नमिता सिंह की कोर्ट ने शनिवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने अजहरुद्दीन बेग उर्फ लड्डन मियां समेत तीन आरोपियों को बरी कर दिया। विजय कुमार गुप्ता, सोनू कुमार गुप्ता और रोहित कुमार सोनी को दोषी ठहराया गया है। बचाव पक्ष के वकील शरद सिन्हा ने कहा कि अदालत ने लड्डन मियां, राजेश कुमार और रिशु कुमार जायसवाल को सबूतों की कमी के कारण बरी कर दिया है। दोषियों को 10 सितंबर को सजा सुनाई जाएगी।

प्रशांत किशोर की जन सुराज का बढ़ा 'कुनबा', पूर्व मंत्री रामजीवन सिंह के बेटे ने ली पार्टी की सदस्यता

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बेगूसराय में कभी लालू यादव और सीएम नीतीश कुमार के नजदीकी रहे पूर्व मंत्री रामजीवन सिंह ने जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को अपना समर्थन दे दिया है। शुक्रवार की रात जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर पूर्व सांसद और पूर्व मंत्री रामजीवन सिंह के आवास मंझौल गांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने रामजीवन सिंह से आशीर्वाद लिया और उनके बेटे राजीव नयन को जनसुराज की सदस्यता दिलाई।

रामजीवन सिंह ने कहा कि उन्होंने 2007 में राजनीति से संन्यास ले लिया था, क्योंकि राजनीति विकृति की ओर बढ़ गई थी।

लेकिन प्रशांत किशोर गांधीवादी विचारधारा पर राजनीति कर रहे हैं, इसलिए वह उन्हें और उनकी पार्टी जनसुराज को समर्थन देते हैं। उन्होंने कहा कि अच्छे लोग राजनीति से दूर हो गए थे, लेकिन जनसुराज ने जागृति पैदा

करने का काम किया है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि वह न तो एमपी बनने आए हैं और न ही एमएलए। उनके पास पहले से सबकुछ है और वह सत्ता या विपक्ष की राजनीति के लिए संघर्ष नहीं कर रहे। उन्होंने कहा कि अगर अवसर नहीं मिलता है तो भी वह 10 साल तक सड़कों पर संघर्ष करने के लिए तैयार हैं।

पीके ने कहा कि अगर जनसुराज से कोई गलत आदमी टिकट लेकर चुनाव मैदान में उतरता है तो जनता उन्हें वोट न करे। जब तक वह जनसुराज से जुड़े हैं, तब तक ईमानदारी और शुद्धता से कोई समझौता नहीं होगा।

महाभारत का उदाहरण देते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जैसे अभिमन्यु ने चक्रव्यूह को तोड़ते हुए बलिदान दिया, वैसे ही जनसुराज राजनीति की जटिलताओं को तोड़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि बिहार को सुधारने के लिए अगर उनका सबकुछ भी समाहित हो जाए, तब भी चिंता की बात नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com